

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 50 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 16 अक्टूबर 2026(शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

सिंहस्थ के लिए सड़क चौड़ीकरण की जद में आए प्राचीन मंदिर



महानगर मेट्रो ब्यूरो

उज्जैन। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत अंकपात से खाकचौक जाने वाले मार्ग के चौड़ीकरण की जद में प्राचीन मंदिर और धर्मस्थल आ गए हैं। उज्जैन विकास प्राधिकरण ने सड़क के दोनों ओर स्थित मंदिरों पर लाल निशान लगाए हैं। करीब 45 फीट चौड़े मार्ग को 100 फीट यानी 30 मीटर तक चौड़ा करने की योजना है। इससे दो दर्जन से अधिक मंदिरों और धार्मिक स्थलों के प्रभावित होने की आशंका है। इनमें उत्तरामुखी हनुमान मंदिर, षट् विनायक में शामिल अविघ्न विनायक गणेश मंदिर और हांडीफोड़ भैरव मंदिर प्रमुख हैं। निशान लगाए जाने के बाद पुजारियों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सिंहस्थ के लिए विकास जरूरी है, मंदिर परिसर में स्थित बृहस्पतेश्वर महादेव और अन्नपूर्णा माता मंदिर भी प्रस्तावित चौड़ीकरण की जद में बताए जा रहे हैं।

लोगों की मेहनत की कमाई की खुली लूट

अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन का ₹241 करोड़ का सुभाष ब्रिज प्रोजेक्ट या करप्शन का नया ATM?

Rs 12 करोड़ का गैर-कानूनी बोनस किसकी जेब में जाएगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद। गुजरात की फाइनेंशियल कैपिटल और शान से मशहूर शहर अहमदाबाद में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के नाम पर लोगों के करोड़ों पैसे लूटने के प्लान का एक और काला चैप्टर सामने आया है। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा साबरमती नदी पर बनाए जा रहे स्टेट-ऑफ-द-आर्ट आठ-लेन नए सुभाष ब्रिज प्रोजेक्ट के नाम पर खुली लूट हो रही है। एक तरफ, करोड़ों रुपये टैक्स देने वाले लोग बेसिक सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं, दूसरी तरफ, ₹ के करप्ट बॉस और करप्ट कॉन्ट्रैक्टर की मिलीभगत से लोगों के टैक्स का पैसा बिना सोचे-समझे बर्बाद किया जा रहा है। 241 करोड़ का बिजनेसः समय पर काम पूरा करने पर कॉन्ट्रैक्टर को 12 करोड़ का 'रिवॉर्ड'! अहमदाबाद में ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए 241 करोड़ रुपये की भारी लागत से आठ लेन का नया सुभाष ब्रिज बनाने की घोषणा की गई है। कागजों में इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए 24 महीने की डेडलाइन तय की गई है, लेकिन प्रशासन की चालाकी देखिए– काम जल्दी पूरा करने पर कॉन्ट्रैक्टर को इंसेंटिव के तौर पर 12 करोड़ रुपये का भारी बोनस देने का प्रावधान किया गया है! टेंडर के क्लॉज 19.20 की आड़ में, कॉन्ट्रैक्टर को रेडी रेड के तौर पर पांच परसेंट एक्स्ट्रा पैसे दिए जाएंगे। सवाल उठता है कि क्या कॉन्ट्रैक्टर की यह कानूनी और नैतिक ज़िम्मेदारी नहीं है कि वह जिस काम के लिए उसे करोड़ों रुपये का फायदेमंद प्रोजेक्ट दिया गया है, उसे तय समय में पूरा करे? काम को समय पर पूरा करने के लिए जनता के टैक्स से एक्स्ट्रा 12 करोड़ रुपये लूटने की यह कौन सी सोच है? क्या ₹ का खजाना लुटेरों के लिए खुला छोड़ दिया गया है? पिछले दशक का काला इतिहासः एक भी ब्रिज समय पर नहीं बना! अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के दावों और असलियत में बहुत बड़ा फ़र्क है। पिछले 10 साल का इतिहास गवाह है कि ₹ से मंजूर फ़्लाईओवर हों या रेलवे ओवरब्रिज , एक भी पुल अपनी तय डेडलाइन के अंदर पूरा नहीं हुआ। पुल का काम सालों तक पेंडिंग रखा जाता है।लोग सालों तक डायवर्जन, ट्रैफ़िक जाम और बहुत ज़्यादा प्रदूषण की भयानक तकलीफ़ झेलते हैं। प्रोजेक्ट की लागत दोगुनी हो जाती है, फिर भी आज तक एक भी कॉन्ट्रैक्टर से देरी के लिए कोई पेनल्टी नहीं ली गई। और अब, 16 महीने में एक तरफ़ा सड़क शुरू करने के नाम पर अचानक 12 करोड़ रुपये का बोनस देने का पागलपन क्यों? इसके पीछे किसी बड़े घोटाले की बू आ रही है !हाटकेश्वर ब्रिज जैसे हादसे भुलाए नहीं जाते जनता का पैसा पानी और जान का जोखिम! गुजरात पहले भी हाटकेश्वर ब्रिज घोटाले जैसा भयानक भ्रष्टाचार देख चुका है, जहाँ जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये से बना पुल घटिया मटीरियल और बड़ी लापरवाही की वजह से कुछ ही समय में बेकार साबित हुआ और उसे गिराना पड़ा। आज भी सवाल उठता है कि अगर नया सुभाष ब्रिज बनने के बाद भविष्य में खराब हो जाता है, उसमें दरार आ जाती है या वह गिर जाता है, तो क्या कॉन्ट्रैक्टर और उसके इंजीनियरों को आसानी से माफ कर दिया जाएगा? जनता के टैक्स के पैसे का जो



एक-एक रुपया बर्बाद हो रहा है, उसे इन भ्रष्ट कॉन्ट्रैक्टर और जिम्मेदार अधिकारियों की निजी संपत्ति ब्याज समेत बेचकर क्यों नहीं वसूला जाता? जब भी कोई नया ब्रिज या प्रोजेक्ट गिरता है या उसमें भ्रष्टाचार पकड़ा जाता है, तो बस सस्पेंशन का नाटक करके मामले को रफा-दफा कर दिया जाता है। जनता की मेहनत की कमाई को ब्लैक मार्केट में बांटने वाले इस भ्रष्ट सिस्टम के खिलाफ जनता का गुस्सा अब चरम पर पहुंच गया है। अगर समय रहते इन लुटेरों पर कानून नहीं कसा गया, तो यह तय है कि आने वाले दिनों में जनता सड़कों पर उतरेगी और जमकर विरोध करेगी!

धीरेंद्र शास्त्री बोले–मध्य प्रदेश में शराबबंदी हो, लाड़ली बहना के बाद यह होगी सबसे बड़ी सौगात

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बुंदेलखंड। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की सनातन हिंदू एकता रथयात्रा 3.0 पांच दिनों के सफर के बाद अपने समापन की ओर है। बागेश्वर धाम से शुरू हुई यह यात्रा पन्ना, दमोह,



सागर और टीकमगढ़ सहित पांच जिलों से गुजरते हुए करीब 500 किलोमीटर का सफर तय कर छतरपुर में संपन्न होगी। यात्रा के दौरान उमड़ी भीड़ और लोगों की भागीदारी को लेकर धीरेंद्र शास्त्री ने इसे सनातन एकता और सामाजिक सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि बुंदेलखंड में यात्रा को अभूतपूर्व जनसमर्थन मिला। उनके अनुसार, बड़ी संख्या में लोग आठ से दस घंटे तक सड़कों पर रुककर कीर्तन करते रहे और दर्शन के लिए इंतजार करते रहे। उन्होंने कहा कि यह केवल सनातन का प्रदर्शन नहीं, बल्कि दर्शन की यात्रा थी। इसका उद्देश्य हिंदुओं को एकजुट करने के साथ नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी था। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड नशे की समस्या से जूझ रहा है। यात्रा के दौरान लोगों ने नशा छोड़ने और समाज में सुधार लाने के संकल्प लिए। उनका मानना है कि समाज की सोच बदलेगी तो समाज सुधरेगा और समाज सुधरेगा तो देश में भी बदलाव आएगा।

गेस्ट कॉलिंग फीचर से आसान होगी प्रोफेशनल मीटिंग और बातचीत, कैलेंडर इंटीग्रेशन की भी तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। वॉट्सएप ने अपने यूजर्स के लिए गेस्ट कॉलिंग फीचर पेश किया है। इसकी मदद से ऐसे लोगों को भी वॉट्सएप कॉल में शामिल किया जा सकेगा, जिनके पास वॉट्सएप अकाउंट नहीं है या जिन्होंने अपने फोन अथवा कंप्यूटर में एप इंस्टॉल नहीं किया है। इसके लिए केवल कॉल का लिंक भेजना होगा, जिसे खोलकर दूसरा व्यक्ति सीधे कॉल से जुड़ सकेगा।



जवाबः इस फीचर के जरिए वॉट्सएप यूजर बिना अकाउंट वाले व्यक्ति को भी कॉल में शामिल होने का लिंक भेज सकता है। सामने वाले को नया अकाउंट बनाने या एप डाउनलोड करने की जरूरत नहीं होगी। जवाबः कॉल का लिंक मोबाइल या कंप्यूटर के वेब ब्राउजर में खोलकर जुड़ने की सुविधा दी गई है। इसके लिए गूगल क्रोम या सफारी जैसे ब्राउजर का इस्तेमाल किया जा सकता है। जवाब गेस्ट कॉलिंग से व्यक्तिगत बातचीत और व्यावसायिक मीटिंग करना आसान होगा। उन लोगों से भी संपर्क किया जा सकेगा, जो वॉट्सएप इस्तेमाल नहीं करते या नया एप डाउनलोड नहीं करना चाहते। जवाबः मेटा के अनुसार, गूगल कैलेंडर और आउटलुक के साथ इंटीग्रेशन की योजना है। इसके जरिए यूजर्स कैलेंडर आमंत्रण के साथ वॉट्सएप कॉल का लिंक भी भेज सकेंगे।

3,075 में सालभर टोल टैक्स से राहत, FASTag एनुअल पास से 200 बार सफर का मौका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। अगर आप अक्सर अपनी कार से नेशनल हाईवे पर सफर करते हैं, तो FASTag एनुअल पास आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की इस सुविधा में एकमुश्त ?3,075 देकर एक साल या 200 ट्रिप तक टोल पार करने की सुविधा मिलती है। इसकी वैधता एक साल या 200 ट्रिप, जो पहले पूरी हो जाए, तक रहती है। यह पास देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे के निर्धारित टोल प्लाजा पर मान्य है। हालांकि, राज्य राजमार्गों, स्थानीय निकायों की सड़कों और अन्य ऐसे टोल प्लाजा पर यह लागू नहीं होगा, जहां इस सुविधा की मान्यता नहीं है। इन स्थानों पर सामान्य FASTag वॉलेट से टोल शुल्क कटेगा। एनुअल पास के लिए गाड़ी पर अलग FASTag लगाने की जरूरत नहीं होती। यह पात्र निजी कार के मौजूदा FASTag से जुड़ता है। निर्धारित टोल प्लाजा पर वाहन के गुजरने पर पास की वैधता के अनुसार ट्रिप की गिनती होती है और सामान्य टोल शुल्क के बजाय पास की सुविधा लागू होती है। सामान्य टोल प्लाजा पर एक बार गुजरने को एक ट्रिप माना जाता है।

सामान्य से 14 इंच कम बारिश, 40 लाख आबादी की पानी की जरूरत पूरी करने की चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। मध्य प्रदेश में कमजोर मानसून के चलते इंदौर में आगामी गर्मियों के दौरान जल संकट की आशंका बढ़ गई है। शहर में सामान्य तौर पर होने वाली करीब 37 इंच बारिश के मुकाबले इस बार केवल 23 इंच वर्षा दर्ज की गई। हालात को देखते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से जल प्रबंधन के लिए 50 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज मांगा है। जल संकट से निपटने के उपायों पर चर्चा के लिए गुरुवार सुबह नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट और नगर निगम सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इसमें शहर में पानी की उपलब्धता और आगामी गर्मियों में संभावित जरूरतों को लेकर चर्चा की गई। करीब 40 लाख आबादी वाले इंदौर में घरेलू जरूरतों के लिए प्रतिदिन लगभग 620 एमएलडी पानी की आवश्यकता होती है। औद्योगिक, व्यावसायिक और संस्थागत जरूरतों को जोड़ने पर कुल मांग 750 से 800 एमएलडी तक पहुंच जाती है। शहर की बड़ी आबादी नर्मदा जलापूर्ति पर निर्भर है, जिससे प्रतिदिन करीब 440 एमएलडी पानी मिलता है। लीकेज और अन्य कारणों से करीब 22 प्रतिशत पानी बर्बाद होने का अनुमान है। इससे जल प्रबंधन की चुनौती और बढ़ जाती है। वर्ष 2008 में भी शहर में करीब 20 इंच बारिश हुई थी और उस दौरान जल संकट की स्थिति बनी थी। अब 18 साल बाद कम बारिश के कारण एक बार फिर गर्मियों में पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने को लेकर चिंता बढ़ गई है। जल संकट की आशंकाओं के बीच गुरुवार सुबह बंगाली चौराहे से बायपास के बीच डीमार्ट के पास नर्मदा की पाइपलाइन फूट गई। पाइपलाइन से तेज गति से पानी निकलने के कारण सड़क पर पानी भर गया और यातायात प्रभावित हुआ। पानी भरने से अंडरपास भी बंद करना पड़ा। इस घटना ने शहर की जलापूर्ति व्यवस्था में लीकेज से होने वाले नुकसान की समस्या को भी सामने ला दिया। शहर में एक लाख से अधिक निजी बोरवेल के अलावा नगर निगम के करीब 6,500 बोरवेल और हाइड्रेंट हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, इंदौर



के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र क्रिटिकल जोन में शामिल हैं। रिपोर्ट में भूजल दोहन का स्तर करीब 90 प्रतिशत बताया गया है। भूजल का लगातार इस्तेमाल बढ़ने से भविष्य में स्थिति और गंभीर हो सकती है। पिछली गर्मियों में बोरवेल पर निर्भर आबादी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ा था। उस समय हालात संभालने के लिए करीब 700 टैंकरों से पानी की आपूर्ति करनी पड़ी थी। ऐसे में इस बार कम बारिश, घटता भूजल स्तर और जलापूर्ति नेटवर्क में होने वाला नुकसान प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती बन सकते हैं।

मकान टूटे, फसलें उजड़ीं तो 5 हजार से ज्यादा आदिवासी निकले भोपाल की ओर

महानगर मेट्रो ब्यूर

सीहोर। जिले के बुधनी विधानसभा क्षेत्र के कोसमी गांव में वन विकास निगम की कार्रवाई से नाराज आदिवासियों ने आंदोलन तेज कर दिया है। मकान तोड़े जाने और खेतों में फसलें बर्बाद होने का आरोप लगाते हुए गुरुवार सुबह 5 हजार से अधिक आदिवासी सीहोर से भोपाल के लिए पदयात्रा पर निकल पड़े। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि



वे मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी पीड़ा बताना चाहते हैं। गुरुवार रात पदयात्रियों का जत्था कोनाझिर में रुकने वाला है। कोसमी गांव के आदिवासी पिछले पांच दिनों से अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे थे। उनका आरोप है कि 11 अक्टूबर को वन विभाग की कार्रवाई के दौरान 12 परिवारों के मकान तोड़ दिए गए और खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचाया गया। इस कार्रवाई के बाद प्रभावित परिवारों के सामने रहने और आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। मकानों को तोड़े जाने और फसलों को नुकसान पहुंचने के मामले में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी नाराजगी जताई थी। इसके बावजूद अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे आदिवासियों ने अब राजधानी तक पदयात्रा करने का फैसला किया है। पदयात्रा में शामिल प्रदर्शनकारी हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे हैं।

चेतन कुमार, फिरदौस अहमद और गाजी अब्दुल नूर भी विवादों में आए; किसी पर ओसीआई नियम तोड़ने तो किसी पर चुनाव प्रचार में शामिल होने के आरोप लगे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बावजूद प्रदर्शन में शामिल होने के मामले में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज हुई और उन्हें 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का आदेश दिया गया। इस घटनाक्रम ने उन फिल्मी हस्तियों से जुड़े पुराने विवादों को भी फिर चर्चा में ला दिया है, जो विदेशी नागरिकता, वीजा या ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) से जुड़े मामलों में कार्रवाई का सामना कर चुके हैं। इमरान खान का जन्म अमेरिका के विस्कॉन्सिन में हुआ था और उनके पास अमेरिकी नागरिकता है। वह ओसीआई कार्ड के माध्यम से भारत में रहते और काम



करते हैं। उनके मामले में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 के प्रावधानों और प्रदर्शन में उनकी भागीदारी को लेकर कार्रवाई की बात सामने आई है। कन्नड़ अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता चेतन कुमार अहिंसा वर्ष 2023 में अपने ओसीआई कार्ड को लेकर विवादों में आए। अमेरिकी नागरिक चेतन लंबे समय से कर्नाटक में रहकर फिल्मों और सामाजिक मुद्दों पर काम कर रहे थे। सोशल मीडिया पर उनके बयानों के बाद केंद्र सरकार ने उनकी ओसीआई सुविधा रद्द करने का फैसला किया। चेतन ने इस फैसले को अदालत में चुनौती दी। अप्रैल 2023 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने ओसीआई कार्ड रद्द करने के आदेश पर रोक लगा दी। बांग्लादेशी अभिनेता फिरदौस अहमद अप्रैल 2019 में पश्चिम बंगाल के लोकसभा चुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस के लिए प्रचार करने के बाद विवादों में आ गए थे।

मोदी ने एशियन गेम्स के पदक विजेताओं से की मुलाकात, बोले- खिलाड़ियों की सफलता ही देश की सफलता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में एशियन गेम्स 2026 के पदक विजेता भारतीय खिलाड़ियों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि खिलाड़ियों की सफलता देश की सफलता है। उन्होंने कहा कि जब खिलाड़ियों का जुनून जीत में बदलता है, तो उनके चेहरे पर चमक के साथ पूरे देश का गौरव भी बढ़ता है। कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा भी मौजूद रहीं। प्रधानमंत्री ने कहा कि पदक विजेता खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें भी ऊर्जा मिलती है। एक साथ इतने सारे पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से मिलना अपने आप में खास अनुभव है। उन्होंने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से यह दिखाया है कि दृढ़ संकल्प और मेहनत के बल पर बड़ी से बड़ी चुनौती का सामना किया जा सकता है। आज देश के युवा हर क्षेत्र में सफलता की नई ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं और अपनी मेहनत से खुद अपनी राह बना रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला खिलाड़ियों की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत ने एशियन गेम्स में कुल 85 पदक जीते, जिनमें 38 पदक महिला खिलाड़ियों के नाम रहे। इनमें 11 स्वर्ण पदक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये पदक केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि नए भारत की बदलती सोच, आत्मविश्वास और मजबूत क्षमता की तस्वीर पेश करते हैं। मोदी ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने अलग-अलग खेलों में शानदार प्रदर्शन किया और नए कीर्तिमान स्थापित किए। तीरंदाजी में भारत ने पांच स्वर्ण पदक हासिल किए। निशानेबाजी में भी खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि मुक्केबाजी और कुश्ती में भारतीय खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल कीं। उन्होंने भारोत्तोलन में 28 साल बाद पदक जीतने की उपलब्धि का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने भारतीय महिला हॉकी टीम की ऐतिहासिक सफलता का विशेष रूप से जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महिला हॉकी टीम ने



स्वर्ण पदक जीतकर 44 साल का इंतजार खत्म किया है। भारतीय महिला टीम ने एशियन गेम्स के फाइनल में चीन को 1-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। टीम के लिए लालरेमसियामी ने निर्णायक गोल किया। भारत ने इससे पहले 1982 में दक्षिण कोरिया को हराकर महिला हॉकी में स्वर्ण पदक जीता था। लंबे अंतराल के बाद इस उपलब्धि को हासिल करना भारतीय हॉकी के लिए महत्वपूर्ण रहा। प्रधानमंत्री ने भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों के स्वर्ण पदक जीतने को भी दश के लिए गौरव का विषय बताया।

रजनीकांत की 'शिवाजी' से बदली श्रिया सरन के करियर की तस्वीर, 'दृश्यम' ने दिलाई नई पहचान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। श्रिया सरन का फिल्मी सफर कई उतार-चढ़ाव, नए अनुभवों और महत्वपूर्ण फैसलों से होकर गुजरा है। दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी पहचान बनाने से लेकर हिंदी फिल्मों के दर्शकों के बीच लोकप्रिय होने तक, उन्होंने अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाई हैं। उनके करियर में रजनीकांत के साथ तमिल फिल्म 'शिवाजीः द बॉस' और अजय देवगन के साथ 'दृश्यम' जैसी फिल्मों ने अहम भूमिका निभाई। वहीं, एसएस राजामौली की 'आरआरआर' से



जुड़ा उनका एक किस्सा बताता है कि अभिनय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता कितनी मजबूत रही है। रजनीकांत की 'शिवाजी' से मिली बड़ी पहचान श्रिया सरन के करियर का महत्वपूर्ण मोड़ वर्ष 2007 में आया, जब वह सुपरस्टार रजनीकांत के साथ तमिल फिल्म 'शिवाजीः द बॉस' में नजर आईं। एस. शंकर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने मुख्य महिला किरदार निभाया था। फिल्म की सफलता के बाद उनकी लोकप्रियता में इजाफा हुआ और दक्षिण भारतीय सिनेमा में उनकी स्थिति और मजबूत हुई। श्रिया ने एक साक्षात्कार में बताया था कि जब उन्होंने फिल्म के लिए हामी भरी, तब उन्हें निर्देशक शंकर के बारे में पता था, लेकिन यह जानकारी नहीं थी कि फिल्म में कौन-सा अभिनेता मुख्य भूमिका निभाएगा। बाद में रजनीकांत के साथ काम करने का अनुभव उनके लिए बेहद खास साबित हुआ। इस फिल्म ने उन्हें व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुंचने का अवसर दिया और उनके करियर को नई दिशा मिली। इसके बाद श्रिया ने तमिल और तेलुगु फिल्मों में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। अलग-अलग तरह की कहानियों और किरदारों के साथ काम करते हुए उन्होंने अपनी अभिनय क्षमता का विस्तार किया। श्रिया का करियर किसी एक भाषा या फिल्म उद्योग तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने हिंदी, तमिल और तेलुगु सहित विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया। हर भाषा के सिनेमा की अपनी कार्यशैली, कहानी कहने का तरीका और दर्शकों की अपेक्षाएं होती हैं। ऐसे में एक उद्योग से दूसरे उद्योग में काम करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ सीखने का अवसर भी रहा।द्व श्रिया के मुताबिक, उनकी करियर यात्रा कई उतार-चढ़ावों और फैसलों का परिणाम है। जीवन में हर चीज पहले से तय नहीं की जा सकती और कई बार परिस्थितियां ऐसे अवसर लेकर आती हैं, जिनकी पहले कल्पना भी नहीं होती। हर अनुभव व्यक्ति को कुछ नया सिखाता है। करियर की शुरुआत में वह फिल्मों की पटकथा और अपने फैसलों को लेकर अधिक भावुक रहती थीं, लेकिन समय के साथ उन्होंने परिस्थितियों को समझना और अनुभव से सीखना शुरू किया।

डभोई-वडोदरा रोड पर LCB रूरल की बड़ी रेडः क्रेटा कार से 5.66 लाख रुपये की विदेशी शराब जब्त, ड्राइवर खेतों में फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। रोड पर राजली चौकड़ी के पास से गुजर रही एक हुंडई क्रेटा कार से भारी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब जब्त की गई है। हालांकि, पुलिस की गाड़ी को देखकर ड्राइवर गाड़ी को सड़क किनारे पार्क करके अंधेरे और खेतों का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गया। वडोदरा रूरल LCB स्टाफ A.S.I. भूपतभाई वीरमभाई, बलदेवसिंह खड़ेसिंह, अजीतसिंह धीरूभाई, A.S.I. प्रवीणसिंह रणवीरसिंह,.H.C. विनोदकुमार किशनसिंह और A.P.C. नीलेशभाई मनसुखभाई डभोई पुलिस स्टेशन इलाके में रूटीन पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे। इसी बीच, डभोई-वडोदरा रोड पर राजली चौकड़ी के पास, स्टाफ के लोगों और A.P.C.नीलेशभाई को खास और मिली-जुली जानकारी मिली कि एक सफेद हुंडई क्रेटा कार, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर है, जिसमें बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब भरी है, और वह राजली चौकड़ी होते हुए करवन रोड की ओर जाने वाली है। मिली जानकारी के आधार पर, पुलिस टीम ने तुरंत उसी इलाके में नज़र रखी। थोड़ी देर बाद, जानकारी वाली संदिग्ध क्रेटा कार वहां से गुज़री और पुलिस ने उसे रोकने का इशारा करके घेराबंदी करने की कोशिश की। लेकिन, चालाक ड्राइवर ने पुलिस को देखकर लापरवाही से कार सड़क के किनारे खड़ी कर दी और अंधेरे का फायदा उठाकर वहां से भाग गया। पुलिस ने उसका पीछा कर उसे पकड़ने की पूरी कोशिश की, पुलिस की पकड़ में आने से बाल-बाल बच गया।



दरियापुर, जमालपुर-खाड़िया और असरवा विधानसभा क्षेत्रों का जॉइंट 'सेवा सेतु' प्रोग्राम आयोजित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनकल्याण, सुशासन और सच्ची जनसेवा के प्रति समर्पण के 25 गौरवशाली साल पूरे होने के बड़े जश्न के हिस्से के तौर पर, अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के सेंट्रल ज़ोन ने एक बड़ा 'सेवा सेतु' प्रोग्राम सफलतापूर्वक आयोजित किया। शहर के 6 वार्ड के लोगों के लिए एक ही छत के नीचे सरकारी योजनाओं का संगम इस खास सेवा सेतु प्रोग्राम में सेंट्रल ज़ोन के 6 ज़रूरी वार्ड - शाहपुर, दरियापुर, खाड़िया, जमालपुर, असरवा और शाहीबाग - शामिल थे, जो दरियापुर, जमालपुर-खाड़िया और असरवा विधानसभा क्षेत्रों में आते हैं। यह कैंप सभी सरकारी, सामाजिक और म्युनिसिपल सेवाओं को उनके घर पर आसानी से उपलब्ध कराने के मकसद से बनाया गया था, ताकि स्थानीय लोगों को सरकारी ऑफिस जाने की परेशानी से छुटकारा मिल सके। स्थानीय नागरिकों और लाभार्थियों से भरपूर रिस्पॉन्स प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत कार्ड और हेल्थ चेक-अप। राज्य सरकारों की अलग-अलग जनकल्याण योजनाओं के फॉर्म और मौके पर ही मंज़ूरी। पार्षदों और नगर निगम अधिकारियों की मौजूदगी में हुए इस प्रोग्राम में बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए और योजना का लाभ उठाया।



सुप्रीम कोर्ट का इलेक्शन कमीशन और चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार को कारण बताओ नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन और वोटर लिस्ट से नाम हटाने के मुद्दे पर फाइल की गई पिटीशन पर देश के चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार और इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच पहले ही विपक्षी नेताओं की फाइल की गई इस पिटीशन को पेंडिंग केस के साथ टैग करके सुनवाई कर चुकी है। सुनवाई के दौरान फैसला या ऑर्डर देते समय, सुप्रीम कोर्ट ने एक पिटीशनर के हालिया परफॉर्मेंस और बर्ताव पर सख्त रुख अपनाया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ डिसिप्लिनरी शब्दों में कहा कि नोटिस जारी करने का मतलब यह नहीं है कि कोर्ट किसी बात को कन्फर्म या गलत ठहरा रहा है। कोर्ट ने कहा, 'हम नोटिस जारी कर रहे हैं, लेकिन अगली सुनवाई की तारीख पर, पिटीशनर में से एक को कोर्ट के सामने अपने हाल के व्यवहार के बारे में बताना होगा। इस पिटीशनर के बारे में सुनवाई सिर्फ़ प्रोविजनल बेसिस पर होगी, जो उसके दिए गए एक्सप्लेनेशन पर आधारित होगी। ' गौरतलब है कि 12 अक्टूबर को, पिटीशन फाइल करते समय, राहुल गांधी समेत 'इंडिया' अलायंस के सीनियर नेताओं ने एक प्रोटेस्ट और रैली की थी और सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च किया था। इस घटना के बाद, BJP के सीनियर नेताओं और करीब 200 वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट और कोर्ट कॉम्प्लेक्स की बेइज्ज़ती के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया था, जिसे कोर्ट ने भी गंभीरता से लिया है।



प्रशासन की बड़ी लापरवाहीः डभोई के कुंडेला गांव में नर्मदा नहर ओवरफ्लो हुई, 30 एकड़ जमीन में पानी भर गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। तालुका के कुंडेला गांव से गुजरने वाली नर्मदा निगम की नहर में प्रशासन की बड़ी लापरवाही और लापरवाही का एक बहुत ही गंभीर मामला सामने आया है। नहर में पानी छोड़ने के बाद, सही मॉनिटरिंग न होने के कारण, नहर अचानक ओवरफ्लो हो गई, और आस-पास के बॉर्डर एरिया के खेतों में पल भर में पानी भर गया। लगभग 30 एकड़ उपजाऊ खेती की जमीन में पानी ओवरफ्लो होने से किसानों के मुंह तक पहुंची फसलें बर्बाद हो गई हैं, जिससे पूरे इलाके के लोगों में एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम के खिलाफ बहुत गुस्सा फूट पड़ा है। तैयार फसलें पानी में डूबीं: किसानों को लाखों रुपये का भारी आर्थिक नुकसान कुंडेला और आस-पास के बॉर्डर इलाकों में करीब 30 एकड़ एरिया में किसानों ने दिन-रात जो अरंडी और अरहर की महंगी फसलें उगाई थीं, वे पानी में डूब गई हैं। फसलें पूरी तरह पानी में डूब जाने से किसानों को लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। किसानों की महीनों की मेहनत, महंगे बीज, खाद और मेहनत पर किया गया सारा खर्च और पसीना सिस्टम की एक गलती की वजह से पल भर में बह गया। इस साल मॉनसून के मुकाबले कमजोर रहने से किसान पहले से ही सिंचाई के पानी और फसल की पैदावार को लेकर काफी परेशान थे। एक तरफ तो किसानों को जरूरत के समय अपनी फसल बचाने के लिए काफी पानी नहीं मिल रहा है, वहीं दूसरी तरफ नर्मदा कॉर्पोरेशन के अधिकारियों की लापरवाही की वजह से नहर ओवरफ्लो होकर खड़ी फसलों को पूरी तरह बर्बाद कर चुकी है। अब प्रशासन की लापरवाही कुदरती आफतों से जूझ रहे धरतीपुत्रों के लिए आफत बन गई है। अधिकारियों की बड़ी लापरवाही से गुस्साः उग्र आंदोलन की धमकी स्थानीय किसानों के आरोपों के मुताबिक, नहर में पानी छोड़े जाने के बाद उसके रेगुलेशन और सही देखरेख के लिए कोई भी जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी मौके पर नहीं जाता है।



1,198 तेल कुओं में तेल सूखने की कगार पर ! रोज़ाना का प्रोडक्शन घटकर 5,100 बैरल हुआ, हाई लेवल पर घबराहट

बिटुमेन क्रूड में कमी से ONGC मेहसाणा में गंभीर हालात

पुराने तेल क्षेत्रों में उत्पादन बनाए रखने की चुनौती, मेहसाणा में नई तकनीक पर बढ़ेगी निर्भरता

मेहसाणा के तेल कुओं से निकलने वाले तरल में पानी की मात्रा बढ़ने का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

मेहसाणा। गुजरात के उत्तरी हिस्से में मौजूद देश की लीडिंग ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन के 'मेहसाणा एसेट' से एक बहुत ही चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। मेहसाणा जिले में फैले एक्सट्रैक्शन फील्ड से क्रूड ऑयल के रोज़ाना प्रोडक्शन में उम्मीद से कहीं ज़्यादा गिरावट आई है, जिससे सिस्टम में भारी हलचल मच गई है। मेहसाणा एसेट के तहत चल रहे 1,198 तेल कुओं से अब क्रूड ऑयल की मात्रा तेज़ी से खाली हो रही है, जिससे यह डर है कि भविष्य में मेहसाणा से तेल प्रोडक्शन पूरी तरह से रुक जाएगा।

स्टैटिस्टिकल शॉकः रोज़ाना 900 बैरल तेल का प्रोडक्शन खत्म हो गया है!

मेहसाणा एसेट से पहले रोज़ाना एवरेज 6,000 बैरल क्रूड ऑयल का प्रोडक्शन होता था। लेकिन ज़मीन में मौजूद नैचुरल हाइड्रोकार्बन रिसोर्स के लगातार इस्तेमाल की वजह से अब कुओं की एफिशिएंसी कम हो रही है। अभी यह प्रोडक्शन घटकर सिर्फ़ 5,100 बैरल प्रति दिन के निचले लेवल पर आ गया है। 900 बैरल प्रति दिन का अंतर नेशनल एनर्जी रिसोर्स और तेल कंपनी दोनों के लिए एक बड़ा आर्थिक झटका माना जा रहा है।

ज़मीन से निकलने वाले लिक्विड में 80% पानी और सिर्फ़ 20% तेल!

सबसे चौंकाने वाली और चौंकाने वाली बात यह है कि जब तेल के कुओं से लिक्विड पंप किया जाता है, तो उसकी बनावट में एक बड़ा बदलाव देखा जाता है

पिछली स्थितिः तेल के कुएं से निकलने वाले लिक्विड का 80' हिस्सा शुद्ध कच्चा तेल था, जबकि पानी की मात्रा सिर्फ़ 20' थी।

अभी की स्थितिः अब गणित पूरी तरह से उल्टा हो गया है! ज़मीन से पंप किए गए लिक्विड का 80' सिर्फ़ गंदा पानी है और कच्चे तेल का हिस्सा मुश्किल से 20' रह गया है। यह स्थिति दिखाती है कि मेहसाणा एसेट के 1,198 पुराने कुओं के ज़मीन के नीचे तेल की मात्रा अब आखिरी सांसें ले रही है और ज़्यादातर कुओं में पानी का लेवल बढ़ गया है।

प्रोसेसिंग कॉस्ट में करोड़ों रुपयेः पानी को दोबारा डालने का बड़ा रिस्क



ज़मीन से निकलने वाले बहुत ज़्यादा पानी में से लगभग 80' को तेल से अलग करके पर्यावरण के नियमों (वॉटर री-इंजेक्शन प्रोसेस) के हिसाब से ज़मीन की गहरी परतों में सुरक्षित रूप से वापस डालना पड़ता है।

1. मुश्किल टेक्नोलॉजीः तेल और पानी को अलग करने वाली जगहों (एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) में बिजली और केमिकल की खपत बहुत ज़्यादा बढ़ गई है।

2. बड़ा आर्थिक बोझः तेल से होने वाला रेवेन्यू कम हो रहा है, और कंपनी को पानी निकालने और फिल्ट्रेशन प्रोसेस के लिए लाखों-करोड़ों रुपये का एक्स्ट्रा प्रोसेसिंग कॉस्ट उठाना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में तेल का प्रोडक्शन और कम होगा! एनर्जी एक्सपर्ट्स और इंजीनियरों के मुताबिक, मेहसाणा एसेट फील्ड कई दशकों से काम कर रहे हैं। समय के साथ नए कच्चे तेल के बड़े भंडार की खोज न होने और पुराने कुओं के पूरा न होने की वजह से, आने वाले समय में तेल उत्पादन में और गिरावट आने की उम्मीद है। अगर नई टेक्नोलॉजी (एन्हांस्ड ऑयल रिकवरी - श्वह्रक) या नए तेल भंडार की खोज सफल नहीं होती है, तो मेहसाणा फील्ड से देश को होने वाली फ्यूल सप्लाई और खतरे में पड़ सकती है।

नडियाद में विवादः DySP पर झूठी FIR दर्ज करने के गंभीर आरोप! वकील की अर्जी के बाद पुलिस सिस्टम में खलबली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। शहर और खेड़ा जिले के पुलिस सर्कल में एक बहुत ही चौंकाने वाला और विवादित मामला सामने आया है। पुलिस फोर्स में भारी हंगामा मच गया है क्योंकि नडियाद के उस समय के डिविजनल DySP के खिलाफ अपनी पावर का गलत इस्तेमाल करने और झूठी DySP करने के गंभीर आरोपों के साथ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। लोकल वकील की अर्जी और रिप्रेजेंटेशन के आधार पर इस पूरे मामले की जांच शुरू हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, नडियाद के एक जाने-माने वकील ने खास सबूतों के साथ कहा है कि उस समय के DySP ने पर्सनल रंजिश या भेदभाव के चलते अपने पद का गलत इस्तेमाल किया। बिना किसी कानूनी आधार और सबूत के एक बेगुनाह व्यक्ति या पार्टी के खिलाफ झूठी और मनगढ़ंत धाराओं के तहत FIR दर्ज की गई। वकील की शिकायत के बाद जांच ज़ोरों पर वकील ने यह मामला पुलिस के बड़े अधिकारियों और कोर्ट के सामने पेश किया था और कानून के रखवाले बने अधिकारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग ने शुरुआती जांच की है। जैसे ही बड़े पुलिस अधिकारियों के खिलाफ झूठी FIR दर्ज करने के आरोप वाली अर्जी पर कार्रवाई शुरू हुई है, खाकी वर्दी की परफॉर्मेंस पर कई सवाल खड़े हो गए हैं। पुलिस फोर्स और कानूनी हलकों में भारी गरमागरमी आमतौर पर पुलिस जनता की सुरक्षा और कानून का पालन कराने के लिए होती है, लेकिन जब कोई बड़ा पुलिस अधिकारी खुद झूठी शिकायत या केस दर्ज करने के आरोपी की जगह आता है, तो पूरे सिस्टम पर सवाल उठते हैं। इस घटना के सामने आने के बाद नडियाद और खेड़ा जिलों के राजनीतिक और कानूनी हलकों में चर्चा का माहौल गरमा गया है। अब देखना यह है कि इस मामले में निष्पक्ष जांच के बाद क्या कानूनी कार्रवाई होती है।



असिस्टेंट लेबर कमिश्नर दीपक चौहान और लेबर ऑफिसर रंजीतसिंह जादव लेबर लाइसेंस देने के बदले 70,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। शहर के डिप्टी लेबर कमिश्नर के ऑफिस में भ्रष्टाचार का एक बड़ा मामला सामने आया है। एंटी-करप्शन ब्यूरो की टीम ने जाल बिछाकर रिश्वत लेने वाले अधिकारियों पर शिकंजा कस दिया है। ऑफिस में काम करने वाले असिस्टेंट लेबर कमिश्नर (क्लास-1) दीपक अंबालाल चौहान और असिस्टेंट गवर्नमेंट लेबर ऑफिसर रंजीतसिंह नटवरसिंह जादव को 70,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है, जिससे सरकारी लेजर और वडोदरा पुलिस फोर्स में काफी कन्फ्यूजन हो गया है।





लेबर लाइसेंस के लिए मांगी रिश्वत

मिली जानकारी के मुताबिक, शिकायत करने वाले ने वडोदरा में असिस्टेंट लेबर कमिश्नर के ऑफिस में लीगल लेबर लाइसेंस के लिए अप्लाई किया था। नियमों के मुताबिक लाइसेंस देने का प्रोसेस पूरा करने और इस एप्लीकेशन की फाइल पास करने के बदले में : असिस्टेंट लेबर कमिश्नर दीपक चौहान और लेबर ऑफिसर रंजीतसिंह जादव लेबर लाइसेंस देने के बदले 70,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए! इन दोनों करप्ट अधिकारियों ने शिकायत करने वाले से गैर-कानूनी तरीके से 70,000 रुपये की रिश्वत मांगी।

ACB का मास्टर प्लान ट्रैपः सट्टे में फंसे अधिकारी

अगर शिकायत करने वाला रिश्वत की रकम नहीं देना चाहता था, तो शिकायत करने वाले ने पहले ही पूरे मामले की शिकायत ACB पुलिस स्टेशन में कर दी थी। सीनियर ACB अधिकारियों की गाइडेंस में वडोदरा ACB टीम ने डिप्टी लेबर कमिश्नर के ऑफिस में ट्रैप लगाया। इस बीच, जैसे ही आरोपियों ने शिकायत करने वाले से तय की गई रिश्वत की रकम ली, ACB टीम ने झपट्टा मारकर दोनों आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। क्लास-1 के बड़े अधिकारी दीपक अंबालाल चौहान और लेबर ऑफिसर रंजीतसिंह जादव की रिश्वत मामले में गिरफ्तारी और उनके दूसरे घोटालों और संपत्तियों की जांच शुरू कर दी है।

मां चामुंडा के दर्शन कर और धजरोहन पर चढ़कर पुलिस परिवार के गरबा में हिस्सा लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चोटिला। शारदीय नवरात्रि के पवित्र और शुभ त्योहार के मौके पर, गुजरात राज्य के गृह मंत्री श्री हर्ष संघवी को मशहूर तीर्थ स्थल चोटिला डूंगर पर स्थित मां चामुंडा के दर्शन करने और धजरोहन पर चढ़ने का सौभाग्य मिला। इस मौके पर उन्होंने पहाड़ी पर आयोजित पुलिस परिवार के गरबा उत्सव में खास मौजूदगी देकर खिलाड़ियों और पुलिस कर्मियों का उत्साह बढ़ाया। 'माँ की कृपा से ही यह पावन दर्शन का मौका मिलता है' - गृह मंत्री हर्ष संघवी इस भक्ति उत्सव के बारे में अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए हर्ष संघवी ने कहा, 'चोटिलावाली चंडी चामुंड माँ, अपने बच्चे को पुकारो, भगवती दया करो! नवरात्रि पूरे जगत की माँ और जगत जननी माँ भगवती की भक्ति और पूजा का महापर्व है। यह हमारे गरबा की रोशनी में मंदिर के गर्भगृह में स्थापित माँ की दिव्य ऊर्जा का अनुभव करने का एक अनूठा अवसर है, और यह माँ भगवती की असीम कृपा के कारण ही है कि हमें इस पावन अवसर पर माँ के साक्षात दर्शन मिलते हैं। 'चोटिला पहाड़ी पर आयोजित इस खास गरबा उत्सव में गृह मंत्री ने पुलिस परिवार के सदस्यों के साथ गरबा की मस्ती में शामिल हुए। यह नवरात्रि उत्सव पुलिस कर्मियों और उनके परिवारों के लिए भक्ति और उत्साह की त्रिवेणी बन रहा था जो लगातार जनता की रक्षा के लिए अग्रिम पंक्ति में हैं।



उदयपुर पुलिस ने फिल्मी अंदाज़ में 3 करोड़ रुपये की ज्वेलरी लूटकर भाग रही कार पकड़ीः हाईवे पर नाका लगाकर लुटेरों को पकड़ा गया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। पुलिस ने अपने तेज़-तर्रार मुखबिरों और सतर्कता की मदद से चोरों के एक गैंग को पकड़ा है जो गुजरात-राजस्थान हाईवे पर करीब 3 करोड़ रुपये की सोने-चांदी की ज्वेलरी की बड़ी लूट को अंजाम देकर पूरी स्पीड में कार में भाग रहे थे। पुलिस ने अपनी समयबद्धता और पूरी सावधानी का इस्तेमाल करते हुए लुटेरों की कार को चारों तरफ से घेर लिया और सभी आरोपियों को चोरी के माल के साथ गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के मुताबिक, चालाक लुटेरों ने खास जानकारी के आधार पर गाड़ी का पीछा किया कि कीमती ज्वेलरी की एक बड़ी मात्रा ले जाई जा रही है। हाईवे पर सुनसान इलाके का फायदा उठाकर आरोपियों ने हथियार दिखाकर या गाड़ी को रोककर 3 करोड़ रुपये की सोने-चांदी की ज्वेलरी से भरा बैग लूट लिया। लूट के बाद सभी आरोपी अपनी कार में तेज स्पीड से उदयपुर की ओर भाग गए। उदयपुर पुलिस कंट्रोल रूम से अलर्ट मैसेजः एक घंटे में नाकाबंदी जैसे ही पुलिस कंट्रोल रूम को नाकाबंदी की जानकारी मिली, उदयपुर जिले के सभी बॉर्डर एरिया, हाईवे और चेक पोस्ट पर तुरंत मैसेज भेज दिया गया। उदयपुर पुलिस की स्पेशल टीम, LCB और लोकल थाने की गाड़ियों ने हाईवे पर मोर्चा संभाल लिया। इसी बीच, जैसे ही संदिग्ध कार तेज रफ्तार में दिखी, पुलिस ने टोल प्लाजा और सड़क पर बैरिकेड लगाकर कार को रोकने की कोशिश की।

पुलिस ने कार को घेरकर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया

पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे आरोपियों को लोकल पुलिस ने चारों तरफ से घेर लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से 3 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत के सोने-चांदी के गहने सही-सलामत मिले। पुलिस ने करोड़ों रुपये का कीमती सामान और वारदात में इस्तेमाल की गई कार जब्त कर ली है और आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है उदयपुर पुलिस की इस तेज और निडर कार्रवाई की आला अधिकारियों ने तारीफ की है। इंटर-स्टेट लूट गैंग के और तार कहां-कहां जुड़े हैं, यह पता लगाने के लिए कानूनी जांच तेज कर दी गई है।

गुजसीटोक के आरोपी नवघन भरवाड़ की नाडियाड में बेरहमी से बदमाशीः पुलिस के काफिले के बीच मीडिया भड़की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिला पुलिस ने नाडियाड नगर पालिका के पूर्व पार्षद भानु भरवाड़ और उसके बेटे नवघन भरवाड़ के खिलाफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट के तहत केस दर्ज कर सख्त कार्रवाई की है। हालांकि, हिरासत और पुलिस सुरक्षा के बीच भी आरोपी नवघन भरवाड़ की दबंगई और दादागिरी बरकरार दिखी। जब पुलिस काफिला नवघन भरवाड़ को कानूनी कार्रवाई के लिए ले जा रहा था, तो स्थानीय मीडिया वाले इस घटना को कवर कर रहे थे। कैमरों और पत्रकारों को देखकर गुजसीटोक का आरोपी नवघन अचानक भड़क गया और खाकी वर्दी के सामने ही बेपरवाही से पेश आने लगा, नखरे दिखाने लगा। अपनी क्रिमिनल हिस्ट्री और कानून के डर के बावजूद, मौके पर मौजूद हर कोई मीडिया के प्रति उसके इस गुस्से और बॉडी लैंग्वेज को देखकर हैरान रह गया। अगर वह पुलिस के साथ भी इतना बदतमीज़ी करता है, तो आम जनता का क्या? ' इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही बड़ी बहस छिड़ गई है। नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि अगर सख्त गुजसिटोक जैसे गंभीर अपराध के तहत गिरफ्तार आरोपी LCB और पुलिस काफिले की मौजूदगी में मीडिया के सामने भी इतना गरम हो जाता है, तो आम दिनों में वह आम जनता के साथ कैसा व्यवहार करता होगा! गौरतलब है कि भानु भरवाड़ और उसके बेटे नवघन के खिलाफ किडनैपिंग, मारपीट, धमकी और संगठित अपराध जैसे कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। खेड़ा पुलिस ने कानून का शिकंजा कसते हुए दोनों के खिलाफ गुजसिटोक के तहत कार्रवाई की है और उन्हें कानून के बारे में जागरूक करने की कोशिश की है।ड्ड

कलेक्टर ऑफ़िस के बाहर करीब 70 मज़दूरों को वैन और बसों में भरकर ले जाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। डायमंड और टेक्सटाइल हब माने जाने वाले सूरत शहर से एक बहुत ही चौंकाने वाली और गंभीर खबर सामने आई है। अपने कानूनी अधिकार, कानूनी हफ़्ते की छुट्टी और अच्छी मज़दूरी के लिए शांति से विरोध करने सूरत कलेक्टर ऑफ़िस पहुंचे करीब 70 मज़दूरों पर पुलिस ने लंबी कार्रवाई की। पुलिस के काफ़िले ने अचानक इन विरोध करने वाले मज़दूरों को पकड़ लिया और उन्हें पुलिस वैन और बसों में भर दिया, जिससे पूरे इलाके में भारी हंगामा हो गया। मिली जानकारी के मुताबिक, सूरत के अलग-अलग इलाकों में काम करने वाले मज़दूर लंबे समय से लाखों घंटे काम, समय पर मज़दूरी और सरकारी नियमों के मुताबिक हफ़्ते की छुट्टी न मिलने को लेकर नारे लगा रहे थे। मज़दूर इस मुद्दे पर कानूनी अर्ज़ी देने और अपनी शिकायतें बताने के लिए इकट्ठा हुए थे। लेकिन जैसे ही वे कलेक्टर ऑफ़िस परिसर या उसके आस-पास पहुंचे, प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई। इस कार्रवाई से मज़दूर वर्ग में बहुत गुस्सा है। पुलिस ने कानून-व्यवस्था के बहाने विरोध या प्रदर्शन करने आए करीब 70 मज़दूरों को ज़बरदस्ती उठाकर गाड़ियों में डाल दिया।

स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने कच्छ में बड़ी रेड मारी: गांधीधाम के अडेसर पंथक से 62.95 लाख रुपये से ज़्यादा कीमत का कंटेनर ज़ब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीधाम। गुजरात में शराबबंदी की ज़ोरदार मांगों के बीच, स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम ने एक टिप-ऑफ़ के आधार पर कच्छ ज़िले के गांधीधाम पंथक के अडेसर पुलिस स्टेशन इलाके में एक बहुत ही सफल और ज़बरदस्त रेड मारी है। रापर तालुका के भीमासर के पास फ़िल्मी अंदाज़ में भारी मात्रा में विदेशी शराब ले जा रहे एक संदिग्ध कंटेनर टैंकर को पकड़ा गया है। इस रेड में पुलिस ने लाखों रुपये की विदेशी शराब की बोतलें और गाड़ियां ज़ब्त की हैं, जिससे पूरे राज्य में हलचल मच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, स्टेट मॉनिटरिंग सेल की टीम को खास और कॉन्फिडेंशियल जानकारी मिली थी कि कच्छ के अडेसर पुलिस स्टेशन इलाके से गुज़र रहे एक कंटेनर टैंकर में बड़ी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब की तस्करी की जा रही है। इस जानकारी के आधार पर, स्क्वॉड टीम ने रापर तालुका के भीमासर गांव के पास निगरानी रखी और संदिग्ध कंटेनर को घेरकर तलाशी ली। जैसे ही कंटेनर के दरवाज़े खोले गए, पुलिस अधिकारियों की आंखें खुली की खुली रह गईं। अंदर छोटी और बड़ी, कुल 23,729 विदेशी शराब की बोतलें मिलीं, जिनकी बाज़ार में कीमत 62,95,000/- रुपये से ज़्यादा आंकी गई है। पुलिस ने विदेशी शराब की पूरी क्वांटिटी और ट्रांसपोर्टेशन के लिए इस्तेमाल किए गए कंटेनर गाड़ी को भी ज़ब्त कर लिया है, जिसकी कुल कीमत 63,00,000/- रुपये से ज़्यादा है। इस रेड के दौरान, पुलिस ने मौके से रामदेवसिंह वाघेला नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया है। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि इस नेटवर्क के पीछे और भी लोग शामिल हैं। इस गैर-कानूनी शराब की तस्करी और सिंडिकेट में शामिल चार और आरोपी पुलिस की पकड़ से भागने में कामयाब रहे हैं।

महमदाबाद MLA अर्जुन चौहान के खिलाफ लोगों का गुस्सा फूटा: नवरात्रि के इवेंट्स की तारीफ नहीं होगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिले और खासकर महमदाबाद विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में लोगों का गुस्सा चरम पर है। एक तरफ BJP MLA अर्जुन चौहान द्वारा नवरात्रि के त्योहार और दूसरे सामाजिक इवेंट्स धूमधाम से किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ जनता अब खुलकर सवाल पूछ रही है कि सिर्फ त्योहार मनाने से लोगों की समस्याएं हल नहीं होंगी, बल्कि पिछले 10 साल के लंबे राज के बावजूद महमदाबाद के लोग बुनियादी सुविधाओं से क्यों वंचित हैं?

10 साल का लंबा समय बीत जाने के बावजूद विकास के दावे खोखले साबित हुए हैं

मेहमदाबाद के नागरिक और स्थानीय नेता इस बात पर कड़ा गुस्सा जाहिर कर रहे हैं कि MLA को पद पर बने हुए 10 साल हो गए हैं, फिर भी जमीनी हकीकत देखें तो विकास के दावे सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं। जनता अब सीधे सवाल पूछ रही है कि महमदाबाद को सुविधाओं वाला सरकारी हॉस्पिटल कब मिलेगा? जहां आम गरीब मरीजों को समय पर और सही इलाज मिल सके। खस्ताहाल सड़कें और सरकारी स्कूलों की हालत मेहमदाबाद और उसके आस-पास के ग्रामीण इलाकों में सड़कों की हालत बहुत खराब हो गई है। ज़्यादातर सड़कें ऊबड़-खाबड़ और खस्ताहाल हैं, जिसकी वजह से रोज़ाना एक्सीडेंट होते रहते हैं। इसके अलावा, सरकारी स्कूलों में स्टूडेंट्स, स्मार्ट क्लासरूम या एजुकेशनल स्टाफ के लिए सही सुविधाएं न होने से बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। मेहमदाबाद से अहमदाबाद और वडोदरा आने-जाने वाले मज़दूर वर्ग, स्टूडेंट्स और व्यापारियों के लिए लोकल ट्रेनों की सुविधाएं और टाइमटेबल हमेशा से एक बड़ा मुद्दा रहा है। रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं की कमी और सही लोकल ट्रेनों के न होने की वजह से रोज़ाना सफ़र करने वाले यात्रियों को बहुत परेशानी हो रही है। जबकि MLA अर्जुन चौहान नवरात्रि जैसे त्योहारों का आयोजन कर रहे हैं, जनता में से गुस्से की आवाज़ें उठने लगी हैं कि 'सिर्फ़ त्योहारों का आयोजन करके फ़ोटो खिंचवाने या तारीफ़ पाने से लोगों की बुनियादी समस्याओं का हल नहीं होता।' अगर जल्द से जल्द महमदाबाद में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और ट्रेन सुविधाओं को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो जनता ने आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन करने की भी धमकी दी है।



राज्य के हेल्थ मिनिस्टर प्रफुल पंशेरिया का जनता के हित में बड़ा फैसला, सरकारी अस्पतालों के लिए 8.85 करोड़ की लागत से 18 एडवांस्ड फेको मशीनें मंज़ूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात के लोगों, खासकर गरीब और मिडिल क्लास के मरीज़ों को घर पर ही एडवांस्ड और अच्छी हेल्थ सर्विस देने के मकसद से, राज्य सरकार ने एक और बड़ा और ज़रूरी फैसला लिया है। राज्य के हेल्थ मिनिस्टर श्री प्रफुल पंशेरिया की अध्यक्षता में हुई एक हाई-लेवल मीटिंग में, राज्य के अलग-अलग सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पतालों के लिए आंखों के इलाज और मोतियाबिंद के सुपर-स्पेशियलिटी ऑपरेशन के लिए 8.85 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत से 18 स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट 'एडवांस्ड फेकोइमल्सीफिकेशन मशीनें' खरीदने को कानूनी मंज़ूरी दे दी गई है। मंत्री श्री प्रफुल पंशेरिया के इस फैसले से, अब प्राइवेट अस्पतालों में हज़ारों रुपये खर्च करके होने वाले मॉडर्न मोतियाबिंद के ऑपरेशन राज्य के सरकारी अस्पतालों में पूरी तरह से मुफ़्त और इंटरनेशनल लेवल की टेक्नोलॉजी से हो सकेंगे। किस हॉस्पिटल को कितनी मशीनें मिलेंगी? (एलोकेशन की पूरी डिटेल्स)

8.85 करोड़ रुपये की लागत से लगने वाली ये स्टेट-ऑफ-द-आर्ट मशीनें राज्य के अलग-अलग जिलों के आई हॉस्पिटल और मेडिकल कॉलेजों में बांटी जाएंगी

एम. एंड जे. इंस्टीट्यूट ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (अहमदाबाद): 7 मशीनें

गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (भावनगर): 2 मशीनें

जी.एम.ई.आर.एस. हॉस्पिटल (मोरबी): 2 मशीनें

न्यू सिविल हॉस्पिटल (सूरत): 1 मशीन

ओल्ड सिविल हॉस्पिटल (सूरत): 1 मशीन

जी.जी. जनरल हॉस्पिटल (जामनगर): 1 मशीन

जनरल हॉस्पिटल, श्वस्ढुष्ट (वडोदरा): 1 मशीन

जी.एम.ई.आर.एस. हॉस्पिटल (गांधीनगर): 1 मशीन

जी.एम.ई.आर.एस. हॉस्पिटल (वडनगर): 1 मशीन

जी.एम.ई.आर.एस. हॉस्पिटल (हिम्मतनगर): 1 मशीन

'एडवांस्ड फेकोइमल्सीफिकेशन मशीन' के क्या फीचर्स हैं और मरीजों को इसके क्या फायदे हैं?



यह 'एडवांस्ड फेकोइमल्सीफिकेशन मशीन' सुरक्षित और सटीक मोतियाबिंद सर्जरी के लिए एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट मेडिकल डिवाइस है, जो मरीजों और एक्सपर्ट सर्जनों को ये बड़े फायदे देगी:

1. तेजी से रिकवरी और कम सूजन: इस मशीन का एडवांस्ड 'एलिप्स पत्रिका ङ्क हैंडपीस' ऑपरेशन के दौरान आंख पर लगे छोटे चीरों के पास बहुत ज्यादा गर्मी पैदा होने के खतरे को कम करता है। जिससे ऑपरेशन के बाद आईबॉल (कॉर्नियल एडिमा) में सूजन या दूसरे साइड इफेक्ट्स नहीं होते हैं और मरीज बहुत जल्दी ठीक हो जाता है।

2. सटीक कंट्रोल और सेफ्टी (ष्टस्थ्व टेक्नोलॉजी): इस मशीन में ष्टस्थ्व टेक्नोलॉजी (चैंबर स्टेबिलाइज़ेशन एनवायरनमेंट) ऑपरेशन के दौरान आंख के अंदर प्रेशर में होने वाले बदलावों का तुरंत पता लगा लेती है और उसे स्टेबल रखती है। इससे ऑपरेशन के दौरान आंख के अंदर प्रेशर में अचानक कमी (पोस्ट-ऑक्लूजन सर्ज) का खतरा पूरी तरह खत्म हो जाता है।

3. सर्जन के लिए सटीक कंट्रोल: मशीन में पेरिस्टाल्टिक पंप सिस्टम और यूज़र-फ्रेंडली कंट्रोल सिस्टम लगा है। सर्जन ऑपरेशन की ज़रूरत के हिसाब से फुट पेडल से अल्ट्रासाउंड एनर्जी, वैक्यूम और फ्लूइड फ्लो को आसानी से एडजस्ट कर सकता है, ताकि मोतियाबिंद के टुकड़ों को बहुत सुरक्षित तरीके से तोड़कर सक्शन टिप से निकाला जा सके। इस फैसले से, राज्य के सिविल अस्पतालों में आंखों का इलाज कराने आने वाले लाखों गरीब मरीजों को अब प्राइवेट अस्पतालों जैसे हाई-टेक ऑपरेशन का फायदा बिल्कुल मुफ्त मिलेगा।

कोऑपरेटिव सेक्टर में बड़ा धमाका: भावनगर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के चेयरमैन-वाइस चेयरमैन को उनके पदों से हटाए जाने से पॉलिटिकल गरमा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। गुजरात और खासकर भावनगर जिले की कोऑपरेटिव पॉलिटिक्स में एक बड़ा पॉलिटिकल धमाका हुआ है। भावनगर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक में कथित अकाउंटिंग स्कैम, रिक्रूटमेंट स्कैम और गड़बड़ियों के आरोपों के बाद, स्टेट कोऑपरेटिव रजिस्ट्रार ने चेयरमैन, वाइस चेयरमैन समेत बैंक के पदाधिकारियों को तुरंत प्रभाव से डिसमिस (हटा) दिया है। इस डिसमिस और एक्शन के बाद, बैंक और कोऑपरेटिव सर्कल के उस समय के पदाधिकारियों में काफी गुस्सा है। पद से हटाए जाने के बाद, पूरी कार्रवाई और पॉलिटिकल साज़िश का सीधा आरोप BJP के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व मंत्री और भावनगर वेस्ट के MLA जीतू वघानी पर लगा है, जिन पर पूरी कार्रवाई और पॉलिटिकल साज़िश के पीछे होने का आरोप लगा है। मिली जानकारी के मुताबिक, भावनगर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक में पिछले कुछ समय से फाइनेंशियल स्कैम, साइबर फ्रॉड और गड़बड़ियों की गंभीर शिकायतें आ रही थीं। इस मामले में कोऑपरेटिव डिपार्टमेंट की जांच और स्टेट रजिस्ट्रार के आदेश के बाद, चेयरमैन रसिकभाई भिंगराडिया और वाइस चेयरमैन कांतिभाई धंधाल्या को उनके पदों से हटाने का बड़ा आदेश जारी किया गया। अजीतसिंह गोहिल वाइस चेयरमैन चुने गए हैं। लेकिन जिस तरह से पुराने चेयरमैन को हटाने के पीछे जीतू वघानी का नाम सामने आया है, उससे भावनगर जिला BJP और कोऑपरेटिव सेक्टर में बड़ा हंगामा होने की पूरी संभावना है। कि बैंक के अंदरूनी मैनेजमेंट के नाम पर चल रहा यह राजनीतिक ड्रामा आने वाले दिनों में क्या नया रूप लेगा और जीतू वघानी इन आरोपों पर क्या सफाई देंगे।

जेतपुर के खिरसरा गांव में 70 साल पुरानी प्राचीन 'जय अम्बे गरबी' आकर्षण का केंद्र बनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जेतपुर। नवरात्रि के पावन त्योहार पर हर जगह माताजी की पूजा और रसगरबा की मस्ती देखने को मिल रही है। आज के मॉडर्न ज़माने में जहां मॉडर्न गरबियों की संख्या बढ़ती जा रही है, वहीं राजकोट ज़िले के जेतपुर तालुका के खिरसरा गांव में करीब 70 सालों से होने वाली प्राचीन 'जय अम्बे गरबी' अपनी अनोखी परंपरा और धार्मिक आस्था की वजह से आज भी आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक इस गरबी में उत्साह से हिस्सा लेते हैं, जिससे गांव की संस्कृति, परंपरा और धार्मिक आस्था ज़िंदा रहती है। खास तौर पर, पांच साल के बच्चों से लेकर 70 साल के बुजुर्ग तक माताजी की भक्ति में लीन हो जाते हैं और पारंपरिक रास गरबा करते हैं। उम्र का फ़र्क भुलाकर हर कोई माताजी की भक्ति में शामिल हो जाता है, यही इस गरबी की खासियत है। खिरसरा गांव के रामजी मंदिर चौक पर होने वाली जय अम्बे गरबी में नवरात्रि के दौरान हर दिन भक्तिमय माहौल देखने को मिलता है। पारंपरिक गरबा, माताजी के भक्ति गीतों और रास गरबा के बीच पूरा इलाका माताजी के जयकारों से गूंज उठता है। गरबी में एक साथ हिस्सा लेते बच्चों और बड़ों की मौजूदगी गांव की एकता, संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत का एक सुंदर उदाहरण पेश करती है। जहां कई जगहों पर मॉडर्न साउंड सिस्टम और नए स्टाइल के साथ गरबा का





आयोजन होता है, वहीं खिरसरा गांव की यह प्राचीन गरबी अपनी पारंपरिक पहचान बनाए रखते हुए नई पीढ़ी को संस्कृति से जोड़ने का काम कर रही है। सालों से चली आ रही यह परंपरा गांव के लोगों के लिए न सिर्फ़ मनोरंजन का साधन बन गई है.

डाकोर तीर्थस्थल में खूनी नवरात्रि: दो गुटों के बीच हिंसक झड़प और पत्थरबाजी में 21 साल के युवक की दर्दनाक मौत, एक महिला समेत कई घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा। जिले के मशहूर तीर्थस्थल डाकोर से बेहद चौंकाने वाली, हैरान करने वाली और दुखद खबर सामने आई है। नवरात्रि त्योहार के पवित्र माहौल के बीच डाकोर में सत्यम सोसायटी के पास नवी नगरी इलाके में दो गुटों के बीच अचानक हुई तीखी लड़ाई के बाद मामला इतना बिगड़ गया कि खूनी हिंसा भड़क उठी। आमने-सामने हुए इस भीषण पत्थरबाजी और धारदार हथियार से हमले में 21 साल के युवक की मौत हो गई, जबकि एक महिला समेत कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे पूरे इलाके में डर और तनाव का माहौल बन गया। मिली जानकारी के मुताबिक, डाकोर में गरबा त्योहार के बीच पिछली किसी निजी रंजिश और स्थानीय रंजिश को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। बातचीत के दौरान गरमागरम बहस बढ़ गई और मामला इतना बढ़ गया कि देखते ही देखते दोनों ग्रुप आमने-सामने आ गए और पत्थरबाजी और मारपीट शुरू हो गई। इस अंधाधुंध मारपीट और धारदार हथियारों की वजह से गंभीर रूप से घायल हुए 21 साल के सुल्तान शेख नाम के युवक की इलाज के दौरान दुखद मौत हो गई। युवक की अचानक मौत से उसके परिवार में कोहराम मच गया है और पूरा इलाका मातम में डूब गया है। मृतक के अलावा, इस खूनी झड़प में दोनों तरफ से करीब 8 से 9 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में दशरथभाई राठौड़,



सुरेशभाई राठौड़, इरफान शेख, सोहिल शेख, अमोनाबेन शेख और दूसरे लोग शामिल हैं। घायलों को तुरंत इलाज के लिए लोकल हॉस्पिटल और आगे के इलाज के लिए नाडियाड ले जाया गया है।

किसानों ने मुख्यमंत्री को मूंगफली के खाली डंठलों का पार्सल भेजकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला!

वारका के धरतीपुत्रों का अनोखा और जानलेवा विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वारका। गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले से किसानों की दयनीय हालत और सरकार के खिलाफ गुस्से की बहुत ही सनसनीखेज खबर सामने आई है। इस साल मानसून में बारिश की भारी कमी और नाम मात्र की बारिश के कारण द्वारका पंथक में पैदा हुए भयानक सूखे जैसे हालात के बीच किसान तबाह हो गए हैं। सीएम और प्रशासन की आंखें खोलने के लिए किसानों और स्थानीय नेताओं ने एक अनोखा विरोध दिखाया है – खराब हुई मूंगफली की फसल के खाली और सूखे डंठलों का एक पार्सल सीधे कूरियर से मुख्यमंत्री को भेजा गया है! मिली जानकारी के मुताबिक, देवभूमि द्वारका जिले में इस साल पूरे राज्य में सबसे कम बारिश हुई है, जिसका अनुमान सिर्फ 16 परसेंट है। पानी की कमी और तेज़ गर्मी की वजह से किसानों की बड़ी मेहनत से लगाई गई मूंगफली की फसल जलकर राख हो गई है। किसानों के बड़े अरमानों से लगाए गए मूंगफली के पौधों पर उगने की जगह सिर्फ़ खाली झाड़ियाँ (सूखी टहनियाँ) रह गई हैं, जिनमें न तो सींग लगे हैं और न ही बीज। इस बर्बाद फसल को देखकर किसानों की आँखों में खून के आँसू आ गए हैं। गुजरात सरकार और अधिकारियों के खिलाफ़ गुस्सा दिखाते हुए किसान नेताओं और कांग्रेस नेताओं ने साफ़ धमकी दी है कि अगर जल्द से जल्द नीचे दी गई माँगें नहीं मानी गईं, तो 30 अक्टूबर के बाद पूरे ज़िले में एक ज़बरदस्त जन आंदोलन शुरू किया जाएगा

1. द्वारका ज़िले को आधिकारिक तौर पर 'सूखा प्रभावित' (डेफिसिट-इफेक्टेड) ??घोषित करें: कागज़ों पर दावों को छोड़कर ज़मीनी हकीकत को स्वीकार करें और ज़िले को तुरंत सूखा प्रभावित घोषित करें।

2. नुकसान का मुआवज़ा और पैकेज: बर्बाद हुए किसानों को प्रति बीघा के हिसाब से सही आर्थिक मदद और राहत पैकेज दिया जाए।



किसान नेताओं ने आरोप लगाया है कि राज्य के कृषि मंत्री और ज़िम्मेदार अधिकारी लोगों की समस्याओं को हल करने के बजाय सोशल मीडिया पर रील बनाने और त्योहार मनाने में बिज़ी हैं। अगर धरतीपुत्रों के नाम पर बड़ी-बड़ी घोषणाएं करने वाली सरकार समय रहते नहीं जागी, तो यह तय है कि इस खोखली बकवास का विरोध आने वाले दिनों में सरकार के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका साबित होगा!

चौंकाने वाली घटना का CCTV फुटेज सामने आने के बाद पुलिस दौड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। सौराष्ट्र की राजधानी राजकोट से एक बहुत ही सनसनीखेज और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। राजकोट में सड़क पर एक व्यापारी को टारगेट करके लूटने और फिर उसकी हत्या करने के शक ने पूरे शहर में सनसनी फैला दी है। इस पूरी घटना के रोंगटे खड़े कर देने वाले सीन पास के एक CCTV कैमरे में कैद हो गए



हैं, जिसका फुटेज अब वायरल हो गया है, जिससे पुलिस सिस्टम में हड़कंप मच गया है।द्व शुरुआती जानकारी के मुताबिक, लुटेरों ने कथित तौर पर एक व्यापारी को बीच सड़क पर रोककर उस पर हमला किया और उसके पास मौजूद कीमती सामान या कैश से भरा बैग जबरदस्ती छीन लिया। लूट की घटना के बाद, इस बात की चर्चा तेज है कि व्यापारी पर जानलेवा हमला किया गया और घटना के दौरान उसकी संदिग्ध मौत हो गई। घटना का जो CCTV फुटेज सामने आया है, उसमें लुटेरों की बेरहम हरकतें साफ दिख रही हैं। हालांकि, बिज़नेसमैन की हत्या असल में कैसे हुई, लूट में कुल कितना या कितनी कीमती चीज़ें लूटी गईं, और राजकोट पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए क्या कदम उठाए, इस बारे में ऑफिशियल डिटेल्स और पुलिस के बयान की अभी पुष्टि नहीं हुई है।

दहेज से आने वाले केमिकल टैंकरों से केमिकल चोरी करने वाला शातिर गैंग पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। रूरल लोकल क्राइम ब्रांच टीम ने केमिकल चोरों के एक बहुत ही चालाक और ऑर्गनाइज़्ड गैंग का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दहेज में केमिकल कंपनियों से आने वाले टैंकरों से केमिकल चुराकर, उन्हें गोदामों में स्टोर करके बेचने के इस रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह केमिकल चोरी का स्कैम चांगोदर GIDC के देवभूमि एस्टेट से पकड़ा गया है, जहाँ से पुलिस ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया है और 68 लाख रुपये का कीमती सामान ज़ब्त किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, दहेज में अलग-अलग प्रोसेसिंग कंपनियों से कीमती केमिकल ले जाने वाले टैंकर जब चांगोदर इलाके से गुज़रते थे, तो इस गैंग के सदस्य टैंकर ड्राइवरों से मिलीभगत करके या चुपके से टैंकरों की सील तोड़कर या चोरी के तरीके आज़माकर भारी मात्रा में केमिकल निकाल लेते थे। चोरी किए गए केमिकल को चांगोदर GIDC के देवभूमि एस्टेट में बने एक छिपे हुए गोदाम में रखा गया था और बाद में ब्लैक मार्केट में ऊंचे दाम पर बेच दिया गया। एक टिप-ऑफ के आधार पर, अहमदाबाद रूरल LCB की एक टीम ने चांगोदर GIDC के देवभूमि एस्टेट में बने एक गोदाम पर छापा मारा। छापे के दौरान, पुलिस ने बड़ी मात्रा में सामान ज़ब्त किया है, कितने समय से एक्टिव है, दहेज की किन कंपनियों के टैंकरों से केमिकल चुराया गया था, और इसे किसे बेचा गया था।

अहमदाबाद पुलिस की 'शी टीम' ने नवरात्रि के दौरान महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक खास कैंपेन शुरू किया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में गर्व और आस्था का बड़ा त्योहार शारदीय नवरात्रि का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जा रहा है। जहां खिलाड़ी अंबा की भक्ति में डूबे हुए हैं और गरबा खेल रहे हैं, वहीं अहमदाबाद के स्टेट हेडक्वार्टर ने माताओं और बहनों की सुरक्षा को सबसे ऊपर रखने के लिए अहमदाबाद पुलिस की तरफ से एक बहुत ही सराहनीय और कड़ा कदम उठाया है। अहमदाबाद पुलिस की खास 'शी टीम' ने शहर के अलग-अलग गरबा इवेंट्स, पार्टी प्लॉट्स और सोसाइटियों में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का बीड़ा उठाया है। नवरात्रि के पवित्र त्योहार के दौरान, महिलाएं, लड़कियां और बच्चे देर रात तक चलने वाले गरबा उत्सव में उत्साह से हिस्सा लेते हैं। यह पक्का करने के लिए कि कोई अनहोनी न हो और महिलाएं आत्मविश्वास, आजादी और सुरक्षा की भावना के साथ गरबा का आनंद ले सकें, 'शी टीम' की महिला पुलिसकर्मी सादे और खाकी कपड़ों में लगातार पेट्रोलिंग कर रही हैं। संदिग्ध लोगों पर कड़ी नज़र रखने के लिए पुलिस मॉडर्न टेक्नोलॉजी और CCTV कैमरों की मदद से भी मॉनिटरिंग कर रही है, ताकि कोई भी असामाजिक तत्व महिलाओं की सुरक्षा में खलल न डाल सके। अहमदाबाद पुलिस ने नागरिकों को संदेश दिया है कि, 'आपकी सुरक्षा हमारा मुख्य उद्देश्य और प्राथमिकता है।' अगर किसी भी महिला या लड़की को गरबा ग्राउंड या उसके आस-पास के इलाकों में किसी भी तरह की परेशानी या परेशानी होती है.



पंचायत समिति वार्ड 17 में सास-बहू के बीच चुनावी मुकाबले के आसार, कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन खारिज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पंचायती राज चुनाव में पाली जिले की मारवाड़ जंक्शन पंचायत समिति के वार्ड संख्या 17 में कांग्रेस प्रत्याशी लीला चौहान का नामांकन खारिज होने के बाद अब चुनावी मुकाबला दिलचस्प हो गया है। 27 वर्षीय लीला चौहान का नामांकन निर्धारित संख्या में प्रस्तावक नहीं होने के कारण निरस्त किया गया। उनके नामांकन में केवल एक प्रस्तावक होने के चलते यह कार्रवाई हुई।



इसके बाद अब वार्ड में भारतीय जनता पार्टी की 38 वर्षीय प्रशांत कंवर और निर्दलीय प्रत्याशी 74 वर्षीय कंकू कंवर चुनाव मैदान में रह गई हैं। इस वार्ड की सबसे खास बात यह है कि भाजपा प्रत्याशी प्रशांत कंवर और निर्दलीय प्रत्याशी कंकू कंवर आपस में सास-बहू हैं। प्रशांत कंवर जहां बहू हैं, वहीं कंकू कंवर उनकी सास हैं। कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन खारिज होने के बाद अब दोनों के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना बन गई है। हालांकि, आज नाम वापसी की अंतिम तिथि होने के कारण चुनाव की अंतिम तस्वीर नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगी। मारवाड़ जंक्शन पंचायत समिति के वार्ड 17 से भाजपा ने 38 वर्षीय प्रशांत कंवर को अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में 74 वर्षीय कंकू कंवर भी चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस प्रत्याशी लीला चौहान का नामांकन खारिज होने से मुकाबला अब भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशी के बीच सिमट गया है। प्रशांत कंवर और कंकू कंवर के बीच पारिवारिक रिश्ता होने के कारण यह वार्ड चर्चा में आ गया है। दोनों एक ही परिवार से होने के बावजूद अलग-अलग प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। ऐसे में क्षेत्र के लोगों की निगाहें अब नाम वापसी की प्रक्रिया पर टिकी हैं। आज नामांकन वापस लेने का अंतिम दिन है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि कंकू कंवर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का निर्णय बरकरार रखती हैं या अपना नाम वापस ले लेती हैं। यदि वह मैदान में बनी रहती हैं, तो वार्ड 17 में सास-बहू के बीच सीधा चुनावी मुकाबला देखने को मिल सकता है।

पाली की ग्रामीण राजनीति में 'यंग ब्रिगेड' की अहम भूमिका, 41.5% युवा और 48.3% महिला मतदाता तय करेंगे चुनावी माहौल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। पंचायती राज चुनाव में पाली जिले की ग्रामीण राजनीति में युवा और महिला मतदाताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहने की संभावना है। जिले में कुल 10 लाख 98 हजार 276 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें करीब 41.5 प्रतिशत मतदाता 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के बताए गए हैं, जबकि महिला मतदाताओं की हिस्सेदारी 48.28 प्रतिशत है। मतदाताओं की यह संरचना चुनावी माहौल में रोजगार, शिक्षा, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं और स्थानीय विकास जैसे मुद्दों को प्रमुखता दिला सकती है। जिले की ग्रामीण राजनीति में इस बार युवा मतदाताओं की अपेक्षाओं और महिलाओं से जुड़े बुनियादी सुविधाओं के सवालों पर चर्चा अहम रह सकती है। गांवों में रोजगार के अवसर, शिक्षा की उपलब्धता, पेयजल की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाएं और विकास कार्य जैसे विषय प्रत्याशियों के लिए महत्वपूर्ण होंगे। हालांकि, मतदाता आंकड़ों के आधार पर किसी वर्ग के मतदान रुझान या किसी प्रत्याशी की जीत का अनुमान नहीं लगाया जा सकता। जिले के मतदाता आंकड़ों के अनुसार, कुल 10 लाख 98 हजार 276 मतदाताओं में 5 लाख 67 हजार 967 पुरुष और 5 लाख 30 हजार 304 महिला मतदाता शामिल हैं। इसके अलावा जिले में पांच थर्ड जेंडर मतदाता भी पंजीकृत हैं। इस प्रकार कुल मतदाताओं में पुरुषों की हिस्सेदारी 51.71 प्रतिशत और महिलाओं की 48.28 प्रतिशत है। आंकड़ों के मुताबिक, हर 1,000 पुरुष मतदाताओं पर करीब 934 महिला मतदाता हैं। युवा मतदाताओं की संख्या करीब 4.55 लाख बताई गई है। यह वर्ग ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, रोजगार और विकास से जुड़ी अपेक्षाओं के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।



सिरोही में अनादरा चौराहा भूमि प्रकरण गरमाया, सभापति ने कलेक्टर से मूल फाइल लौटाने की मांग की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। नगर परिषद के अनादरा चौराहा भूमि प्रकरण में कथित अनियमित पट्टों की जांच को लेकर मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। नगर परिषद सभापति रितु जैन ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर प्रकरण से संबंधित मूल फाइल तत्काल नगर परिषद को वापस भेजने की मांग की है। आरोप है कि आचार संहिता के दौरान इस भूमि पर गलत तरीके से पट्टे जारी किए गए थे। सभापति का कहना है कि मूल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के कारण नगर परिषद की बोर्ड बैठक में इस मामले पर आवश्यक दस्तावेजों की जांच नहीं हो सकी और कार्रवाई को लेकर चर्चा आगे नहीं बढ़ पाई। सभापति के अनुसार, 14 अक्टूबर 2026 को आयोजित नगर परिषद की पहली बोर्ड बैठक में अनादरा चौराहा भूमि प्रकरण के कथित अनियमित पट्टों पर कार्रवाई का विषय रखा गया था। बैठक के दौरान संबंधित मूल फाइल सदन में प्रस्तुत करने की मांग उठी, ताकि पार्षद दस्तावेजों का अवलोकन कर मामले की स्थिति समझ सकें। हालांकि, आयुक्त ने जानकारी दी कि संबंधित फाइल जिला कलेक्टर कार्यालय भेजी गई है। इसके चलते सदन में मूल रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं हो पाया। सभापति रितु जैन ने बताया कि नगर परिषद की पहली बोर्ड बैठक में अनादरा चौराहा भूमि प्रकरण को लेकर चर्चा प्रस्तावित थी। इस दौरान कथित अनियमित पट्टों से संबंधित दस्तावेज सदन के सामने रखने और मामले में नियमानुसार कार्रवाई करने की बात कही गई थी। पार्षदों की ओर से मूल फाइल पेश करने की मांग भी की गई, जिससे रिकॉर्ड के आधार पर पूरे प्रकरण की जांच की जा सके। सभापति के मुताबिक, बैठक में आयुक्त ने बताया कि फाइल कलेक्टर कार्यालय भेजी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यह जानकारी बोर्ड बैठक के रिकॉर्ड में भी दर्ज है। मूल फाइल उपलब्ध नहीं होने के कारण पार्षद संबंधित दस्तावेजों का निरीक्षण नहीं कर सके। ऐसे में पट्टों से जुड़े तथ्यों की समीक्षा और आगे की कार्रवाई को लेकर चर्चा अधूरी रह गई। रितु जैन के अनुसार, बोर्ड बैठक में यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि संबंधित फाइल कब, किस उद्देश्य से और किस आदेश के तहत जिला कलेक्टर कार्यालय भेजी गई थी। फाइल भेजने से संबंधित पत्राचार, आदेश और अन्य आवश्यक विवरण भी सदन में उपलब्ध नहीं कराए गए। इस कारण पार्षदों को यह जानकारी नहीं मिल सकी कि मूल रिकॉर्ड नगर परिषद से बाहर भेजने की प्रक्रिया किस आधार पर अपनाई गई। सभापति ने कहा कि किसी भी प्रकरण में तथ्यों की जांच और नियमानुसार कार्रवाई के लिए संबंधित रिकॉर्ड का उपलब्ध होना जरूरी है।



अजमेर जिला परिषद चुनावः नाम वापसी के बाद 92 उम्मीदवार मैदान में, 14 वार्डों में भाजपा-कांग्रेस की सीधी टक्कर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अजमेर। जिला परिषद सदस्य के चुनाव को लेकर नाम वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब जिले के चुनावी मुकाबले की तस्वीर स्पष्ट होने लगी है। जिला परिषद सदस्य के लिए नामांकन दाखिल करने वाले छह उम्मीदवारों ने अपने नाम वापस ले लिए हैं। इसके बाद अब कुल 92 प्रत्याशी चुनाव मैदान में रह गए हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी चुनावी समीकरण बनाने और बिगाड़ने की स्थिति में हैं।उम्मीदवारों के आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी ने सभी प्रमुख मुकाबलों में अपनी ताकत झोंकी है। दोनों दलों के 33-33 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के 17, बहुजन समाज पार्टी के चार और पांच निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में हैं। इस तरह जिला परिषद चुनाव में राजनीतिक दलों के बीच मुकाबला दिलचस्प होने के आसार हैं। जिले के 14 वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों के बीच सीधा मुकाबला होने की स्थिति है। हालांकि, अन्य वार्डों में आरएलपी, बसपा और निर्दलीय प्रत्याशियों की मौजूदगी चुनावी गणित को प्रभावित कर सकती है। कई सीटों पर मुकाबला केवल दो प्रमुख दलों तक सीमित नहीं रहने से प्रत्याशियों को मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए अधिक मेहनत करनी होगी। आरएलपी के 17 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, ऐसे में पार्टी की मौजूदगी कुछ वार्डों में भाजपा और कांग्रेस के समीकरणों पर असर डाल सकती है। वहीं, बसपा और निर्दलीय उम्मीदवार भी अपनी स्थिति मजबूत करने में जुटे हैं। इन प्रत्याशियों को मिलने वाले मत चुनाव परिणामों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भाजपा ने जिला परिषद चुनाव में अनुभवी चेहरों पर भी भरोसा जताया है। पूर्व जिला प्रमुख सुशील कंवर पलाड़ा वार्ड संख्या दो से चुनाव लड़ रही हैं। वहीं, पूर्व उप जिला प्रमुख हगामीलाल चौधरी वार्ड संख्या 12 से चुनाव मैदान में हैं। दोनों नेताओं की उम्मीदवारी के कारण संबंधित वार्डों में चुनावी मुकाबले पर राजनीतिक हलकों की नजर रहेगी। इसके अलावा नसीराबाद विधायक रामस्वरूप लांबा के भाई कैलाश लांबा की पत्नी सुनीता चौधरी भी चुनाव मैदान में हैं। पूर्व मंत्री सावरलाल



जाट के भाई जगदीश लांबा भी जिला परिषद सदस्य के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इन उम्मीदवारों के चुनाव मैदान में उतरने से जिले के कई वार्डों में मुकाबले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस की ओर से भी कई अनुभवी नेताओं और उनके परिवारों से जुड़े चेहरे चुनाव मैदान में हैं। नसीराबाद के पूर्व विधायक महेंद्र सिंह गुर्जर की पत्नी और पूर्व प्रधान कमलेश गुर्जर चुनाव लड़ रही हैं। अराई से प्रधान रह चुकीं सीता देवी भी कांग्रेस की ओर से चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा मसूदा से विधायक का चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में लड़ चुके वाजिद खान चीता की पत्नी रजिया भी जिला परिषद सदस्य के लिए किस्मत आजमा रही हैं। जिला परिषद सदस्य रह चुके जगदीश गोरा की बहन कंचन चौधरी भी चुनाव मैदान में हैं। इन प्रत्याशियों की मौजूदगी से कांग्रेस के लिए भी कई वार्डों में मुकाबला अहम हो गया है। छह उम्मीदवारों के नाम वापस लेने के बाद अब 92 प्रत्याशियों के बीच जिला परिषद सदस्य बनने के लिए मुकाबला होगा। अब प्रत्याशियों का जोर मतदाताओं तक पहुंचने, स्थानीय मुद्दों को उठाने और अपने पक्ष में समर्थन जुटाने पर रहेगा।

जोधपुर में दशहरे से पहले रामसवारी मार्ग की व्यवस्थाएं सुधारने की तैयारी, महापौर ने किया निरीक्षण

सीवरेज और रोड लाइट व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश, लापरवाही पर जिम्मेदारी तय करने की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। नगर निगम ने दशहरे को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में गुरुवार सुबह महापौर प्रसन्नचंद मेहता और नगर निगम आयुक्त राहुल जैन ने शहर के अंदरूनी इलाकों का दौरा कर रामसवारी के पूरे मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने फतेहपोल से जालोरी गेट तक व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को दशहरे से पहले सभी जरूरी कार्य पूरे करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्थानीय पार्षद और निगम के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। महापौर सन्नचंद मेहता ने अधिकारियों से कहा कि शहर की सफाई, सड़क, रोड लाइट और सीवरेज व्यवस्था को बेहतर बनाना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इन कार्यों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि व्यवस्थाओं में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी



तय की जाएगी। निरीक्षण के दौरान महापौर ने रामसवारी मार्ग पर सड़कों की स्थिति, सीवरेज व्यवस्था, साफ-सफाई और रोड लाइट का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दशहरे से पहले पूरे मार्ग को व्यवस्थित किया जाए, ताकि रामसवारी के दौरान श्रद्धालुओं और दर्शनार्थियों को किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। झूलते बिजली के तारों को ठीक करवाने और सीवरेज के गंदे पानी की समस्या का शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही रहती है। ऐसे में मार्ग पर सुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था बेहतर होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नगर निगम की जिम्मेदारी है कि दशहरे पर रामसवारी में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं, अखाड़ों के सदस्यों, माताओं-बहनों और अन्य दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो। इसके लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करना होगा। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केवल मुख्य रामसवारी मार्ग ही नहीं, बल्कि उससे जुड़ने वाली संपर्क सड़कों पर भी सफाई और सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि दशहरे से पहले सभी जरूरी कार्यों की समीक्षा कर कमियों को दूर किया जाए, ताकि आयोजन के दौरान शहरवासियों और बाहर से आने वाले लोगों को परेशानी न हो।

झाबागरा की मित्तल गोस्वामी राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में करेगी जालौर का प्रतिनिधित्व

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बागरा। पीएम श्री राजेंद्र सूरी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बागरा की छात्रा मित्तल कुमारी गोस्वामी राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में जालौर जिले का प्रतिनिधित्व करेगी। प्रतियोगिता 16 अक्टूबर से जयपुर में शुरू होगी। मित्तल 'मोबाइल का प्रयोग : वरदान या अभिशाप' विषय पर विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत करेगी। मित्तल ने 8 अक्टूबर को पीएम श्री स्कूल जुंजाणी में आयोजित जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया था। इस उपलब्धि के आधार पर उसका राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है। अब वह जयपुर में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेगी। विद्यालय के प्रधानाचार्य खीम सिंह राठौड़ ने बताया कि समग्र शिक्षा जालौर के एडीपीसी मनोहर लाल गोदारा के आदेश पर मित्तल का चयन किया गया है। वह शुक्रवार शाम शिक्षिका प्रियंका कुमारी के साथ जयपुर के लिए रवाना होगी। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन होने से विद्यालय परिवार और पूरे गांव में खुशी का माहौल है। विद्यालय के शिक्षकों और सहपाठियों ने मित्तल को शुभकामनाएं देते हुए प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रा की इस उपलब्धि को विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण बताया जा रहा है।



बस में शौचालय के लिए नहीं रोका, बदबूदार खाना और होटल में सुविधाएं नहीं मिलने की शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उदयपुर। राजस्थान देवस्थान विभाग की मुख्यमंत्री वरिष्ठ नागरिक निःशुल्क तीर्थ यात्रा योजना के तहत पश्चिम बंगाल के गंगासागर गए बुजुर्ग यात्रियों ने यात्रा के दौरान गंभीर अव्यवस्थाओं के आरोप लगाए हैं। 10 अक्टूबर को उदयपुर से 970 यात्रियों को लेकर रवाना हुई विशेष ट्रेन में सफर कर रहे वरिष्ठ नागरिकों का कहना है कि कोलकाता पहुंचने के बाद उन्हें करीब छह घंटे तक सड़क पर बैठकर इंतजार करना पड़ा। इसके बाद बस से करीब 130 किलोमीटर की यात्रा के दौरान शौचालय जाने के लिए बस नहीं रोकी गई। यात्रियों ने होटल में चाय-नाश्ता नहीं मिलने, बदबूदार खाना परोसे जाने और ठहरने की उचित व्यवस्था नहीं होने की शिकायत भी की है। कुछ यात्रियों ने आरोप लगाया कि अव्यवस्थाओं को लेकर शिकायत करने पर कर्मचारियों ने उन्हें धमकाया। यात्रियों के अनुसार, यात्रा के दौरान उनकी सहायता के लिए सरकारी कर्मचारी और अटेंडेंट नियुक्त किए गए थे, लेकिन जरूरत पड़ने पर वे उपलब्ध नहीं मिले। होटल में भी निर्धारित सुविधाएं नहीं मिलने का आरोप है। कहीं एक कमरे में चार लोगों को ठहराया गया तो कहीं छह से आठ बुजुर्गों को एक ही कमरे में रहने के लिए कहा गया। कुछ कमरों के बाथरूम में पानी नहीं था और पीने के पानी तक की समुचित व्यवस्था नहीं मिली। यात्रियों ने



सवाल उठाया कि जब सरकार की ओर से यात्रा के लिए कर्मचारियों और अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी तय की गई थी, तो बुजुर्गों को इतनी परेशानियों का सामना क्यों करना पड़ा। ट्रेन के कोच नंबर छह में सफर कर रहे यात्री नरपत ने बताया कि वे 10 अक्टूबर को अजमेर से ट्रेन में सवार हुए थे। उदयपुर और अजमेर संभाग के यात्रियों को लेकर विशेष ट्रेन कोलकाता पहुंची थी। यहां से धार्मिक स्थलों तक पहुंचाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई थी। नरपत के अनुसार, बस में बड़ी संख्या में महिलाएं थीं और सभी यात्री बुजुर्ग थे। उन्होंने ठेकेदार के कर्मचारी राहुल से शौचालय जाने के लिए बस रोकने का आग्रह किया, लेकिन रास्ते में कहीं बस नहीं रोकी गई। आगे जाकर बस सड़क पर रोक दी गई, जहां न तो सरकारी अटेंडेंट मौजूद था और न ही कोई अन्य जिम्मेदार कर्मचारी। उन्होंने बताया कि यात्रियों को करीब चार घंटे तक इंतजार करना पड़ा और इस दौरान बुजुर्ग सड़क पर बैठे रहे। कुल मिलाकर करीब छह घंटे तक इंतजार करने की स्थिति बनी। बाद में पुलिसकर्मी वहां पहुंचे। उनके पूछने पर अटेंडेंट को बुलाया गया। यात्रियों का कहना है कि लंबी यात्रा के दौरान बुजुर्गों की शारीरिक जरूरतों का ध्यान रखना जरूरी था, लेकिन उन्हें समय पर सहायता नहीं मिली। नरपत ने बताया कि होटल में दो लोगों के ठहरने की व्यवस्था की बात कही गई थी, लेकिन एक कमरे में चार लोगों को रुकने के लिए कहा गया। बाद में उसी कमरे में और लोगों को भी भेज दिया गया। उनके अनुसार, सुबह करीब 11 बजे होटल से चेकआउट किया गया, लेकिन तब तक चाय-नाश्ते की व्यवस्था नहीं हुई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आगे ले जाने के बाद बस में सड़क पर ही खाना दिया गया। खाना देखकर ऐसा लग रहा था कि वह रात में बनाया गया था। पूरियां इतनी सख्त थीं कि कई बुजुर्ग उन्हें खा नहीं पाए। यात्रियों को पीने के लिए पानी तक नहीं दिया गया। नरपत का कहना है कि यात्रा में उनके साथ नियुक्त अटेंडेंट ट्रेन और बस में जरूरत के समय दिखाई नहीं देता था। शौचालय जाने या किसी अन्य सहायता की जरूरत होने पर भी जिम्मेदार कर्मचारी आसानी से उपलब्ध नहीं होते थे। नरपत ने यह भी आरोप लगाया कि यात्रा 16 अक्टूबर को पूरी होनी है, लेकिन इससे पहले ही ठेकेदार के कर्मचारी यात्रियों पर जबरन फॉर्म भरवाने का दबाव बना रहे हैं। यात्री ओमप्रकाश कुमावत ने भी भोजन और परिवहन व्यवस्था पर सवाल उठाए।

भीनमाल में गोदाम से तांबे का कबाड़ चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भीनमाल। जालोर जिले के भीनमाल थाना पुलिस ने गोदाम से तांबे का कबाड़ चोरी करने और चोरी का माल खरीदने के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ के बाद चोरी किया गया पूरा सामान भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मामले में एक आरोपी पर गोदाम से तांबे का भंगार और पुराने बर्तन चोरी करने, जबकि दूसरे पर चोरी का माल खरीदने का आरोप है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर मामले की जांच आगे बढ़ाई है। पुलिस के मुताबिक, भादरड़ा रोड निवासी दिनूखां पुत्र हाजी बंशीर खां ने गोदाम से तांबे का भंगार और पुराने बर्तन गायब होने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 11 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे उन्होंने अपने कर्मचारी को गोदाम से लगभग 25 से 30 किलोग्राम तांबे का भंगार लेने के लिए भेजा था। कर्मचारी जब गोदाम पहुंचा तो वहां तांबे का भंगार और पुराने बर्तन नहीं मिले। सामान गायब देखकर उसने इसकी जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने 14 अक्टूबर को भीनमाल निवासी सुमित कुमार (25) पुत्र कपुरजी को डिटेन कर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान गोदाम में घुसकर तांबे का भंगार चोरी करने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने सुमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब चोरी की घटना से जुड़े तथ्यों और बरामद सामान के संबंध में आगे की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि गोदाम से चोरी हुए सामान को खरीदने के आरोप में दूसरे व्यक्ति उमाकांत (31) पुत्र शम्भु दयाल को भी गिरफ्तार किया गया है।



जयपुर में जूस दुकान संचालक पर जानलेवा हमला, तीन महीने से फरार आरोपी जैसलमेर से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजापार्क बाजार में जूस की दुकान चलाने वाले दुकानदार पर जानलेवा हमला करने के मामले में आदर्शनगर थाना पुलिस ने तीन महीने से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को जैसलमेर जिले के पोकरण क्षेत्र में दबिश देकर पकड़ा। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से पुलिस अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस आरोपी को घटनास्थल पर भी लेकर गई, जहां वारदात की तस्दीक करवाई गई। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान महिपाल सिंह चंपावत (27) निवासी जोधनगर, पोकरण, जिला जैसलमेर के रूप में हुई है। आरोप है कि उसने अपने एक साथी के साथ मिलकर जूस की दुकान के संचालक वैभव सेनानी पर हमला किया था। वारदात के दौरान वैभव दुकान में सो रहे थे। इसी समय आरोपी ने उनके सिर पर बेसबॉल बैट से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो



गए थे। पुलिस उपायुक्त पूर्व रंजिता शर्मा ने बताया कि 20 जुलाई को पीड़ित वैभव सेनानी ने आदर्शनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। रिपोर्ट के अनुसार, रात करीब तीन बजे राजापार्क बाजार स्थित उनकी दुकान 'अचानक जूस' में महिपाल सिंह अपने एक साथी के साथ पहुंचा था। दोनों एक चौपहिया वाहन से वहां आए थे। आरोप है कि दुकान में प्रवेश करने के बाद दोनों ने सो रहे वैभव सेनानी को निशाना बनाया। महिपाल सिंह ने उनके सिर पर बेसबॉल बैट से कई वार किए। अचानक हुए हमले में वैभव गंभीर रूप से घायल हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वहां से फरार हो गए।प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पीड़ित और आरोपी के बीच पहले किसी मामूली बात को लेकर विवाद हुआ था।



इसी विवाद की रंजिश के चलते आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर कथित तौर पर हमले की योजना बनाई और वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी।लगातार तलाश के बीच आदर्शनगर थाना पुलिस ने जैसलमेर जिले के पोकरण क्षेत्र में दबिश देकर महिपाल सिंह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया और पूछताछ के लिए पुलिस अभिरक्षा में लिया। पुलिस आरोपी को घटनास्थल पर लेकर गई और वारदात से जुड़े घटनाक्रम की तस्दीक करवाई। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। मामले में उसके साथ मौजूद दूसरे व्यक्ति की भूमिका और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।ड्ड

वार्ड 7 में पुराने कुओं की सफाई का अभियान शुरू, पानी की गुणवत्ता की होगी जांच

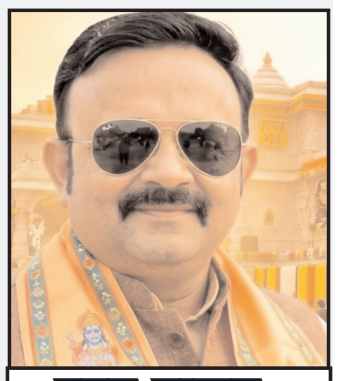
महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। शहर में पानी की कमी को देखते हुए वार्ड संख्या 7 में पुराने कुओं की सफाई का अभियान शुरू किया गया है। पार्षद सलिल कालमा ने वार्डवासियों से चर्चा के बाद इस पहल की शुरुआत की। अभियान का उद्देश्य वर्षों से बंद पड़े कुओं की सफाई करवाकर उन्हें उपयोग की संभावनाओं के अनुरूप तैयार करना और जल स्रोतों की स्थिति में सुधार करना है। इसके तहत होटल मिनी माउंट के पास स्थित एक पुराने कुएं की सफाई करवाई गई। कुएं में लंबे समय से कचरा जमा था। सफाई अभियान के दौरान कर्मचारियों ने कुएं के भीतर जमा कचरे को बाहर निकाला। इसके साथ ही कुएं के आसपास फैली गंदगी और उगी झाड़ियों को भी हटाया गया, ताकि आसपास का क्षेत्र साफ-सुथरा हो सके। सफाई कार्य मुख्य जमादार तरुण कुमार के नेतृत्व में नगरपालिका कर्मचारियों ने किया। अभियान के दौरान कुएं और उसके आसपास की सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया। कुएं की सफाई पूरी होने के बाद अब उसके पानी की गुणवत्ता की जांच कराने की प्रक्रिया शुरू की गई है। पार्षद सलिल कालमा ने जलदाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता दिनेश से बातचीत कर पानी का नमूना जांच के लिए भेजने का आग्रह किया है। पानी की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह तय किया जा सकेगा कि कुएं का पानी उपयोग के योग्य है या नहीं। पानी की कमी के बीच पुराने जल स्रोतों की सफाई और उनकी स्थिति का आकलन महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सम्पादकीय

वन रैंक वन पेंशन से लेकर ECHS तक के फंड में कटौती किए जाने पर केंद्र सरकार और संघ परिवार के खिलाफ विपक्षी मोर्चे का बड़ा हमला

नई दिल्ली देश की राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना के आधुनिकीकरण और पूर्व सैनिकों के अधिकारों को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। पूर्व सैनिकों और विपक्षी संगठनों से जुड़े लोगों ने केंद्र सरकार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका दावा है कि रक्षा बजट, सैनिकों की पेंशन, भत्तों और सैन्य आधुनिकीकरण से जुड़े प्रावधानों को लेकर ऐसी नीतियां अपनाई जा रही हैं, जिनका असर सेना और पूर्व सैनिकों पर पड़ सकता है। दूसरी ओर, भाजपा और रक्षा मंत्रालय इन आरोपों को खारिज करते हुए रक्षा क्षेत्र में बढ़ते बजट, स्वदेशी उत्पादन और पूर्व सैनिकों को दिए जा रहे लाभों का हवाला दे रहे हैं।



पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

इस विवाद ने रक्षा नीति और राजनीति के बीच एक नई बहस छेड़ दी है। एक ओर पूर्व सैनिकों से जुड़े संगठन पेंशन, स्वास्थ्य सुविधाओं और सैन्य संसाधनों को लेकर सवाल उठा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार का पक्ष है कि देश की रक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं। ऐसे में रक्षा बजट और पूर्व सैनिकों की सुविधाओं को लेकर किए जा रहे दावों की तथ्यात्मक जांच भी महत्वपूर्ण हो गई है।

रक्षा बजट और आधुनिकीकरण पर उठाए सवाल

पूर्व सैनिकों और किसान-सैनिक संगठनों से जुड़े नेताओं का आरोप है कि सेना के आधुनिकीकरण के लिए जरूरी संसाधनों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। उनका कहना है कि आधुनिक हथियारों, सुरक्षा उपकरणों और तकनीकी सुविधाओं की खरीद के लिए बजट की उपलब्धता सेना की परिचालन क्षमता से सीधे जुड़ी है। सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात जवानों को बेहतर उपकरण, पर्याप्त रसद और जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से अहम है। इन संगठनों ने रक्षा बजट में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुपात में सेना को मिलने वाले आवंटन को लेकर भी चिंता जताई है। उनका दावा है कि रक्षा बजट में वास्तविक जरूरतों के अनुरूप वृद्धि नहीं होने से आधुनिकीकरण की योजनाओं पर दबाव पड़ सकता है। हालांकि, बजट में कटौती के इन आरोपों की पुष्टि के लिए अलग-अलग वर्षों के वास्तविक आवंटन, संशोधित अनुमान और खर्च के आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन जरूरी है। विरोध करने वाले पूर्व सैनिकों का कहना है कि सेना के आधुनिकीकरण में केवल नए हथियार खरीदना ही पर्याप्त नहीं है। सैनिकों के लिए सुरक्षा उपकरण, संचार प्रणाली, तकनीकी प्रशिक्षण और सीमावर्ती क्षेत्रों में जरूरी सुविधाएं भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। उनके मुताबिक, रक्षा तैयारियों का आकलन करते समय इन सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए। वन रैंक वन पेंशन पर भी असंतोष पूर्व सैनिकों के बीच वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) और दिव्यांगता पेंशन को लेकर भी असंतोष की बात सामने आई है। विरोध कर रहे संगठनों का आरोप है कि ओआरओपी के लाभों को लेकर जमीनी स्तर पर कई शिकायतें बनी हुई हैं। उनका कहना है कि अलग-अलग रैंक और सेवा अवधि वाले सेवानिवृत्त सैनिकों को मिलने वाली पेंशन तथा बकाया राशि के मामलों में स्पष्टता और समय पर समाधान जरूरी है। पूर्व सैनिकों का कहना है कि देश की सुरक्षा के लिए वर्षों तक सेवा देने वाले जवानों और अधिकारियों को सेवानिवृत्ति के बाद आर्थिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। उनके मुताबिक, पेंशन की गणना, बकाया भुगतान और दिव्यांगता पेंशन से जुड़े मामलों में किसी भी तरह की विसंगति दूर करने के लिए प्रभावी व्यवस्था होनी चाहिए। दिव्यांगता पेंशन को लेकर लगाए गए आरोपों में यह भी दावा किया गया है कि कुछ नए नियमों के कारण सेवानिवृत्त होने वाले सैनिकों के वित्तीय हित प्रभावित हो सकते हैं। हालांकि, इन दावों की वास्तविक स्थिति संबंधित नियमों, पात्रता शर्तों और व्यक्तिगत मामलों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकती है। इसलिए किसी भी बदलाव को लेकर सरकार की अधिसूचनाओं और आधिकारिक स्पष्टीकरण का अध्ययन जरूरी है। पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाएं भी विवाद का एक अहम मुद्दा बनी हुई हैं। विरोध कर रहे लोगों ने एक्स-सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ईसीएचएस) के तहत अस्पतालों में इलाज और भुगतान से जुड़ी समस्याओं का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यदि योजना के तहत अस्पतालों को समय पर भुगतान नहीं होता, तो इसका असर पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को मिलने वाली चिकित्सा सेवाओं पर पड़ सकता है। पूर्व सैनिक संगठनों की मांग है कि ईसीएचएस के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों के साथ भुगतान संबंधी समस्याओं का समाधान किया जाए, ताकि मरीजों को इलाज के दौरान परेशानी न हो। उनका कहना है कि सेवानिवृत्ति के बाद स्वास्थ्य सेवाएं पूर्व सैनिकों की बुनियादी जरूरतों में शामिल हैं और इनके संचालन में किसी भी तरह की बाधा को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर वास्तविक स्थिति जानने के लिए योजना के बजट, अस्पतालों के भुगतान और लाभार्थियों की शिकायतों से जुड़े आधिकारिक आंकड़ों की जरूरत है। फिलहाल उपलब्ध सामग्री में इन आरोपों के समर्थन में विस्तृत आंकड़े नहीं दिए गए हैं। अग्निपथ योजना को लेकर भी विरोध अग्निपथ योजना को लेकर भी विपक्षी दलों और कुछ पूर्व सैनिक संगठनों की आपत्तियां जारी हैं।

चोरवाड से निकला वह शख्स, जिसने आम भारतीयों को बनाया कंपनियों की तरक्की का भागीदार

व्यापार, बचत और सोच-समझकर जोखिम उठाने की परंपरा के लिए पहचाने जाने वाले गुजरात ने देश को कई बड़े उद्योगपति दिए हैं। इनमें धीरूभाई अंबानी का नाम खास महत्व रखता है। सौराष्ट्र के चोरवाड से शुरू हुआ उनका सफर इस बात की मिसाल बना कि बड़े सपने, अवसरों की पहचान और कारोबारी साहस किसी व्यक्ति को उद्योग जगत में नई पहचान दिला सकते हैं। उन्होंने रिलायंस को एक बड़े कारोबारी समूह के रूप में स्थापित किया और आम भारतीयों को कंपनियों में निवेश करने की सोच से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिस दौर में देश के अधिकांश मध्यमवर्गीय परिवार अपनी बचत सोने, जमीन या बैंक में रखना पसंद करते थे, उस समय शेयर बाजार में निवेश करना आम लोगों के लिए बहुत परिचित विकल्प नहीं था। शेयर बाजार में बड़े कारोबारी परिवारों और संपन्न निवेशकों की भागीदारी अधिक दिखाई देती थी। धीरूभाई अंबानी ने इस स्थिति को बदलने की दिशा में काम किया। उनकी सोच थी कि आम लोग केवल कंपनियों के उत्पादों के ग्राहक ही न रहें, बल्कि उनकी आर्थिक प्रगति में हिस्सेदार भी बनें। धीरूभाई अंबानी का जन्म 1932 में गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र के चोरवाड में एक साधारण परिवार में हुआ था। शुरुआती जीवन में उन्होंने सीमित संसाधनों के बीच काम किया। किशोरावस्था में वे रोजगार की तलाश में यमन के अदन पहुंचे, जहां उन्होंने ए. बेस्से एंड कंपनी में काम शुरू किया। बाद में वे पेट्रोलियम कारोबार से जुड़े एक तेल भरने वाले स्टेशन के प्रबंधन से भी जुड़े। अदन में बिताए समय ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय व्यापार की कार्यप्रणाली समझने का अवसर दिया। वहां उन्होंने व्यापारियों, जहाजों और विभिन्न देशों के बीच होने वाले कारोबारी लेन-देन को करीब से देखा। इस अनुभव ने उनकी व्यावसायिक समझ को मजबूत किया। उन्होंने जाना कि व्यापार में सफलता केवल पूंजी पर निर्भर नहीं करती, बल्कि बाजार की मांग को समझने, अवसर पहचानने और सही समय पर निर्णय लेने की क्षमता भी महत्वपूर्ण होती है। कुछ समय बाद वे भारत लौटे और मुंबई में अपना कारोबारी सफर आगे बढ़ाया। शुरुआत में उन्होंने मसालों के कारोबार में काम किया, फिर कपड़ा उद्योग से जुड़े धागे के व्यापार में कदम रखा। धीरे-धीरे उन्होंने व्यापार से आगे बढ़कर विनिर्माण क्षेत्र में अपनी जगह बनाने की दिशा में काम किया। 1966 में धीरूभाई अंबानी ने गुजरात के नरोदा में कपड़ा मिल स्थापित की। इसी दौर में रिलायंस के कपड़ा कारोबार को आगे बढ़ाने और विमल ब्रांड को पहचान दिलाने पर जोर दिया गया। विमल ने धीरे-धीरे बाजार में अपनी जगह बनाई और कपड़ों के क्षेत्र में चर्चित नाम बन गया। की कारोबारी रणनीति केवल उत्पादन तक सीमित नहीं थी। वे ब्रांड की पहचान, वितरण व्यवस्था और ग्राहकों तक पहुंच को भी उतना ही महत्व देते थे। उन्होंने समझा कि किसी उत्पाद की सफलता के लिए उसकी गुणवत्ता के साथ-साथ लोगों के बीच उसकी विश्वसनीय पहचान बनाना जरूरी है। रिलायंस के विस्तार के साथ कंपनी ने कपड़ा कारोबार से आगे बढ़कर पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी मजबूत की। इस विस्तार ने रिलायंस को भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख कारोबारी समूहों में शामिल करने में अहम भूमिका निभाई।

धीरूभाई अंबानी की सबसे महत्वपूर्ण पहचानों में से एक आम निवेशकों को शेयर बाजार से जोड़ने की पहल रही। वर्ष 1977 में रिलायंस टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुई। कंपनी के शेयरों को लेकर निवेशकों की रुचि काफी अधिक रही और उपलब्ध शेयरों की तुलना में मांग कई गुना बताई गई। उस समय किसी कंपनी के शेयर खरीदना आम परिवारों के लिए उतना सहज विचार नहीं था। धीरूभाई ने छोटे निवेशकों को कंपनी की विकास यात्रा में भागीदार बनने के लिए प्रोत्साहित किया। उनके कारोबारी मॉडल ने यह संदेश दिया कि किसी कंपनी की तरक्की का लाभ केवल उसके संस्थापकों या बड़े निवेशकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। रिलायंस के निवेशकों को कंपनी की प्रगति, लाभांश और बोनस शेयरों के माध्यम से उसकी कारोबारी यात्रा से जुड़ने का अवसर मिला। इससे अनेक लोगों में शेयर बाजार को लेकर दिलचस्पी बढ़ी। कंपनी में निवेश करने वाले छोटे बचतकर्ताओं के लिए यह अनुभव नया था कि वे किसी बड़े औद्योगिक समूह की हिस्सेदारी खरीदकर उसकी प्रगति में भागीदार बन सकते हैं। हालांकि, भारत में शेयर बाजार धीरूभाई अंबानी से बहुत पहले स्थापित हो चुका था। उनकी विशेष भूमिका आम निवेशकों के बीच शेयर बाजार की पहुंच और लोकप्रियता बढ़ाने में रही। उन्होंने निवेश को केवल बड़े कारोबारियों तक सीमित समझने वाली धारणा को चुनौती देने में योगदान दिया। उस दौर में भारतीय उद्योग जगत में टाटा, बिड़ला और बॉम्बे डाइंग जैसे बड़े नाम स्थापित थे। ऐसे प्रतिस्पर्धी माहौल में धीरूभाई अंबानी ने अपनी अलग पहचान बनाई। राज्य में व्यापार, बचत और निवेश की परंपरा पहले से मजबूत रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद ड्रोन युद्ध की तैयारी तेज, सेना ने काउंटर-ड्रोन सिस्टम से लेकर हमलावर ड्रोन तक बढ़ाई ताकत

नई दिल्ली ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना ड्रोन युद्ध की अपनी क्षमता को और मजबूत करने में जुटी है। सेना निगरानी के साथ-साथ सटीक हमला करने और दुश्मन के ड्रोन को पहचानकर नष्ट करने की व्यवस्था भी विकसित कर रही है। जुलाई से सितंबर के बीच सामने आए खरीद प्रस्तावों से संकेत मिलता है कि सेना ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीक से जुड़ी व्यापक व्यवस्था तैयार कर रही है।इस तैयारी में लंबी दूरी तक निगरानी करने वाले ड्रोन, लक्ष्य की पहचान करने वाली प्रणालियां, एफपीवी ड्रोन के जरिए हमला करने या पेलोड गिराने की क्षमता, सैनिकों को प्रशिक्षण देने वाले उपकरण और दुश्मन के ड्रोन से निपटने वाले सिस्टम शामिल हैं। सेना का जोर केवल नए ड्रोन खरीदने पर नहीं, बल्कि उन्हें संचालित करने, उनकी मरम्मत करने और युद्ध के दौरान प्रभावी ढंग से इस्तेमाल करने की क्षमता बढ़ाने पर भी है।

काउंटर-ड्रोन सिस्टम और लंबी दूरी की निगरानी पर जोर

सेना ने हाल ही में नौ लो एल्टीट्यूड एरियल थ्रेट रिस्पॉन्स एंड मिटिगेशन सिस्टम खरीदने की प्रक्रिया शुरू की है। इससे पहले दस इंटीग्रेटेड लॉन्ग रेंज सर्विलांस ड्रोन के लिए टेंडर जारी किया गया था। इन प्रणालियों का उद्देश्य हवाई खतरों की निगरानी और उनसे निपटने की क्षमता मजबूत करना है। ड्रोन युद्ध में निगरानी और हमले के साथ दुश्मन के ड्रोन को समय रहते पहचानना भी अहम है। काउंटर-ड्रोन प्रणालियां इस तरह के खतरों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने में मदद कर सकती हैं। वहीं, लंबी दूरी तक निगरानी करने वाले ड्रोन सीमा पर गतिविधियों पर नजर रखने और लक्ष्यों की पहचान करने में उपयोगी हैं।273 उपकरणों की सूची, ड्रोन के जरूरी पुर्जों पर भी ध्यान

भारतीय सेना ने ड्रोन से जुड़े 273 प्रकार के उपकरणों और पुर्जों की सूची जारी की है। इसमें मोटर, इलेक्ट्रॉनिक स्पीड कंट्रोलर, ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम, फ्लाइट कंट्रोलर, कैमरा, बैटरी और रिमोटली ऑपरेटेड मल्टी-पेलोड रिलीज मैकेनिज्म जैसे उपकरण शामिल हैं।

सर्विलांस ड्रोन का मुख्य काम तस्वीरें और वीडियो भेजना होता है, जिससे निगरानी और लक्ष्य की पहचान की जा सके। वहीं, पेलोड रिलीज मैकेनिज्म ड्रोन को निर्धारित स्थान पर कोई वस्तु गिराने की क्षमता देता है। इन उपकरणों की उपलब्धता से ड्रोन की कार्यक्षमता बढ़ाने और अलग-अलग अभियानों के लिए उन्हें तैयार करने में मदद मिल सकती है।

106 स्वदेशी 'पीसकीपर (अग्निवेग)' ड्रोन सेना को सौंपे

ड्रोन क्षमता बढ़ाने की दिशा में स्वदेशी रक्षा कंपनी एसएमपीपी ने भारतीय सेना को टर्बोजेट इंजन से चलने वाले 106 कामिकाजे ड्रोन सौंपे हैं। इन्हें 'पीसकीपर (अग्निवेग)' नाम दिया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ये ड्रोन 180 किलोमीटर तक की दूरी पर हमला करने और 450 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ने में सक्षम हैं। कामिकाजे ड्रोन को लक्ष्य पर हमला करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इनकी खासियत यह है कि ये अपने लक्ष्य तक पहुंचकर उसी पर प्रहार करने के लिए बनाए जाते हैं। लंबी दूरी और तेज रफ्तार के कारण ऐसे ड्रोन सैन्य अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इनकी आपूर्ति से सेना की स्वदेशी हमलावर ड्रोन क्षमता को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

रक्षा विशेषज्ञों ने स्वदेशी उत्पादन को बताया जरूरी

रक्षा विश्लेषक ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) शरदेंदु के अनुसार, भारत की ड्रोन युद्ध क्षमता का आकलन पाकिस्तान और चीन की क्षमताओं को ध्यान में रखकर करना जरूरी है। उनके मुताबिक, चीन के पास ड्रोन उत्पादन, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित तकनीक का मजबूत आधार है। वहीं, पाकिस्तान भी चीनी तकनीक और तुर्किये की मदद से अपनी ड्रोन क्षमता बढ़ा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के सामने चुनौती केवल आधुनिक ड्रोन खरीदने की नहीं, बल्कि सीमा पर लगातार निगरानी, जरूरत पड़ने पर सटीक जवाबी कार्रवाई और दुश्मन के ड्रोन हमलों से सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी है। इसके लिए स्वदेशी निर्माण क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ उपकरणों की तेज मरम्मत और कम लागत में बड़ी संख्या में ड्रोन तैयार करने की व्यवस्था विकसित करना जरूरी है। सेना के हालिया खरीद प्रस्तावों में निगरानी, हमला करने और हवाई खतरों से सुरक्षा जैसे अलग-अलग पहलुओं पर ध्यान दिया गया है। इससे स्पष्ट होता है कि आधुनिक युद्ध में ड्रोन की बढ़ती भूमिका को देखते हुए भारतीय सेना अपनी तकनीकी और परिचालन तैयारियों को मजबूत करने पर काम कर रही है।

एसआईआर के विरोध में INDIA ब्लॉक की बैठक, आठ दिन में विपक्ष की छठी बैठक

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी गठबंधन dTIU ब्लॉक ने अपनी रणनीति तेज कर दी है। इसी सिलसिले में विपक्षी नेताओं ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आवास पर चाय पर बैठक की। करीब दो घंटे चली इस बैठक में आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक के बाद सभी नेता एक साथ बाहर आए और मीडिया के सामने अपनी बात रखी।

राहुल गांधी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेना विपक्ष का मिशन है। उन्होंने कहा कि इस मांग को लेकर आंदोलन में चाहे एक दिन लगे, एक साल या दो साल, विपक्ष पीछे नहीं हटेगा। राहुल गांधी के मुताबिक, यह संघर्ष केवल किसी राजनीतिक दल या नेता तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के लोगों के अधिकारों और लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुरक्षित रखने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष लोकतांत्रिक प्रक्रिया बहाल करने के लिए अंत तक संघर्ष करेगा। अठ दिन में विपक्षी नेताओं की छठी बैठक एसआईआर के मुद्दे पर विपक्षी दलों के बीच लगातार बैठकों का दौर जारी है। आठ दिन के भीतर यह विपक्षी नेताओं की छठी बैठक थी। इसमें सुप्रिया सुले, डी. राजा, तेजस्वी यादव, मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद के. सुरेश सहित कई नेता शामिल हुए। बैठक में एसआईआर के विरोध, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग और लोकतांत्रिक तरीके से विरोध दर्ज कराने के अधिकार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।

विपक्षी नेताओं का कहना है कि चुनावी प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े सवालों पर सरकार को जवाब देना चाहिए। बैठक के बाद दिए गए बयानों से साफ है कि ढ्ढह्लष्ठढ्ढ ब्लॉक इस मुद्दे को राजनीतिक स्तर पर लगातार उठाने की तैयारी में है। विपक्ष का जोर इस बात पर है कि चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक अधिकारों को लेकर उठाई जा रही चिंताओं पर गंभीरता से विचार किया जाए।

एमए बेबी बोले- लोकतांत्रिक विरोध के अधकार को सीमित किया जा रहा

माकपा नेता एमए बेबी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार वोट देने के अधिकार, विरोध प्रदर्शन के लिए जगह और लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर कहा कि सरकार की सोच ऐसी है, मानो वहां लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने स्पष्ट किया कि विपक्ष सरकार के इस रवैये को चुनौती देगा।

एमए बेबी ने कहा कि लोकतंत्र में नागरिकों और राजनीतिक दलों को अपनी असहमति दर्ज कराने तथा सरकार के फैसलों के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार है। उनके मुताबिक, यदि विरोध प्रदर्शन के लिए उपलब्ध स्थानों और लोकतांत्रिक गतिविधियों पर रोक लगाने की कोशिश होती है, तो विपक्ष इसका विरोध करेगा। उन्होंने कहा कि जनता की आवाज उठाने का संघर्ष किसी भी परिस्थिति में बंद नहीं होगा।

संविधान और चुनावी व्यवस्था को लेकर सरकार पर आरोप

विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका पर भी सवाल उठाए। एमए बेबी ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया गया है, चुनावी व्यवस्था को कमजोर किया गया है और संविधान की भावना के विपरीत काम हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

विपक्ष का कहना है कि एसआईआर को लेकर उसकी आपत्तियां केवल राजनीतिक विरोध का विषय नहीं हैं, बल्कि इनका संबंध चुनावी प्रक्रिया में जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकारों से है। नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि चुनावी व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। हालांकि, बैठक में लगाए गए आरोप विपक्षी नेताओं के बयान हैं।

जनता के भविष्य के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प बैठक के बाद राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं ने संकेत दिया कि एसआईआर तथा ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष का उद्देश्य देश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बहाल करना है और इसके लिए सभी दल मिलकर संघर्ष करेंगे। विपक्षी नेताओं ने कहा कि किसी संस्था की भूमिका कैसी भी रहे, राजनीतिक विरोध और जनता का संघर्ष जारी रहेगा। उनका दावा है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज उठाना जरूरी है। बैठक के बाद ढ्ढह्लष्ठढ्ढ ब्लॉक ने अपने रुख को दोहराते हुए स्पष्ट किया कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और एसआईआर के विरोध का मुद्दा विपक्ष के आंदोलन में प्रमुख बना रहेगा।

(बुधवार)16 अक्टूबर 2026

मेष	परिवार में सुखद माहौल रहेगा। रुके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न होगा।
वृषभ	नौकरी और कारोबार में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। खर्चों पर नियंत्रण रखें
मिथुन	कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें।
कर्क	आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। मेहनत का लाभ मिलने के संकेत हैं
सिंह	नए संपर्क भविष्य में लाभ दे सकते हैं। दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखें
कन्या	कामकाज में धैर्य से सफलता मिलेगी। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा
तुला	नए विचार लाभदायक साबित हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलने की संभावना है
वृश्चिक	ई योजनाओं पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा। बातचीत में संयम रखें
धनु	दिन सकारात्मक रह सकता है। परिवार में खुशियां बढ़ेंगी और रुके काम गति पकड़ेंगे
मकर	भाग्य का साथ मिलने से काम आगे बढ़ेंगे। विद्यार्थियों को मेहनत पर ध्यान देना चाहिए
कुंभ	महत्वपूर्ण काम में सफलता मिल सकती है। जल्दबाजी में कोई फैसला न लें
मीन	आत्मविश्वास बढ़ेगा और कार्यक्षेत्र में आपके प्रयासों की सराहना हो सकती है

अमित शाह का राहुल गांधी पर हमला, बोले- एसआईआर की आड़ में घुसपैठियों को बचा रही कांग्रेस

नई दिल्ली देशभर में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष के विरोध के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी एसआईआर की आड़ में घुसपैठियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस के इस एजेंडे को समझती है। शाह ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर दावा किया कि वर्ष 2029 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) भारी बहुमत से जीत हासिल करेगा और कांग्रेस को लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ेगा। शाह ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया वर्ष 2024 के बाद शुरू हुई, जबकि राहुल गांधी के राजनीति में आने के बाद से कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है। उन्होंने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें 2029 के लोकसभा चुनाव में एक और बड़ी हार के लिए तैयार रहना चाहिए। शाह ने दावा किया कि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और एनडीए के साथ है। अमित शाह ने गुजरात के स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा की जीत का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कुल 104 सीटों में से 90 सीटों पर जीत दर्ज की। शाह ने सवाल किया कि क्या गुजरात में कांग्रेस की हार के लिए भी एसआईआर को जिम्मेदार ठहराया जाएगा? उन्होंने आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधा। शाह के अनुसार, पार्टी ने सभी 32 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन उसे किसी भी सीट पर जीत नहीं मिली और सभी सीटों पर उसकी जमानत जब्त हो गई। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस गुजरात में लंबे समय से चुनावी सफलता हासिल नहीं कर पाई है। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने राज्य में आखिरी चुनावी जीत 1985 में दर्ज की थी। गृह मंत्री ने त्रिपुरा के ग्राम समिति चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि एनडीए ने करीब 77.5 प्रतिशत वोट हासिल किए। उनके दावे के मुताबिक, कांग्रेस 4,600 सीटों में से केवल 14 सीटें जीत सकी। शाह ने चुनावी नतीजों पर सवाल उठाने वालों को जवाब देते हुए कहा कि जिन चुनावों को लेकर आरोप लगाए जा रहे हैं, उनमें बैलेट पेपर का इस्तेमाल हुआ था। ऐसे में भाजपा की जीत के लिए इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों को जिम्मेदार ठहराने का तर्क उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में 33 वर्षों से कांग्रेस का कोई मुख्यमंत्री नहीं बना है। पश्चिम बंगाल और गुजरात में भी कांग्रेस लंबे समय से चुनावी सफलता के लिए संघर्ष कर रही है। शाह ने राहुल गांधी से सवाल किया कि क्या इन राज्यों के नतीजों को भी एसआईआर से जोड़कर देखा जाएगा? अमित शाह ने पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में हुए उपचुनावों का हवाला देते हुए कहा कि कांग्रेस इनमें एक भी सीट नहीं जीत सकी। उन्होंने पश्चिम बंगाल के नाओगांव में भाजपा उम्मीदवार की 1.42 लाख वोटों के अंतर से जीत और नंदीग्राम में भाजपा उम्मीदवार की 1.22 लाख वोटों से जीत का उल्लेख किया। शाह ने इन नतीजों को कांग्रेस की कमजोर होती चुनावी स्थिति से जोड़ते हुए कहा कि पार्टी लगातार कई राज्यों में जनसमर्थन हासिल करने में नाकाम रही है। उनके मुताबिक, चुनावी हार के लिए एसआईआर या चुनाव प्रक्रिया को जिम्मेदार ठहराने के बजाय कांग्रेस को अपनी राजनीतिक स्थिति पर विचार करना चाहिए। गृह



मंत्री ने राजस्थान के स्थानीय निकाय चुनावों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने राज्य में 90 प्रतिशत नगर निगमों, 66 प्रतिशत नगर परिषदों और 65 प्रतिशत नगरपालिकाओं में जीत हासिल की। शाह ने कहा कि विभिन्न राज्यों के चुनावी नतीजे भाजपा और एनडीए के पक्ष में जनसमर्थन को दर्शाते हैं। एक ओर कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल चुनाव प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहे हैं, वहीं शाह ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए अलग-अलग राज्यों के चुनावी नतीजों को कांग्रेस की राजनीतिक कमजोरी से जोड़ा है। उन्होंने दोहराया कि भाजपा और एनडीए वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेंगे।

तेज आंधी में निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिरी, पार्किंग में खड़ी 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर-62 में गुरुवार, 15 अक्टूबर 2026 को तेज आंधी के दौरान निर्माणाधीन बिल्डिंग की शटरिंग गिरने से बड़ा हादसा होते-होते टल गया। शटरिंग पास की कंपनी की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों पर जा गिरी, जिससे 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि, राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के घायल होने या जान जाने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार, यह घटना सेक्टर-62 स्थित आइथम हाइट्स के पास हुई। यहां एक निर्माणाधीन इमारत में लगी शटरिंग तेज आंधी के कारण गिर गई। शटरिंग गिरकर पड़ोस में स्थित ग्राफिक सिटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की पार्किंग में जा पहुंची। उस समय पार्किंग में कई गाड़ियां खड़ी थीं, जो शटरिंग की चपेट में आ गईं। अचानक हुई इस घटना से पार्किंग में खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचा। हादसे में कुल 14 गाड़ियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। शटरिंग गिरने से वाहनों को नुकसान पहुंचा, लेकिन घटना के दौरान किसी व्यक्ति के हताहत होने की जानकारी सामने नहीं आई। तेज आंधी के दौरान निर्माणाधीन इमारत से शटरिंग गिरने की घटना ने निर्माण स्थलों पर सुरक्षा इंतजामों को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद सेक्टर-58 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने घटनास्थल की जानकारी जुटाई और मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। तेज आंधी के चलते हुए इस हादसे में कई वाहनों को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के हताहत नहीं होने से राहत रही। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है।



नकली सीमेंट का बड़ा कारोबार उजागर, एसीसी-अंबुजा समेत कई ब्रांडों की 1000 से ज्यादा बोरियां बरामद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में नामी कंपनियों के ब्रांड के नाम पर कथित तौर पर नकली सीमेंट तैयार कर बाजार में बेचने के मामले का खुलासा हुआ है। पनकी के इस्पात नगर में एसओजी और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक परिसर पर छापा मारा। यहां एसीसी, अंबुजा समेत विभिन्न कंपनियों के नाम वाली 1000 से अधिक सीमेंट की बोरियां, खाली बैग और दो ट्रक बरामद किए गए। पुलिस के पहुंचने से पहले ही परिसर का संचालक और कर्मचारी वहां से जा चुके थे। कंपनी की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बुधवार को हुई छापेमारी के दौरान परिसर में बड़ी संख्या में सीमेंट से भरी बोरियां मिलीं। मौके पर दो ट्रक भी खड़े थे, जिनमें माल लोड किया जा रहा था। बरामद बोरियों और खाली बैगों पर अलग-अलग नामी कंपनियों के ब्रांड दर्ज थे। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि परिसर में किस तरह का कारोबार चल रहा था और इन ब्रांडों का इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा था। एसीसी और अंबुजा सीमेंट के सेल्स सीनियर मैनेजर मुमताज उल हक के मुताबिक, पनकी क्षेत्र में दोनों कंपनियों के नाम पर कथित नकली सीमेंट बेचे जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद कंपनी ने अपने स्तर पर विजिलेंस टीम से जांच कराई। शिकायतों की पुष्टि होने का दावा करते हुए पुलिस अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की गई। इसके बाद एसओजी और पनकी पुलिस ने संयुक्त रूप से संबंधित परिसर में छापेमारी की। एसीपी वेस्ट योगेश कुमार के अनुसार, कंपनी के सेल्स मैनेजर ने शिकायत दी थी कि कुछ लोग कंपनी के नाम का दुरुपयोग कर कथित तौर पर नकली सीमेंट तैयार कर रहे हैं। पुलिस ने मौके से एसीसी सीमेंट के भरे हुए बैग और खाली बोरियां बरामद कीं। कंपनी के प्रतिनिधि की ओर से थाने में दी गई तहरीर में चार लोगों को नामजद किया गया है।



बैंक मैनेजर की मौत से गहराया रहस्य, पत्नी को संदेश भेजकर बताई थी परेशानी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर के किदवई नगर में बंधन बैंक के गोल्ड लोन विभाग में कार्यरत मैनेजर अनुराग बाजपेई की मौत के मामले में ग्राहक से जुड़े विवाद का पहलू सामने आया है। 34 वर्षीय अनुराग ने बुधवार दोपहर पत्नी दिव्या को वॉट्सऐप पर कई संदेश भेजकर अपनी परेशानी बताई थी। संदेशों में उन्होंने ग्राहक नितिन गौर का जिक्र करते हुए अपनी गलती नहीं होने और 7 अक्टूबर से मामला चलने की बात कही थी। इसके बाद पत्नी के जवाब देने पर भी उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां कमरे से उनका शव बरामद हुआ। मूल रूप से उन्नाव जिले के बांगरमऊ निवासी अनुराग गोविंद नगर स्थित बंधन बैंक में गोल्ड लोन विभाग के मैनेजर थे। वह पिछले करीब दो साल से कानपुर के किदवई नगर स्थित एम ब्लॉक में किराये के कमरे में अकेले रह रहे थे। उनके पिता रामचंद्र के मुताबिक, बुधवार दोपहर 2:52 से 2:56 बजे के बीच अनुराग ने पत्नी को कई संदेश भेजे थे। इनमें उन्होंने ग्राहक से जुड़े मामले को लेकर परेशानी जताई और कहा कि उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं मिल रहा है। दोपहर करीब 3:10 बजे दिव्या ने संदेश देखकर जवाब दिया और पूरी बात बताने को कहा, लेकिन इसके बाद अनुराग से संपर्क नहीं हो पाया । नुराग की ओर से जवाब नहीं मिलने पर दिव्या ने परिवार के लोगों को जानकारी दी। इसके बाद बैंक में संपर्क किया गया। बैंक का एक कर्मचारी अनुराग के किराये के कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। आवाज देने पर भी कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। कर्मचारी ने इसकी जानकारी परिवार को दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में कमरे का दरवाजा खुलवाया गया, जहां अनुराग का शव मिला। पुलिस को कमरे से एक सुसाइड नोट के साथ एसीपी बाबूपुरवा को दिया गया प्रार्थना-पत्र भी मिला है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, इन दस्तावेजों में ग्राहक से जुड़े विवाद और अनुराग की परेशानी का उल्लेख है। पुलिस अब सुसाइड नोट, प्रार्थना-पत्र और परिवार की ओर से दी गई शिकायत की जांच कर रही है। बाबूपुरवा थाना प्रभारी नीरज ओझा के अनुसार, उपलब्ध दस्तावेजों और परिवार की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अनुराग के परिवार में पत्नी दिव्या और तीन बच्चे वैभव, मृत्युंजय तथा ढाई साल की बेटी देविका हैं। पिता रामचंद्र ने बताया कि अनुराग नौ भाई-बहनों में छठे नंबर पर थे। उनकी मौत की खबर से परिवार में शोक का माहौल है। फिलहाल पुलिस ग्राहक से जुड़े विवाद, अनुराग की ओर से दिए गए प्रार्थना-पत्र और उस पर हुई कार्रवाई के पहलुओं की पड़ताल कर रही है। ग्राहक पर लगाए गए आरोपों और शिकायत के संबंध में सभी तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है। पुलिस का कहना है कि सुसाइड नोट, परिजनों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद ही घटना से जुड़ी परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।



पत्नी कुएं में कूदी तो पति ने जोड़ लिए हाथ, ग्रामीणों के सामने मांगी माफी; तब जाकर बाहर आई महिला...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मध्य प्रदेश। शिवपुरी जिले में पति-पत्नी के विवाद के बाद महिला कुएं में कूद गई. पति ने उसे बचाने के लिए रस्सी डाली, लेकिन महिला ने बाहर आने से इनकार कर दिया. उसने शर्त रखी कि पति ग्रामीणों के सामने माफी मांगे. आखिरकार पति ने हाथ जोड़कर माफी मांगी, जिसके बाद महिला कुएं से बाहर आई. महिला का कहना था कि उसका पति घर से बाहर जाते समय दरवाजे पर ताला लगा देता था. पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि नाराज पत्नी ने कुएं में छलांग लगा दी. पीछे-पीछे पहुंचे पति ने उसे बचाने के लिए रस्सी डाली, लेकिन महिला बाहर आने को तैयार नहीं हुई. उसकी जिद थी कि पहले पति सबके सामने माफी मांगे, तभी वह कुएं से बाहर आएगी. काफी देर तक चले इस घटनाक्रम के बाद पति ने ग्रामीणों के सामने हाथ जोड़कर माफी मांगी.



इसके बाद महिला कुएं से बाहर आई. मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के इस मामले में महिला की नाराजगी की वजह घर के दरवाजे पर ताला लगाने की आदत बताई जा रही है.पति ने डाली रस्सी, लेकिन बाहर आने को तैयार नहीं हुई पत्नीयह मामला शिवपुरी जिले के दिनारा थाना क्षेत्र के ग्राम सहरिया का बताया जा रहा है. जानकारी के मुताबिक, पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था. इसी दौरान नाराज महिला कुएं में कूद गई. पत्नी को कुएं में जाते देख पति भी उसके पीछे पहुंचा और उसे सुरक्षित निकालने के लिए रस्सी डाल दी. महिला ने रस्सी पकड़ ली, लेकिन बाहर आने से इनकार कर दिया. इस बीच घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुटने लगे. महिला को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए कुएं में रस्सी के सहारे खटिया डालने की व्यवस्था भी की गई इसके बावजूद वह अपनी बात पर अड़ी रही,कुएं से बाहर आने के लिए महिला ने पति के सामने शर्त रख दी. उसका कहना था कि जब तक पति ग्रामीणों के सामने उससे माफी नहीं मांगेगा, वह बाहर नहीं आएगी. मौके पर मौजूद लोग उसे समझाने में लगे रहे, लेकिन महिला अपनी बात पर कायम रही. आखिरकार पति को ग्रामीणों के सामने हाथ जोड़कर पत्नी से माफी मांगनी पड़ी. इसके बाद महिला कुएं से बाहर आने के लिए तैयार हुई. इस पूरे घटनाक्रम के दौरान ग्रामीणों की निगाहें कुएं पर टिकी रहीं. हालांकि, महिला को बाहर निकालने में कितना समय लगा और मौके पर सुरक्षा के क्या इंतजाम किए गए, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है.घर के दरवाजे पर ताला लगाने से नाराज थी महिलामहिला ने अपनी नाराजगी की वजह बताते हुए कहा कि जब भी उसका पति घर से बाहर जाता था, वह दरवाजे पर ताला लगा देता था. इसी बात को लेकर वह नाराज थी. बताया जा रहा है कि इसी विवाद के बाद महिला ने यह कदम उठाया दिनारा थाना प्रभारी सुधीर कुशवाहा के मुताबिक, अभी तक इस मामले में पुलिस को कोई शिकायत नहीं मिली है. शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी. फिलहाल यह घटना गांव में चर्चा का विषय बनी हुई है. घरेलू विवाद के बीच महिला का कुएं में कूदना गंभीर जोखिम वाला कदम था.

अवध यूनिवर्सिटी के सीनियर प्रफेसर यौन उत्पीड़न के आरोप में सस्पेंड, रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में कमेटी कर रही जांच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर और अर्थशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार श्रीवास्तव (57) को यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद निलंबित कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग की 5 छात्राओं और उनके अभिभावकों ने कुलपति से मिलकर उनके खिलाफ लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में छात्राओं ने प्रोफेसर पर आपत्तिजनक तरीके से स्पर्श करने और अश्लील बातें करने के आरोप लगाए हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की है। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के अनुसार, छात्राओं और उनके अभिभावकों की शिकायत मिलने के बाद तत्काल जांच शुरू कराई गई। शिकायतकर्ताओं ने प्रोफेसर के व्यवहार को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। कुलपति ने बताया कि आर्थिक रूप से कमजोर एक छात्रा ने भी गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच समिति ने छात्राओं और संबंधित प्रोफेसर के बयान दर्ज किए। इसके बाद समिति की प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर शुक्रवार, 9 अक्टूबर को डॉ. श्रीवास्तव को निलंबित करने की कार्रवाई की गई।



विश्वविद्यालय प्रशासन के मुताबिक, डॉ. श्रीवास्तव वरिष्ठ प्रोफेसर होने के कारण कई विभागों के समन्वय और विभिन्न समितियों की जिम्मेदारियों से जुड़े रहे हैं। वह फाइन आर्ट विभाग के समन्वयक भी थे। इस विभाग की कक्षाएं अर्थशास्त्र विभाग की इमारत में संचालित होती हैं। कुलपति ने बताया कि प्रोफेसर के खिलाफ पहले भी शिकायतें मिली थीं, जिसके बाद उन्हें फाइन आर्ट विभाग के समन्वयक पद से हटा दिया गया था। जानकारी के अनुसार, मौजूदा मामला पिछले सप्ताह से विश्वविद्यालय प्रशासन के संज्ञान में था। छात्राओं और उनके अभिभावकों ने कुलपति से सीधे मुलाकात कर शिकायत पर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद जांच की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। विश्वविद्यालय प्रशासन अब समिति की जांच और उसके निष्कर्षों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगा। दूसरी ओर, निलंबित प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों और कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि उन्हें आरोपों के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई और न ही अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर मिला। उन्होंने दावा किया कि निलंबन की कार्रवाई जल्दबाजी में की गई है और इससे उनकी 25 वर्षों की सेवा पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रोफेसर ने आरोपों को अपने खिलाफ साजिश बताते हुए कहा कि कुछ दिन पहले उन्होंने फाइन आर्ट विभाग की कुछ छात्राओं को कक्षा में जाने को लेकर डांटा था। उनके अनुसार, इसी घटना को आधार बनाकर शिकायत कराई गई। उन्होंने यह भी दावा किया कि फाइन आर्ट विभाग की एक शिक्षिका ने छात्राओं को उनके खिलाफ शिकायत करने के लिए उकसाया। प्रोफेसर ने कहा कि उन्हें फोन पर धमकी भी मिली थी, जिसकी जानकारी उन्होंने कुलपति और पुलिस को दी थी। फिलहाल विश्वविद्यालय की जांच समिति मामले से जुड़े आरोपों, छात्राओं के बयानों और प्रोफेसर के पक्ष की पड़ताल कर रही है। छात्राओं की शिकायतों में लगाए गए आरोपों की अंतिम पुष्टि जांच के निष्कर्षों के आधार पर होगी। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से आगे की कार्रवाई जांच रिपोर्ट के आधार पर किए जाने की बात कही गई है।

दूसरी शादी के बाद भी परेशान कर रहा था पूर्व प्रेमी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर की ललितपुर कॉलोनी में बुधवार रात एक महिला ने अपने पूर्व प्रेमी धर्मेंद्र प्रजापति पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, दोनों करीब ढाई साल तक संपर्क में रहे थे, लेकिन बाद में महिला ने दूसरी शादी कर ली। इसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ने की बात सामने आई है। जानकारी के मुताबिक, धर्मेंद्र प्रजापति ललितपुर कॉलोनी में किराये के मकान में रहता है। महिला के पहले पति की मौत के बाद दोनों एक-दूसरे के संपर्क में आए थे। करीब ढाई साल तक उनके बीच संबंध रहे। कुछ समय पहले महिला ने दूसरी शादी कर ली। आरोप है कि इसके बाद धर्मेंद्र महिला के नए पति को दोनों से जुड़े ऑडियो और वीडियो भेजने लगा। इससे महिला के वैवाहिक जीवन में विवाद होने लगा और वह लगातार परेशान रहने लगी बताया जा रहा है कि बुधवार रात महिला धर्मेंद्र के घर पहुंची। वहां दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो बाद में मारपीट में बदल गई। इसी दौरान महिला ने धर्मेंद्र पर चाकू से कई वार कर दिए। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। पुलिस पूछताछ में महिला ने बताया कि वह धर्मेंद्र की हरकतों से परेशान थी और उसे समझाने के लिए उसके घर गई थी, लेकिन वहां विवाद बढ़ गया। महिला ने यह आरोप भी लगाया कि धर्मेंद्र ने पहले उस पर गोली चलाई थी। हालांकि, इस दावे और दोनों के बीच पहले हुए विवादों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है।

छतरपुर में पर्ची निकालकर इलाज करने वाले बाबा पैर के पास सांप देखते ही हुए बेहोश, अस्पताल में कराना पड़ा भर्ती

अजयपार धाम के बाबा करण कुशवाहा के साथ रात में हुई घटना से समर्थकों में मची हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में अजयपार धाम के बाबा करण कुशवाहा के साथ रात के समय अचानक ऐसी घटना हुई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। बताया जा रहा है कि बाबा के पैरों के पास अचानक सांप पहुंच गया और इसी दौरान उनका पैर सांप पर पड़ गया। अचानक हुई इस घटना से वह घबरा गए और बेहोश हो गए। उनकी तबीयत बिगड़ने पर समर्थक उन्हें तत्काल छतरपुर के क्रिश्चियन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उनका इलाज किया। कुछ घंटे तक निगरानी में रखने के बाद हालत सामान्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उपलब्ध जानकारी में सांप के काटने की पुष्टि नहीं हुई है। जानकारी के अनुसार, छतरपुर जिले के कैड़ी गांव में अजयपार धाम के नाम से धार्मिक दरबार लगता है। यहां बाबा करण कुशवाहा भक्तों से मिलते हैं और पर्ची निकालकर इलाज करने के दावों को लेकर चर्चा में रहते हैं। स्थानीय स्तर पर उनके दरबार की तुलना बागेश्वर धाम से भी की जाती है। बाबा के दरबार में अपनी समस्याएं लेकर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की मौजूदगी के कारण यह स्थान आसपास के क्षेत्रों में जाना जाता है।



बताया जा रहा है कि रात के समय बाबा के पैरों के पास अचानक सांप आ गया। इसी दौरान उनका पैर सांप पर पड़ने से वह घबरा गए। घटना के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह बेहोश हो गए। आसपास मौजूद लोगों को जब इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने उन्हें अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। बाबा को छतरपुर के क्रिश्चियन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी जांच कर उपचार शुरू किया। कुछ घंटे बाद उनकी हालत सामान्य होने पर उन्हें छुट्टी दे दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद कोतवाली पुलिस की टीम भी अस्पताल पहुंची। थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बाबा का हालचाल जाना। इस दौरान अस्पताल में बाबा के समर्थकों और उन्हें देखने पहुंचे लोगों की भीड़ जुटने की जानकारी सामने आई। अचानक हुई घटना के कारण उनके अनुयायियों में चिंता बनी हुई थी। सभी को बाबा की तबीयत सामान्य होने और अस्पताल से छुट्टी मिलने की खबर का इंतजार था। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद बाबा करण कुशवाहा ने अपने भक्तों को अपनी तबीयत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब वह स्वस्थ हैं और अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। उन्होंने समर्थकों से घबराने की जरूरत नहीं होने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि उनका दरबार पहले की तरह लगता रहेगा। उनकी ओर से स्वास्थ्य की जानकारी दिए जाने के बाद समर्थकों को राहत मिली। इस घटना के बाद बाबा की तबीयत को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में सांप के काटने की पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि बेहोशी की वजह केवल घबराहट थी या कोई अन्य चिकित्सकीय कारण। फिलहाल अस्पताल में उपचार के बाद बाबा को छुट्टी मिल चुकी है और उन्होंने अपने भक्तों को स्वस्थ होने की जानकारी दी है।

4250 रुपए की सैलरी वाले सरपंच के घर में खड़ी स्कॉर्पियों के तहखाना में मिले 1.29 करोड़, बिना नंबर की है यह गाड़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में एक सरपंच के घर खड़ी बिना नंबर की नई स्कॉर्पियो-एन कार से 1 करोड़ 29 लाख रुपये नकद बरामद होने का मामला सामने आया है। शामगढ़ थाना क्षेत्र के बरखेड़ा उदा गांव में पुलिस ने कार्रवाई कर यह रकम जब्त की। बताया जा रहा है कि नकदी कार की बॉडी में विशेष रूप से बनाए गए गुप्त खानों में छिपाकर रखी गई थी। पुलिस ने मौके से सरपंच भवानीशंकर मीणा समेत 3 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें उत्तर प्रदेश के रहने वाले मोहम्मद इस्लाम और सूर्य प्रकाश भी शामिल हैं। पूछताछ के दौरान तीनों नकदी के स्रोत को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दे सके। जानकारी के अनुसार, मंदसौर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बरखेड़ा उदा गांव के सरपंच भवानीशंकर मीणा के घर उत्तर प्रदेश के 2 व्यक्ति बिना नंबर की काले रंग की स्कॉर्पियो-एन लेकर पहुंचे हैं। कार घर के पीछे



बने बाड़े में खड़ी है। सूचना में कार में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से अर्जित रकम होने की आशंका भी जताई गई थी। इसके बाद पुलिस की विशेष टीम ने सरपंच के निवास पर दबिश दी। पुलिस को मौके पर बिना नंबर की स्कॉर्पियो-एन कार और 3 व्यक्ति मिले। पूछताछ में नकदी के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस तीनों को कार सहित शामगढ़ थाने ले आई। इसके बाद वाहन की गहन तलाशी लेने के लिए मैकेनिक को बुलाया गया। मैकेनिक की मदद से कार की बॉडी के विभिन्न हिस्सों की जांच की गई। इस दौरान भीतर विशेष रूप से बनाए गए गुप्त खानों से भारी मात्रा में नकदी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, कार से कुल 1 करोड़ 29 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं। इसके अलावा करीब 20 लाख रुपये कीमत की स्कॉर्पियो-एन को भी जब्त किया गया है। अब जांच का मुख्य बिंदु यह है कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई, इसका वास्तविक स्रोत क्या है और नकदी को कार में छिपाकर कहां ले जाया जाना था। पुलिस बरामद रकम और वाहन से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। मामले में आयकर विभाग को भी सूचना दिए जाने की बात कही गई है, ताकि नकदी के स्रोत और उससे जुड़े वित्तीय पहलुओं की जांच हो सके। फिलहाल पुलिस तीनों व्यक्तियों से पूछताछ कर रही है। बरामद रकम के संबंध में दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में सरपंच को मिलने वाले मानदेय को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है। दी गई जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश में सरपंच को 4250 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता है।

महिला के बैग और पर्स की गुप्त जेबों से निकला 2.604 किलो मेथाम्फेटामाइन

महानगर मेट्रो ब्यूर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। भोपाल के इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) पर दिल्ली से बेंगलुरु जा रही यात्री बस में सवार एक महिला के सामान से 2.604 किलोग्राम मेथाम्फेटामाइन बरामद की गई है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 2.08 करोड़ रुपये बताई गई है। प्रारंभिक जांच में प्रतिबंधित पदार्थ की पहचान मेथाम्फेटामाइन के रूप में हुई है। कार्रवाई के बाद महिला को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि ड्रग्स कहां से लाई गई थी और इसे बेंगलुरु में किसे सौंपा जाना था। जानकारी के अनुसार, डीआरआई अधिकारियों को इनपुट मिला था कि अंतरराज्यीय यात्री बसों के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी की जा रही है। इस सूचना के आधार पर अधिकारियों ने निगरानी बढ़ाई और दिल्ली से बेंगलुरु जा रही बस को भोपाल के आईएसबीटी पर रुकवाया। इसके बाद टीम ने बस में यात्रा कर रही संदिग्ध महिला यात्री को नीचे उतारकर उसके सामान की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बैग और हैंडपर्स में छिपाकर रखा गया प्रतिबंधित पदार्थ बरामद हुआ। अधिकारियों की जांच में सामने आया कि महिला ने अपने यात्रा बैग की गुप्त जेब में 1,885 ग्राम मादक पदार्थ छिपा रखा था। इसके अलावा उसके हैंडपर्स की गुप्त जेब से 719 ग्राम पदार्थ बरामद किया गया। दोनों जगहों से मिली खेप का कुल वजन 2,604 ग्राम यानी 2.604 किलोग्राम निकला। प्रारंभिक फील्ड टेस्ट में पदार्थ के मेथाम्फेटामाइन होने की पुष्टि हुई। एजेंसी के अनुसार, जब्त खेप की अनुमानित अंतरराष्ट्रीय बाजार कीमत करीब 2.08 करोड़ रुपये है। बताया जा रहा है कि तस्करी के इस तरीके में सामान्य यात्रा सामान के भीतर गुप्त जेबों का इस्तेमाल किया गया था, ताकि तलाशी के दौरान मादक पदार्थ आसानी से नजर न आए। हालांकि, महिला ने यह खेप किससे प्राप्त की और इसके पीछे किसी संगठित गिरोह की भूमिका है या नहीं, इसकी पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। डीआरआई ने महिला को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया है। अब उससे पूछताछ कर खेप के स्रोत, परिवहन की व्यवस्था और संभावित खरीदारों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जांच एजेंसी यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि महिला अकेले काम कर रही थी या उसके पीछे कोई बड़ा तस्करी नेटवर्क सक्रिय था। जांच का एक अहम पहलू यह भी है कि दिल्ली से बेंगलुरु तक के सफर में भोपाल को किस तरह इस्तेमाल किया जा रहा था और खेप को अंतिम गंतव्य तक पहुंचाने की क्या योजना थी। महिला के यात्रा विवरण, बरामद सामान और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच के जरिए संभावित संपर्कों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल डीआरआई की कार्रवाई के बाद मामले की जांच जारी है। बरामद पदार्थ की पहचान और तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं पर आगे की जांच की जाएगी।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (शुक्रवार)
16 अक्टूबर 2026

जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की लिस्ट से हटाए जाने पर सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन के लिए तय जगह के रूप में हटाए जाने को चुनौती दी गई है। शीर्ष कोर्ट, जंतर-मंतर को विरोध-प्रदर्शन की आधिकारिक जगह के दर्जे से हटाने से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहा था।



याचिका पर अपनी बात रखते हुए, पूर्व जज और वरिष्ठ वकील मुक्ता गुप्ता ने तर्क दिया कि विरोध-प्रदर्शन की जगह ऐसी होनी चाहिए, जहां प्रदर्शनकारियों की बात जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंच सके। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि बात सुनी जाने के अर्थ को तकनीक के नजरिए से भी समझा जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं की ओर से दायर एक याचिका पर भारतीय निर्वाचन आयोग और अन्य को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस याचिका पर चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी से जवाब मांगा है। अदालत ने SIR में कथित अनियमितताओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकालने की याचिका पर राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और अन्य लोगों को भी नोटिस जारी किया। शीर्ष कोर्ट ने 13 याचिकाकर्ताओं में से एक के बर्ताव पर कड़ी आपत्ति जताई, जिन्होंने चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के SIR (मतदाता सूची पुनरीक्षण) को संचालित करने के तरीके को चुनौती दी थी। सोमवार को राहुल गांधी की ओर से निकाले गए मार्च पर टिप्पणी करते हुए सर्वोच्च अदालत ने कहा कि हम कोई अलग-थलग दुनिया में नहीं बैठे हैं।

दिल्ली में प्रदूषण घटाने की तैयारी तेज, पुरानी गाड़ियों पर कार्रवाई से आजीविका का संकट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए दिल्ली क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत तैयारियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम के पहले चरण में वर्ल्ड बैंक 150 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता देगा। पांच साल की इस योजना में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने, करीब 1,000 स्थानों पर चार्जिंग ढांचा विकसित करने, इलेक्ट्रिक बसों का विस्तार करने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर कार्रवाई करने जैसे कदम प्रस्तावित हैं। हालांकि, पुरानी गाड़ियों पर कार्रवाई के साथ कम आय वाले वाहन चालकों की आजीविका बचाना भी बड़ी चुनौती होगी। वर्ल्ड बैंक की पर्यावरण एवं सामाजिक प्रणाली आकलन रिपोर्ट में कार्यक्रम से जुड़े पर्यावरणीय और सामाजिक जोखिमों को गंभीर श्रेणी में रखा गया है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने कार्यक्रम के मसौदे पर आम लोगों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। योजना का उद्देश्य प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों पर नियंत्रण के साथ स्वच्छ परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देना है। इसके तहत इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने और चार्जिंग सुविधाओं का विस्तार करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। साथ ही प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी प्रस्ताव है रिपोर्ट में कहा गया है कि पुरानी और अधिक प्रदूषण फैलाने वाली गाड़ियों पर कार्रवाई का असर ऑटो-रिक्शा, टैक्सी, डिलीवरी वाहनों और छोटे मालवाहक वाहन चलाने वाले कम आय वर्ग के लोगों पर पड़ सकता है। ऐसे लोगों के लिए पुरानी गाड़ी की जगह नया वाहन खरीदना आर्थिक रूप से मुश्किल हो सकता है। इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने की लागत और सरकारी सब्सिडी तक सभी जरूरतमंदों की समान पहुंच सुनिश्चित करना भी चुनौती रहेगी। इसे देखते हुए रिपोर्ट में इलेक्ट्रिक वाहन नीति के प्रभाव का हर साल आकलन करने, जरूरतमंद वाहन चालकों को लक्षित सहायता देने और कार्रवाई से पहले पर्याप्त सूचना उपलब्ध कराने की सिफारिश की गई है। इसके अलावा जांच प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने तथा शिकायत और अपील के लिए सुलभ व्यवस्था तैयार करने पर भी जोर दिया गया है, ताकि प्रदूषण नियंत्रण के उपायों से प्रभावित लोगों को अपनी बात रखने का अवसर मिल सके। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में पीएम 2.5 प्रदूषण का करीब दो-तिहाई हिस्सा शहर के बाहर के स्रोतों से आता है। वहीं, स्थानीय प्रदूषण में सड़क और निर्माण स्थलों की धूल की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत, परिवहन क्षेत्र की 19 प्रतिशत, नगर निगम के कचरे की सात प्रतिशत और उद्योगों की छह प्रतिशत बताई गई है। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि राजधानी में प्रदूषण कम करने के लिए स्थानीय स्तर पर कदम उठाने के साथ आसपास के क्षेत्रों से आने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण करना भी जरूरी है।



नवंबर के आखिर तक आएगी पीजी पॉलिसी, दो पोर्टल से जुटेगा छात्रों सुविधाओं का डेटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। नवंबर के आखिर तक आएगी पीजी पॉलिसी, दो पोर्टल से जुटेगा छात्रों और सुविधाओं का डेटा दिल्ली विश्वविद्यालय में केवल 4' विद्यार्थियों को मिलती है छात्रावास सुविधा, सरकार इसे बढ़ाकर 15 से 20' करने पर कर रही विचार; छात्रों की जरूरतों और पीजी में उपलब्ध सुविधाओं के आधार पर तैयार होगी नीतिनई दिल्ली। दिल्ली में पेइंग गेस्ट (पीजी) में रहने वाले विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर आवास सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने पीजी पॉलिसी तैयार करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। सरकार नवंबर के आखिर तक नीति लाने की तैयारी में है। इसके लिए दो पोर्टल विकसित किए जा रहे हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों की आवास संबंधी जरूरतों और पीजी में उपलब्ध सुविधाओं का डेटा जुटाया जाएगा। दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद के अनुसार, दोनों पोर्टल अगले 10 दिनों में शुरू किए जाने की तैयारी है। जरूरत पड़ने पर नीति को दिसंबर के पहले सप्ताह तक भी लाया जा सकता है।मंत्री ने बताया कि पहला पोर्टल दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से शुरू किया जाएगा। इसके जरिए पता लगाया जाएगा कि कितने विद्यार्थी पीजी में रह रहे हैं और कितने विद्यार्थियों को ऐसी आवास सुविधा की जरूरत है। दूसरा पोर्टल दिल्ली विश्वविद्यालय और नगर निगम मिलकर तैयार करेंगे। इसके माध्यम से पीजी संचालकों से कमरों की उपलब्धता, बुनियादी सुविधाओं और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं से संबंधित जानकारी जुटाई जाएगी। दोनों पोर्टल से मिलने वाले आंकड़ों के आधार पर सरकार आवास की वास्तविक मांग और मौजूदा सुविधाओं के बीच अंतर का आकलन कर सकेगी।दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रावास सुविधा बढ़ाने की तैयारीसरकार दिल्ली विश्वविद्यालय में छात्रावास की सुविधा का दायरा बढ़ाने पर भी विचार कर रही है। आशीष सूद के मुताबिक, विश्वविद्यालय में फिलहाल करीब 4 प्रतिशत विद्यार्थियों को ही छात्रावास की सुविधा मिल पाती है, जबकि सरकार इसे बढ़ाकर 15 से 20 प्रतिशत तक ले जाना चाहती है। मंत्री ने कहा कि दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में परिसर के भीतर विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था को अधिक महत्व दिया जाता है। ऐसे में दिल्ली विश्वविद्यालय में भी छात्रावास की उपलब्धता बढ़ाने की जरूरत है।इसके लिए नए पाठ्यक्रम शुरू करने की अनुमति से आवास सुविधाओं को जोड़ने की व्यवस्था पर भी विचार किया जा रहा है।



पत्रकारों की हिरासत और मारपीट का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, दिल्ली पुलिस पर गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 10 और 11 अक्टूबर को हुए प्रदर्शनों की रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों को कथित तौर पर हिरासत में लेने, उनके साथ मारपीट करने और खबर जुटाने से रोकने का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। पत्रकार संगठनों ने याचिकाएं दाखिल कर घटनाओं की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कथित रूप से जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। याचिकाओं में लगाए गए आरोपों ने प्रेस की स्वतंत्रता और प्रदर्शन स्थलों पर पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए हैं।दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स की ओर से दाखिल याचिका में आरोप लगाया गया है कि प्रदर्शन की रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकारों को घटनास्थलों से जबरन हटाया गया और उन्हें वीडियो बनाने तथा जानकारी जुटाने से रोका गया। याचिका के अनुसार, कुछ पत्रकारों के फोन, कैमरे और माइक्रोफोन भी ले लिए गए।



महिला पत्रकारों ने कथित तौर पर अनुचित तलाशी और शारीरिक दुर्व्यवहार की शिकायतें की हैं। पत्रकार संगठन ने इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराने और पत्रकारों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की मांग की है। पीआईबी कार्ड दिखाने के बावजूद हिरासत में लेने का आरोपयाचिका में दावा किया गया है कि 10 अक्टूबर को कुछ पत्रकारों ने प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के पहचान पत्र दिखाए, इसके बावजूद उन्हें हिरासत में लिया गया। आरोप है कि उन्हें हिरासत में लेने का कारण भी स्पष्ट नहीं किया गया। पत्रकार संगठनों ने इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा है कि समाचार संकलन के दौरान पत्रकारों को अपना काम करने से रोकना और उनके उपकरणों को जब्त करना प्रेस की स्वतंत्रता से जुड़े गंभीर मुद्दे हैं।कमेटी टू प्रोटेक्ट जर्नलिस्ट्स की रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया है कि इन 2 दिनों के दौरान दिल्ली में कम से कम 35 पत्रकारों को हिरासत में लिया गया। हालांकि, हिरासत में लिए गए पत्रकारों की संख्या और घटनाओं से जुड़े आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। केरल पत्रकार संघ ने भी मांगी स्वतंत्र जांचकेरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स की दिल्ली इकाई ने भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर कथित घटनाओं की स्वतंत्र और समयबद्ध जांच कराने की मांग की है। यह याचिका संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दाखिल की गई है। इसमें 10 और 11 अक्टूबर को प्रदर्शनों की रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकारों के साथ कथित मारपीट और दुर्व्यवहार का मुद्दा उठाया गया है।दिल्ली इकाई के सचिव डॉ. डी. धनसुमोद के माध्यम से दाखिल याचिका में कहा गया है कि इन घटनाओं से पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्र रूप से समाचार संकलन करने के अधिकार को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा होती हैं। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(क) और 21 के तहत मिले मौलिक अधिकारों का भी उल्लेख किया गया है। संगठन ने कथित घटनाओं के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है।प्रेस की स्वतंत्रता और पत्रकारों की सुरक्षा पर सवालपत्रकार संगठनों का कहना है कि प्रदर्शन या किसी अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम की रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों को बिना उचित आधार के हिरासत में लेना और उनके काम में बाधा डालना गंभीर विषय है। उन्होंने घटनाओं की जांच के साथ यह भी मांग की है कि भविष्य में ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए पत्रकारों की सुरक्षा के स्पष्ट इंतजाम किए जाएं।फिलहाल, याचिकाओं में लगाए गए आरोपों और पत्रकार संगठनों की मांगों पर न्यायिक प्रक्रिया के तहत विचार किया जाना है। घटनाओं में कथित दुर्व्यवहार की वास्तविक परिस्थितियां, हिरासत के आधार और संबंधित अधिकारियों की भूमिका जांच के निष्कर्षों तथा अदालत में सामने आने वाले तथ्यों से स्पष्ट होगी।

राहुल गांधी के आचरण पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी, खड़गे, अखिलेश और महुआ समेत कई नेताओं को नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। चुनाव आयोग की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को लेकर विपक्षी नेताओं के सुप्रीम कोर्ट तक मार्च और इस दौरान हुई कथित अव्यवस्था का मामला अदालत पहुंच गया है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने राहुल गांधी के आचरण पर सवाल उठाते हुए उनसे स्पष्टीकरण मांगा। अदालत ने इस मामले में राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि न्यायपालिका पर किसी भी तरह का दबाव स्वीकार नहीं किया जा सकता। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि वह याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण के बारे में जानना चाहती है। अदालत ने मार्च और उसके दौरान हुई कथित अव्यवस्था को लेकर राहुल गांधी से अपनी मंशा स्पष्ट करने को कहा। मामले में राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है। हालांकि, नोटिस जारी होने का अर्थ



आरोपों की पुष्टि होना नहीं है। मामले में आगे की स्थिति संबंधित पक्षों के जवाब और अदालत के विचार के बाद स्पष्ट होगी। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 12 अक्टूबर 2026 को राहुल गांधी ने इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं और वोट चोरी के आरोपों को लेकर मार्च किया था। यह मार्च कनॉट प्लेस से शुरू हुआ और इसमें प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत कई विपक्षी नेता शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान हंगामे की स्थिति बनने की बात सामने आई थी। राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े फैसलों को चुनौती देते हुए संयुक्त याचिका भी दाखिल की थी। विपक्षी नेताओं ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे रोकने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। इसी बीच एसआईआर में कथित अनियमितताओं को लेकर इंडिया गठबंधन और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की ओर से दाखिल याचिकाओं पर भी सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है। अदालत ने इन मामलों को पहले से लंबित संबंधित मामलों के साथ जोड़ने की बात कही है। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में हुई घटना का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि अदालत के भीतर जो कुछ हुआ, वैसा नहीं होना चाहिए था। उनके अनुसार, करीब 200 वकीलों ने एक बयान पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें वकीलों को कथित तौर पर डराने-धमकाने की कोशिशों को लेकर चिंता जताई गई है। इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि न्यायपालिका को कोई डरा-धमका नहीं सकता। सुनवाई के दौरान यह भी कहा गया कि अदालत को राजनीतिक जुलूसों और दबाव की परिस्थितियों में उलझाना उचित नहीं है। पीठ ने संकेत दिया कि बाहर होने वाली गतिविधियों और बयानों से वह अनजान नहीं है। मामले में अदालत की टिप्पणी न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा बनाए रखने और कथित घटनाओं पर जवाबदेही तय करने के संदर्भ में आई है।

रेलवे स्टेशन परिसर में दो राउंड फायरिंग, एक व्यक्ति की मौत; पुरानी रंजिश की आशंका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

उल्हासनगर। मुंबई से सटे उल्हासनगर रेलवे स्टेशन परिसर में गुरुवार को गोलीबारी की घटना से हड़कंप मच गया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने दो राउंड फायरिंग की, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान हरीश गजवानी के रूप में बताई जा रही है। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस को शुरुआती जांच में वारदात के पीछे पुरानी रंजिश होने की आशंका है।



गोलीबारी की सूचना मिलते ही विठ्ठलवाड़ी पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। स्टेशन परिसर में अचानक हुई फायरिंग के बाद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और हमलावरों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, पुलिस इस बात की भी पड़ताल कर रही है कि गोलीबारी किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे क्या वजह थी। फिलहाल आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस जांच के बाद ही घटना का पूरा घटनाक्रम स्पष्ट हो सकेगा। मुंबई। एक अन्य मामले में शादी के करीब सात महीने बाद 21 वर्षीय युवक को अपनी पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पर दहेज के लिए पत्नी को प्रताड़ित करने और दूसरी महिला से कथित संबंधों का विरोध करने पर उसके साथ मारपीट करने के आरोप हैं। आरोपी की पहचान शेख तौहीद शेख वाहिद के रूप में हुई है, जो अकोला जिले के शिरगांव का रहने वाला है। मालवणी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया था। इसके दो दिन बाद स्थानीय अदालत ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, महिला ने प्रेम संबंध के बाद वाहिद से शादी की थी। सितंबर में मालवणी इलाके में अपने परिवार के घर पर उसकी मौत हो गई। मामले में मृतका की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि अगस्त में महिला को अपने पति के दूसरी महिला के साथ कथित संबंधों के बारे में पता चला था। इसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ा और आरोपी उस पर कथित तौर पर मारपीट करने लगा। पुलिस इन आरोपों की जांच कर रही है।

ठाणे में सुबह-सुबह 3 दुकानों में लगी भीषण आग, घंटों की मशक्कत के बाद दमकल ने पाया काबू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में गुरुवार तड़के आग लगने की घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घोड़बंदर रोड पर हिल क्रेस्ट सोसायटी के पास स्थित 3 दुकानों में अचानक आग भड़क उठी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में दुकानों में रखा सामान इसकी चपेट में आ गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग और आपदा प्रबंधन की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, हालांकि तीनों दुकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। जानकारी के अनुसार, 15 अक्टूबर को सुबह करीब 4 बजकर 21 मिनट पर दमकल विभाग को आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद दमकलकर्मियों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया। क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी के मुताबिक, आग 3 कारोबारी प्रतिष्ठानों में लगी थी। इनमें एक लेजर कटिंग सेवा इकाई और



सिरेमिक के घरेलू सामान तथा टाइल बेचने वाली 2 दुकानें शामिल थीं। आग की चपेट में आने से दुकानों में रखे सामान और अन्य संपत्ति को नुकसान पहुंचा। रिहायशी इमारत के नजदीक आग लगने के कारण इसे आसपास फैलने से रोकना भी जरूरी था। दमकल विभाग और आपदा प्रबंधन की टीमों ने मिलकर कार्रवाई की और सुबह करीब 5:30 बजे तक आग पर काबू पा लिया। इसके बाद मौके पर स्थिति का जायजा लिया गया। नुकसान कितना हुआ है, इसका विस्तृत आकलन होना बाकी है। फिलहाल आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि आग किन परिस्थितियों में लगी और इसके फैलने की वजह क्या रही। महाराष्ट्र में लगातार सामने आ रही आग की घटनाएं चिंता बढ़ा रही हैं। इससे एक दिन पहले, 14 अक्टूबर को नालासोपारा के वसई लिंक रोड स्थित इम्पीरियल हाइट्स इमारत की 14वीं मंजिल पर आग लग गई थी। आधी रात के करीब लगी आग के बाद इमारत में धुआं फैल गया और लोगों के बीच अफरा-तफरी मच गई। उस हादसे में फाल्गुनी शाह (50) और अश्विनी पारकर (50) की मौत हो गई थी। आशंका जताई गई कि दोनों की जान धुएं के कारण दम घुटने से गई, हालांकि मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगी। घटना में 6 अन्य लोग घायल हुए थे, जिन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। ठाणे की घटना में समय रहते दमकल की टीमों के पहुंचने और आग पर काबू पाने से किसी की जान जाने की सूचना नहीं है। हालांकि, तीन कारोबारी प्रतिष्ठानों में आग से हुए नुकसान ने दुकानदारों की चिंता बढ़ा दी है। अब जांच के बाद ही आग लगने के कारणों और नुकसान की वास्तविक स्थिति सामने आ सकेगी।

पूरा मुंब्रा हरा करना है' कहने वाली सहर शेख के पिता युनुस शेख की शिंदे की शिवसेना में एंट्री

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। महाराष्ट्र की राजनीति में मुंब्रा एक बार फिर चर्चा में है। 'पूरा मुंब्रा हरा करना है' वाले बयान से सुर्खियों में आईं एआईएमआईएम की पार्षद सहर शेख के पिता युनुस शेख एकनाथ शिंदे की शिवसेना से जुड़ी इकाई में शामिल हो गए हैं। उन्हें कलवा-मुंब्रा विधानसभा क्षेत्र में केबल ऑपरेटरों से जुड़ी केबल सेना का अध्यक्ष बनाया गया है। एक ओर युनुस शेख की



नई जिम्मेदारी को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं, तो दूसरी ओर उनकी बेटी सहर शेख के अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रमाणपत्र को चुनौती दिए जाने का मामला भी चर्चा में है। युनुस शेख को शिवसेना के ठाणे स्थित पदाधिकारियों की ओर से नियुक्ति दी गई है। बताया जा रहा है कि यह जिम्मेदारी पार्टी प्रमुख एकनाथ शिंदे के निर्देश पर सौंपी गई। नियुक्ति पत्र में भी इसका उल्लेख होने की बात सामने आई है। हालांकि, युनुस शेख ने अपने इस कदम को सीधे तौर पर राजनीतिक प्रवेश मानने से इनकार किया है। युनुस शेख ने कहा कि वह पिछले करीब 40 वर्षों से केबल ऑपरेटर के रूप में काम कर रहे हैं। उनके मुताबिक, अखिल भारतीय केबल सेना केबल कारोबार से जुड़े लोगों के हितों के लिए काम करती है और इसी संगठन के तहत उन्हें कलवा-मुंब्रा क्षेत्र के केबल ऑपरेटरों की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने इसे कारोबारी क्षेत्र से जुड़ी भूमिका बताते हुए कहा कि उनकी नियुक्ति को राजनीतिक प्रवेश के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने एकनाथ शिंदे के काम की प्रशंसा भी की। हालांकि, शिवसेना से जुड़ी इकाई में पद मिलने के बाद उनके इस कदम के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। इसकी एक वजह युनुस शेख का पुराना राजनीतिक जुड़ाव है। वह कई वर्षों तक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता जितेंद्र आव्हाड के साथ काम कर चुके हैं। पिछले महानगरपालिका चुनाव में उनकी बेटी सहर शेख को उस पार्टी से टिकट नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने बेटी को एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव लड़ाने का फैसला किया। सहर शेख ने ठाणे महानगरपालिका चुनाव में मुंब्रा के वार्ड नंबर 30 से एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। जीत के बाद आयोजित सभा में उन्होंने जितेंद्र आव्हाड पर निशाना साधा था। चुनाव में संबंधित वार्ड से शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। इसी नतीजे को लेकर सहर ने सार्वजनिक सभा में 'कैसा हराया' कहकर आव्हाड पर तंज कसा था। इसके बाद उनका 'पूरा मुंब्रा आने वाले समय में हरा करना है' वाला बयान भी चर्चा में आया। बयान को लेकर राजनीतिक बहस हुई और सहर शेख सुर्खियों में आ गईं। अब उनके पिता को शिंदे की शिवसेना से जुड़ी इकाई में जिम्मेदारी मिलने के बाद मुंब्रा के राजनीतिक समीकरणों को लेकर नए सवाल उठने लगे हैं। युनुस शेख की नई जिम्मेदारी के बीच उनकी बेटी सहर शेख के पार्षद पद से जुड़ा मामला भी महत्वपूर्ण हो गया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट की कार्यकर्ता सिद्दीकी फराह शबाब अहमद ने सहर शेख और उनके पिता युनुस शेख के ओबीसी प्रमाणपत्रों को चुनौती देते हुए शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि चुनाव के लिए सरकारी व्यवस्था को गुमराह कर गलत तरीके से प्रमाणपत्र हासिल किए गए।

जिटल अरेस्ट ठगी में 27 लाख गंवा चुकी दिल्ली की बुजुर्ग महिला को महाराष्ट्र साइबर ने बचाया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। डिजिटल अरेस्ट के नाम पर साइबर ठगी के बढ़ते मामलों के बीच महाराष्ट्र साइबर विभाग की सतर्कता से दिल्ली की 74 वर्षीय महिला को बड़ी आर्थिक क्षति से बचा लिया गया। महिला पहले ही साइबर ठगों के खाते में करीब 27 लाख रुपये ट्रांसफर कर चुकी थी। ठग उससे और रकम ऐंठने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन समय रहते महाराष्ट्र साइबर की तकनीकी जांच से मामले का पता चल गया। इसके बाद दिल्ली पुलिस को सूचना देकर महिला को ठगी के जाल से बाहर निकाला गया और उसकी बाकी जमा पूंजी ठगों के हाथों में जाने से बच गई। महाराष्ट्र साइबर विभाग के मुताबिक, यह मामला छत्रपति संभाजीनगर की एक 74 वर्षीय महिला से करीब 3 करोड़ रुपये की डिजिटल अरेस्ट ठगी की जांच के दौरान सामने आया। महाराष्ट्र साइबर की टीम इस मामले में स्थानीय पुलिस की मदद कर रही थी। जांच के दौरान ठगी की रकम के लेनदेन और उससे जुड़े बैंक खातों की पड़ताल की जा रही थी। इसी प्रक्रिया में एक अन्य महिला के साथ हो रही ठगी का सुराग मिला। पुलिस के



अनुसार, 3 करोड़ रुपये की ठगी से जुड़े एक म्यूल बैंक खाते में करीब 89 लाख रुपये के लेनदेन की जानकारी सामने आई। म्यूल खाते ऐसे बैंक खाते होते हैं, जिनका इस्तेमाल साइबर अपराधी ठगी की रकम को एक जगह से दूसरी जगह भेजने के लिए करते हैं। जांच के दौरान इसी खाते में यूको बैंक के माध्यम से एक अन्य व्यक्ति की ओर से 14 लाख रुपये का नया आरटीजीएस लेनदेन भी सामने आया। महाराष्ट्र साइबर की तकनीकी टीम ने इस लेनदेन की जांच शुरू की और बैंक से संबंधित खाताधारक की पहचान से जुड़ी जानकारी मांगी। बैंक से मिली केवाईसी जानकारी के आधार पर पता चला कि रकम भेजने वाली महिला दिल्ली की रहने वाली है। जांच में यह भी सामने आया कि महिला डिजिटल अरेस्ट के नाम पर साइबर ठगों के संपर्क में थी और अब तक करीब 27 लाख रुपये गंवा चुकी थी। मामले का पता चलने के बाद महाराष्ट्र साइबर विभाग ने 13 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस को अलर्ट किया। सूचना मिलने पर दिल्ली पुलिस ने महिला का पता लगाया और उससे संपर्क कर ठगी की स्थिति को समझा। समय रहते हस्तक्षेप किए जाने से महिला को ठगों के प्रभाव से बाहर निकालने में मदद मिली। पुलिस के मुताबिक, महिला की बाकी जमा पूंजी को ठगों के हाथों में जाने से बचा लिया गया। इस मामले में दिल्ली पुलिस की ओर से प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। महाराष्ट्र साइबर विभाग ने लोगों से अपील की है कि डिजिटल अरेस्ट के नाम पर आने वाली कॉल से सावधान रहें। साइबर ठग अक्सर खुद को पुलिस, जांच एजेंसी या अन्य सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को कानूनी कार्रवाई और गिरफ्तारी का डर दिखाते हैं। इसके बाद वीडियो कॉल के जरिए निगरानी में रखने का दावा कर उनसे पैसे ट्रांसफर करवाने की कोशिश करते हैं।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री बढ़कर 4.55 लाख इकाई हुई

नई दिल्ली ।

देश में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर 21.8 प्रतिशत बढ़कर 4,54,574 इकाई हो गई। उद्योग संगठन सियाम ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सितंबर 2025 में थोक बिक्री 3,73,347 इकाई रही थी। सियाम के अनुसार दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री पिछले महीने 13.5 प्रतिशत बढ़कर 24.63 लाख इकाई हो गई, जबकि सितंबर 2025 में यह 21.70 लाख इकाई थी। वहीं सितंबर में तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 98,162 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 84,635 इकाई थी।

सुनील मित्तल ने स्टारलिंक से पहले की वनवेब के लिए मंजूरी की मांग

- भारती चेयरमैन ने वनवेब के 5 साल पुराने आवेदन का हवाला दिया

नई दिल्ली ।

भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने भारत में सैटेलाइट संचार सेवाओं के लिए यूटेलसैट वनवेब (यूसीएल) को एलन मस्क की स्टारलिंक से पहले मंजूरी देने की जोरदार वकालत की है। उन्होंने तर्क दिया कि वनवेब ने पांच साल पहले आवेदन किया था और उसका जमीनी एवं उपग्रह नेटवर्क तैयार है, इसलिए उसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यह बयान एलन मस्क द्वारा भारतीय उद्यमियों पर स्टारलिंक के प्रवेश में बाधा डालने के आरोप लगाए जाने के कुछ ही दिन बाद आया है, जिससे भारत के सैटकॉम बाजार में एक नई बहस छिड़ गई है। ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम 2026 में एक परिचर्चा के दौरान सुनील भारती मित्तल ने कहा कि वनवेब का जमीनी नेटवर्क पिछले तीन साल से और उपग्रह पिछले पांच साल से भारत के ऊपर मौजूद हैं, बावजूद इसके उन्हें अभी तक ज़रूरी अनुमति नहीं मिली है। उन्होंने उम्मीद जताई कि वनवेब को स्टारलिंक से कुछ दिन पहले ही मंजूरी मिल जाएगी। मित्तल का यह बयान स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क द्वारा एक्स पर रिलायंस इंडस्ट्रीज और जियो पर स्टारलिंक के प्रवेश को रोकने का आरोप लगाने के बाद आया है। मस्क ने कामकाज शुरू करने के बावजूद मंजूरी में देरी पर सवाल उठाए थे। स्पेसएक्स में स्टारलिंक बिजनेस ऑपरेशंस की वाइस प्रेसिडेंट लॉरेन ड्रेयर ने 7 अक्टूबर को बताया था कि कंपनी ने भारत में पिछले पांच वर्षों में 20 गेटवे और सैकड़ों एंटीना के साथ अपना परिचालन तैयार कर लिया है और सेवा शुरू करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हालांकि, संचार मंत्रालय ने मस्क के आरोपों को बेबुनियाद और गलतफहमी पर आधारित बताते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी सैटकॉम कंपनी को विशेष प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। मंत्रालय ने ज़ोर दिया कि सभी कंपनियों के लिए एक निष्पक्ष और समान प्रक्रिया अपनाई जा रही है। अन्य मुद्दों पर बात करते हुए मित्तल ने आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) के तेज़ी से विकास को देखते हुए इसके नियमन की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि सरकारें तकनीकी प्रगति के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रही हैं।

एआई से भारत की क्षमता बढ़ेगी, जीडीपी में होगा उछाल- ब्लूमबर्ग

जीडीपी में 0.9 फीसदी का इजाफा संभव; 3-5 साल में दिखेंगे बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

ब्लूमबर्ग इकनॉमिक्स के मुख्य अर्थशास्त्री टॉम ओरलिक का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) भारत में नौकरियों को विस्थापित करने के बजाय कार्यबल की क्षमता को बढ़ाएगा। नई दिल्ली में ब्लूमबर्ग न्यू इकॉनमी फोरम में भारतीय नीति-निर्माताओं और आईटी उद्योग प्रतिनिधियों के साथ चर्चा के आधार पर ओरलिक ने कहा कि एआई-संचालित उत्पादकता में वृद्धि से भारत की सालाना सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में 0.9 प्रतिशत अंक तक का इजाफा संभव है। इन सकारात्मक प्रभावों से अच्छी आय वृद्धि और बढ़ी हुई खपत अगले तीन से पांच साल में देखी जा सकेगी। ओरलिक ने भारत के बड़े बाजार, युवा कार्यबल और बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश जैसे मजबूत संरचनात्मक लाभों को रेखांकित किया। ओरलिक ने स्पष्ट किया कि एआई यदि लोगों की काम करने की क्षमता बढ़ाता है तो जीडीपी में वृद्धि होगी, लेकिन यदि यह कर्मचारियों की जगह लेता है तो नौकरियां घट सकती हैं। भारत अपनी आईटी कंपनियों की नई तकनीक को कारोबार में शामिल करने की विशेषज्ञता के कारण इस बदलाव के लिए बेहतर स्थिति में है। हालांकि, ईरान युद्ध से बढ़ती तेल कीमतें, अमेरिका में एआई डेटा सेंटरों में पूंजी का प्रवाह, और अल नीनो जैसे कुछ निकट अवधि के जोखिम भी मौजूद हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1533 , निफ्टी 374 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), बैंकिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सहित कई प्रमुख क्षेत्रों के शेयरों में आज जोरदार खरीदारी रही। हालांकि, बाजार की इस समग्र उछाल के बावजूद, कई शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,533.72 अंक की बढ़त के साथ 74,315.61 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 374.65 अंक बढ़कर 22,997.35 के स्तर पर जा पहुंचा। बाजार की इस जोरदार रिकवरी में दिग्गज सेक्टरों ने मुख्य भूमिका निभाई। ऑटो, आईटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑयल एंड गैस, प्राइवेट बैंक और रियल्टी इंडेक्स में एक फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गई, जिन्होंने सूचकांकों को ऊपर खींचने में अहम योगदान दिया। इन क्षेत्रों में आई खरीदारी ने बाजार के सेंटीमेंट को सकारात्मक बनाए रखा। इसके विपरीत, सभी क्षेत्रों में एक समान उत्साह नहीं दिखा। मीडिया और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1 से 1.5 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। वहीं, ब्रॉडर मार्केट का रुख मिला-जुला रहा, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.3



फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.2 फीसदी टूटकर बंद हुए। दिन के कारोबार में, कुल 1,497 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,536 शेयरों में गिरावट आई और 148 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे स्पष्ट होता है कि तेजी कुछ चुनिंदा शेयरों तक ही सीमित थी। आज के कारोबार में टेक और बैंकिंग दिग्गजों ने सूचकांक को ऊपर खींचने में सबसे बड़ा योगदान दिया। निफ्टी के प्रमुख चढ़ने वाले शेयरों में टेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और बीएसई लिमिटेड शामिल थे। दूसरी तरफ, नेस्ले इंडिया, ट्रेंट, अडानी एंटरप्राइजेज, जियो फाइनेंशियल और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कुछ बड़े नाम बिकवाली के दबाव के चलते लाल निशान में बंद हुए।

रुपया बढ़त पर बंद हुआ

मुंबई ।



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारती रुपया गुरुवार को 27 पैसे की बढ़त के साथ ही 94.90 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह कारोबारी दिन स्पया 31 पैसे मजबूत होकर 94.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों के मुता बिक भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विदेशी मुद्रा बाजार में किए जा रहे संरचनात्मक हस्तक्षेप और नकदी सख्त करने के उपायों से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.95 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद यह और मजबूत होकर 94.86 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 31 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को 19 पैसे मजबूत होकर 95.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.54 फीसदी की गिरावट के साथ 101.99 पर आ गया।

योगी सरकार का राहत भरा फैसला, अब 52 रुपये में मिलेगी चीनी

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बढ़ती चीनी की कीमतों से आम जनता को राहत दिलाने के लिए एक अहम कदम उठाया है। सरकार ने अब रियायती दर पर चीनी की बिक्री शुरू की है, जिसके तहत उपभोक्ता खुले बाजार में 65 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रही चीनी को मात्र 52 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीद सकते हैं। इस पहल की शुरुआत राजधानी लखनऊ से हुई है, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर जल्द ही प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को चीनी उद्योग व गन्ना विकास विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आमजन को राहत देने का निर्देश दिया था। लखनऊ में उपभोक्ता लाल बहादुर शास्त्री गन्ना किसान संस्थान परिसर में स्थित चीनी निगम व सहकारी चीनी मिल संघ के विक्रय केंद्र से इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यहां 1 किलो और 2 किलो के पैकेट क्रमशः 52 और 102 रुपये में उपलब्ध हैं, जबकि 5 किलो का पैकेट 250 रुपये और 50 किलो का पैकेट 2500 रुपये में मिलेगा। सहकारी चीनी मिल संपूर्णानगर की चीनी थोड़ी सस्ती है, जहां 1 किलो 51 रुपये में उपलब्ध है। यह बिक्री प्रत्येक कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। गन्ना विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि त्योहारों और नई चीनी की आवक में देरी के कारण दामों में तेजी बरकरार रहने की आशंका को देखते हुए यह बिक्री कुछ दिनों तक जारी रहेगी। गौरतलब है कि इससे पहले प्याज के दामों में तेजी आने पर भी सरकार ने मोबाइल वैन के जरिए 30 रुपये प्रति किलो प्याज बेचकर जनता को राहत दी थी।

प्रत्यक्ष कर संग्रह में बंपर उछाल, 13.38 लाख करोड़ के पार पहुंचा राजस्व

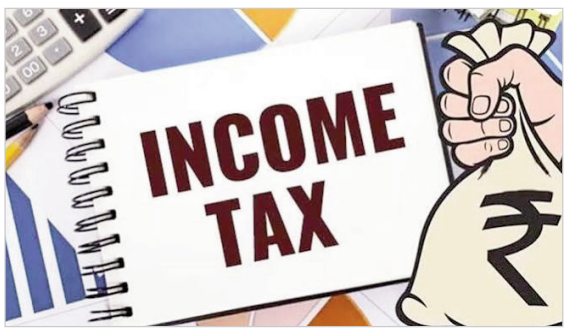
14 अक्टूबर तक के आंकड़ों में कॉरपोरेट और गैर-कॉरपोरेट टैक्स में भी मजबूत बढ़त

नई दिल्ली ।

भारत के प्रत्यक्ष कर संग्रह ने चालू वित्त वर्ष (2026-27) में 14 अक्टूबर तक 13.38 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 13.21 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है।

आयकर विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, यह वृद्धि देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी और बेहतर कर अनुपालन का स्पष्ट संकेत है। आयकर विभाग के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 14 अक्टूबर तक कुल प्रत्यक्ष कर संग्रह 13,37,866.98 करोड़ रुपए दर्ज किया गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 11,81,786.98 करोड़ रुपए था। इस दौरान सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह भी 14.89 फीसदी बढ़कर 16,03,066.12 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले 13,95,278.39 करोड़ रुपए था। हालांकि, टैक्स रिफंड में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इस अवधि में रिफंड 24.22 फीसदी बढ़कर 2,65,199.14 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जबकि पिछले साल यह 2,13,491.41 करोड़ रुपए था। रिफंड में इस तेज बढ़ोतरी के बावजूद प्रत्यक्ष कर संग्रह में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि बरकरार रही। कॉरपोरेट टैक्स संग्रह में भी बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है।

14 अक्टूबर तक शुद्ध कॉरपोरेट टैक्स संग्रह 5,99,062.48 करोड़ रुपए रहा, जबकि पिछले वर्ष की समान



अवधि में यह 4,96,798.62 करोड़ रुपए था। इसी तरह, गैर-कॉरपोरेट टैक्स (जिसमें व्यक्तियों, एचयूएफ और फर्मों द्वारा जमा किया गया कर शामिल है) का शुद्ध संग्रह बढ़कर 6,91,965.71 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष 6,53,804.16 करोड़ रुपए था।

शेयर बाजार में लेनदेन पर लगने वाले सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) में भी शानदार उछाल आया है। एसटीटी संग्रह बढ़कर 46,840.43 करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 30,901.81 करोड़ रुपए था। यह दर्शाता है कि अर्थव्यवस्था के सभी प्रमुख क्षेत्रों से राजस्व संग्रह में सकारात्मक वृद्धि जारी है।

अनजान कॉल पर दिखेगा असली नाम, सरकार ने कॉलर आईडी अनिवार्य की

- 1 नवंबर 2026 से लागू होगा सीएनएपी

नई दिल्ली । अगर आप भी अनजान नंबरों और फर्जी कॉल्स से परेशान हैं, तो आपके लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। भारत सरकार ने यूज़र्स के लिए कॉलर नेम प्रेजेंटेशन (सीएनएपी) सिस्टम को अनिवार्य कर दिया है। इसके तहत, 1 नवंबर से आपके फोन पर अनजान नंबर से आने वाली कॉल के साथ-साथ कॉलर का सत्यापित नाम भी दिखाई देगा, जिससे धोखाधड़ी पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। दूरसंचार विभागने टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स को 1 नवंबर तक सीएनएपी लागू करने का निर्देश दिया है। यह भारत का एक वेरिफाइड कॉलर आइडेंटिफिकेशन सिस्टम है, जो कॉल करने वाले का नंबर और नाम दिखाएगा।

विभाग के आदेश के अनुसार, 4जी और उससे अगली पीढ़ी के मोबाइल नेटवर्क (जैसे 5जी) पर सभी यूज़र्स के लिए सीएनएपी डिफ़ॉल्ट रूप से इनेबल रहेगा। जब आपको कोई कॉल आएगी, तो स्क्रीन पर सबसे पहले कॉल करने वाले का नंबर दिखेगा। अगर नंबर आपके कॉन्टैक्ट्स में सेव नहीं है, तो घरेलू कॉल के मामले में कॉल करने वाले का वह नाम दिखाया जाएगा जो टेलीकॉम ऑपरेटर के सब्सक्राइबर डेटाबेस में दर्ज है। अंतर्राष्ट्रीय कॉल के मामले में स्क्रीन पर इंटरनेशनल कॉल लिखा हुआ दिखाई देगा। प्रत्येक टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर को सब्सक्राइबर्स के नाम और नंबरों वाला एक डेटाबेस बनाना, चलाना और मेंटेन करना होगा। कॉल प्राप्त करने वाला ऑपरेटर इस डेटाबेस से नाम प्राप्त कर यूजर को दिखाएगा। ऑपरेटर्स को सिक्योरिटी-बाय-डिजाइन दृष्टिकोण का पालन करना होगा, जिसके तहत इनकमिंग कॉल खत्म होने के बाद कॉलर का नाम सेव करके नहीं रखा जा सकेगा। जिन यूजर्स ने कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन रिस्ट्रिक्शन (सीएलआईआर) सुविधा ले रखी है, उनका नाम नहीं दिखाया जाएगा।

पारस हेल्थकेयर का आईपीओ 21 को खुलेगा

- मूल्य दायरा 660-693 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली ।

पारस हेल्थ ब्रांड के तहत अस्पतालों का संचालन करने वाली पारस हेल्थकेयर लिमिटेड 21 अक्टूबर को अपना 1,450 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाएगी। इसके लिए मूल्य दायरा 660-693 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। गुरुवार को जारी सार्वजनिक घोषणा के अनुसार तीन दिन का यह सार्वजनिक निर्गम 23 अक्टूबर को बंद होगा, जबकि बड़े (एंकर) निवेशक 19 अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। प्रस्तावित आईपीओ 500 करोड़ रुपये के नए शेयर और 950 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। गुरुग्राम स्थित कंपनी ने पहले प्रस्तावित 1,800 करोड़ रुपये के मुकाबले निर्गम का आकार घटा दिया है। पारस हेल्थकेयर नए शेयर से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए करेगी। कंपनी पारस हेल्थ ब्रांड के तहत आठ अस्पतालों का संचालन करती है। इसकी मौजूदगी पांच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में है। कंपनी का शेयर 28 अक्टूबर को बाजार में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

बोट का श्रीलंका और भूटान में विस्तार, अंतर्राष्ट्रीय राजस्व दो गुना से अधिक बढ़ा

नई दिल्ली ।

प्रमुख ऑडियो और वियरेबल ब्रांड बोट ने श्रीलंका और भूटान में अपने कारोबार का विस्तार किया है। इस रणनीतिक कदम से कंपनी का अंतरराष्ट्रीय राजस्व वित्त वर्ष 2025-26 में दो गुना से अधिक हो गया है, जो व्यक्तिगत ऑडियो उत्पादों, स्मार्टवॉच और चार्जिंग समाधानों के साथ इन नए बाजारों में उसकी मजबूत पैठ को दर्शाता है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि वह स्थानीय उपभोक्ताओं की पसंद, संबंधित उत्पाद श्रेणियों में अवसरों और बाजार की प्रतिक्रिया के आधार पर इन देशों में अपने उत्पादों का क्रमिक विस्तार करेगी। बोट के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय विस्तार का अर्थ हर बाजार में अलग तरीके से अपनी मौजूदगी बनाना, स्थानीय उपभोक्ताओं को समझना और उत्पादों को उनकी जरूरतों के अनुरूप ढालना है। यह विस्तार दक्षिण-पूर्व एशिया और खाड़ी



सहयोग परिषद (जीसीसी) क्षेत्र में बोट की अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति को और मजबूत करता है। बोट ने वित्त वर्ष 2025-26 में अपने वियरेबल उपकरणों का कारोबार मुनाफे में आ गया। चार्जिंग समाधानों सहित नई उत्पाद श्रेणियों ने मुख्य ऑडियो कारोबार से आगे भी मुनाफे के बढ़ते अवसरों में योगदान दिया।

जियो का 30,213 करोड़ का आईपीओ 21 अक्टूबर से

बाजार में भारी तेजी की उम्मीद

रिलायंस का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम, विदेशी निवेशकों की भी नजर;

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स का बहुप्रतीक्षित आईपीओ 21 अक्टूबर से निवेश के लिए खुलने जा रहा है। कंपनी का लक्ष्य इस निर्गम के जरिए 30,213 करोड़ रुपये जुटाना है। यह देश का अभी तक का सबसे बडा आईपीओ है। कंपनी ने प्रति शेयर 1,065 से 1,119 रुपये का मूल्य दायरा तय किया है, 28 अक्टूबर को शेयर बाजार में इस शेयर की लिस्टिंग संभावित है। जियो के आईपीओ को लेकर शेयर बाजार में उत्साह का माहौल है। रिलायंस समूह की बाजार में मजबूत स्थिति, डिजिटल कारोबार का विस्तार और विदेशी निवेशकों की भागीदारी इसे खास बना रही है। मेटा और गूगल जैसी वैश्विक कंपनियों की जियो में हिस्सेदारी पहले से ही निवेशकों के आकर्षण का प्रमुख कारण है। कंपनी को उम्मीद है, श्रआईपीओ से प्राप्त पूंजी का उपयोग कारोबार विस्तार और वित्तीय स्थिति मजबूत करने में किया जायेगा।आईपीओ से पहले बाजार में तेजी की उम्मीदें बढ़ गई हैं। गुरुवार को शेयर बाजार खोलते ही मुंबई स्टाक एक्सचेंज में 1300 अंक और निफ्टी में 350 अंक से ज्यादा की तेजी देखने को मिली. निवेशकों के बीच चर्चा है, जियो की लिस्टिंग तक बाजार में तेजी का माहौल बना रहेगा। हालांकि, किसी बड़े आईपीओ का आना अपने आप में पूरे बाजार में तेजी की गारंटी नहीं है। पूर्व के इतिहास को देखें तो जब भी रिलायंस समूह का कोई भी शेयर आता है.उस समय बाजार में तेजी देखने को मिलती है. रिलायंस समूह शेयर बाजार का सबसे बड़ा खिलाड़ी है.निर्गम के प्रति निवेशकों की प्रतिक्रिया, विदेशी संस्थागत निवेशकों का रुख, वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां और कंपनियों के वित्तीय नतीजे आने वाले समय में बाजार की दिशा तय करेंगे। रिलायंस समूह से जुड़े बड़े निर्गमों के दौरान निवेशकों का ध्यान संबंधित शेयरों और बाजार की गतिविधियों पर बढ़ जाता है। ऐसे में जियो का शेयर आईपीओ तथा शेयर बाजार को नई गति दे सकता है।

तीन फंड हाउसों ने छह स्कीमों में आईडीसीडब्ल्यू की घोषणा की

पीजीआईएम, सुंदरम, फ्रैंकलिन टेंपलटन की योजनाओं में भुगतान, 16 अक्टूबर तय रिकॉर्ड डेट



नई दिल्ली ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए खबर है कि तीन प्रमुख फंड हाउसेस - पीजीआईएम इंडिया, सुंदरम और फ्रैंकलिन टेंपलटन, ने अपनी कुल छह चुनिंदा योजनाओं में इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) की घोषणा की है। इन भुगतानों के लिए 16 अक्टूबर को रिकॉर्ड तारीख तय की गई है। आईडीसीडब्ल्यू, जिसे पहले लाभांश या डिविडेंड कहा जाता था, निवेशकों को फंड से समय-समय पर भुगतान की सुविधा देता है। सेबी ने अप्रैल 2021 में इसका नाम आईडीसीडब्ल्यू किया, ताकि स्पष्ट हो कि भुगतान में पूंजी का हिस्सा भी हो सकता है, सिर्फ कमाई नहीं। विभिन्न योजनाओं के रेगुलर और डायरेक्ट प्लान के लिए प्रति यूनिट घोषित रकम अलग-अलग है। उदाहरण के लिए, सुंदरम अग्रेसिव हाइब्रिड फंड के रेगुलर प्लान में 0.210 रुपये और डायरेक्ट प्लान में 0.330 रुपये प्रति यूनिट मिलेंगे। यदि किसी निवेशक के पास इस फंड की 10,000 यूनिट हैं, तो उन्हें 2,100 रुपये (21 पैसे प्रति यूनिट) मिलेंगे। फ्रैंकलिन इंडिया कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड के डायरेक्ट प्लान में 0.100 रुपये प्रति यूनिट मिलेगा। यह ध्यान रखना जरूरी है कि घोषित सभी रकम कर कटौती से पहले की हैं, और वास्तविक भुगतान लागू कर नियमों पर निर्भर करेगा। रिकॉर्ड डेट 16 अक्टूबर निर्धारित है, जो यह तय करती है कि कौन से निवेशक आईडीसीडब्ल्यू के हकदार होंगे।

आईडीबीआई बैंक की 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बिक्री को हरी झंडी

- कनाडा इंक बनेगा रणनीतिक खरीदार, सरकार व एलआईसी बेचेंगे 52,878 करोड़ में अपनी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के शेयरों में गुरुवार को 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, क्योंकि सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा बैंक में अपनी कुल 60.72 फीसदी रणनीतिक हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी मिल गई है। फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के समर्थन वाली कनाडा इंक को बैंक के रणनीतिक खरीदार के रूप में चुना गया है।

इस खबर के बीच आईडीबीआई बैंक का शेयर 5 फीसदी से ज्यादा लुढ़ककर 86 रुपए के नीचे आ गया। सुबह 85.90 रुपए पर कारोबार करते हुए शेयर में 5.02 फीसदी की कमजोरी दर्ज की गई। इस सौदे के तहत, केंद्र सरकार अपनी 30.48 फीसदी और एलआईसी अपनी 30.24 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिससे कुल 52,878 करोड़ रुपए जुटेंगे। कनाडा इंक प्रति शेयर 81 रुपए के भाव पर ये हिस्सेदारी खरीदेगी।

सौदे के बाद, सरकार के पास आईडीबीआई बैंक में 15 फीसदी और एलआईसी के पास 19 फीसदी हिस्सेदारी बनी रहेगी। वित्त मंत्रालय ने पुष्टि की कि प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद, दो मूल्यांकन एजेंसियों द्वारा आंके गए औसत 75.99 रुपए के उचित मूल्य से अधिक, 81 रुपए प्रति शेयर की सर्वोच्च बोली को स्वीकार किया गया।



सफल बोलीदाता को अब आरबीआई के सामने अपनी योग्यता का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

मंत्रालय ने इस सौदे को भारतीय अर्थव्यवस्था के वित्तीय क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश बताया है।



रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है सूर्य नमस्कार

दिन की अच्छी शुरुआत करने के लिए सूर्य नमस्कार सबसे अच्छा व्यायाम है। जिस प्रकार 12 राशियां, 12 महीने होते हैं, उसी प्रकार सूर्य नमस्कार भी 12 स्थितियों से मिलकर बना है। कोविड महामारी के समय में आप सूर्य नमस्कार को अपना कर अपनी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकते हैं-

सूर्य नमस्कार का अभ्यास इन 12 स्थितियों में किया जाता है, आइए जानें-

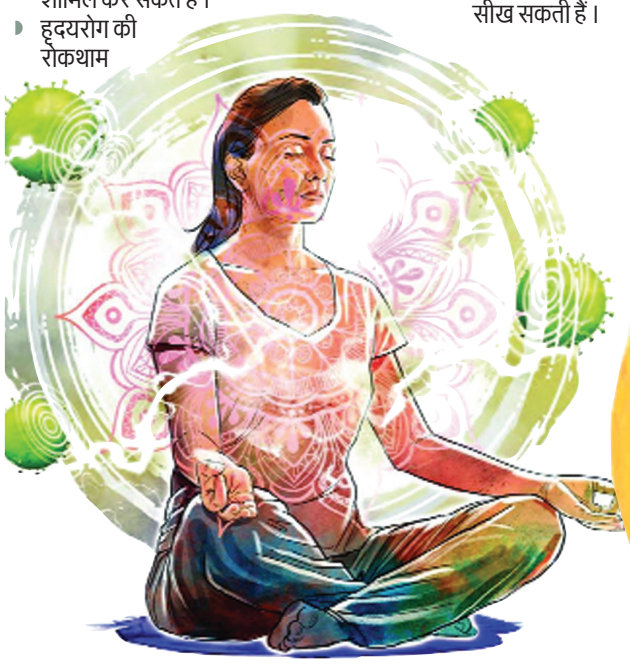
- दोनों हाथों को जोड़कर सीधे खड़े हों। नेत्र बंद करें। ध्यान 'आज्ञा चक्र' पर केंद्रित करके 'सूर्य भगवान' का आह्वान 'ॐ मित्राय नम:' मंत्र के द्वारा करें।
- श्वास भरते हुए दोनों हाथों को कानों से सटाते हुए ऊपर की ओर तानें तथा भुजाओं और गर्दन को पीछे की ओर झुकाएं। ध्यान को गर्दन के पीछे 'विशुद्धि चक्र' पर केन्द्रित करें।
- तीसरी स्थिति में श्वास को धीरे-धीरे बाहर निकालते हुए आगे की ओर झुकाएं। हाथ गर्दन के साथ, कानों से सटे हुए नीचे जाकर पैरों के दाएं-बाएं पृथ्वी का स्पर्श करें। घुटने सीधे रहें। माथा घुटनों का स्पर्श करता हुआ ध्यान नाभि के पीछे 'मणिपूरक चक्र' पर केन्द्रित करते हुए कुछ क्षण इसी स्थिति में रुकें। कमर एवं रीढ़ के दोष वाले साधक न करें।
- इसी स्थिति में श्वास को भरते हुए बाएं पैर को पीछे की ओर ले जाएं। छाती को खींचकर आगे की ओर तानें। गर्दन को अधिक पीछे की ओर झुकाएं। टांग तनी हुई सीधी पीछे की ओर खिंचाव और पैर का पंजा खड़ा हुआ। इस स्थिति में कुछ समय रुकें। ध्यान को 'स्वाधिष्ठान' अथवा 'विशुद्धि चक्र' पर ले जाएं। मुखाकृति सामान्य रखें।
- श्वास को धीरे-धीरे बाहर निष्कासित करते हुए दाएं पैर को भी पीछे ले जाएं। दोनों पैरों की एड़ियां परस्पर मिली हुई हों। पीछे की ओर शरीर को खिंचाव दें और एड़ियों को पृथ्वी पर मिलाने का प्रयास करें। नितम्बों को अधिक से अधिक ऊपर उठाएं। गर्दन को नीचे झुकाकर ठोड़ी को कण्ठकूप में लगाएं। ध्यान 'सहस्रार चक्र' पर केन्द्रित करने का अभ्यास करें।
- श्वास भरते हुए शरीर को पृथ्वी के समानांतर, सीधा साष्टांग दण्डवत करें और पहले घुटने, छाती और माथा पृथ्वी पर लगा दें। नितम्बों को थोड़ा ऊपर उठा दें। श्वास छोड़ दें। ध्यान को 'अनाहत चक्र' पर टिका दें। श्वास की गति सामान्य करें।
- इस स्थिति में धीरे-धीरे श्वास को भरते हुए छाती को आगे की ओर खींचते हुए हाथों को सीधे कर दें। गर्दन को पीछे की ओर ले जाएं। घुटने पृथ्वी का स्पर्श करते हुए तथा पैरों के पंजे खड़े रहें। मूलाधार को खींचकर वहीं ध्यान को टिका दें।
- यह स्थिति - पांचवीं स्थिति के समान
- यह स्थिति - चौथी स्थिति के समान
- यह स्थिति- तीसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - दूसरी स्थिति के समान
- यह स्थिति - पहली स्थिति की भांति रहेगी।

सूर्य नमस्कार की उपरोक्त बारह स्थितियां हमारे शरीर को संपूर्ण अंगों की विकृतियों को दूर करके निरोग बना देती हैं। यह पूरी प्रक्रिया अत्यधिक लाभकारी है। इसके अभ्यासी के हाथों-पैरों के दर्द दूर होकर उनमें सबलता आ जाती है। गर्दन, फेफड़े तथा पसलियों की मांसपेशियां सशक्त हो जाती हैं, शरीर की फालतू चर्बी कम होकर शरीर हल्का-फुल्का हो जाता है। सूर्य नमस्कार के द्वारा त्वचा रोग समाप्त हो जाते हैं अथवा इनके होने की संभावना समाप्त हो जाती है। इस अभ्यास से कब्ज आदि उदर रोग समाप्त हो जाते हैं और पाचनतंत्र की क्रियाशीलता में वृद्धि हो जाती है। इस अभ्यास के द्वारा हमारे शरीर की छोटी-बड़ी सभी नस-नाड़ियां क्रियाशील हो जाती हैं, इसलिए आलस्य, अतिनिद्रा आदि विकार दूर हो जाते हैं।

मेडिटेशन को करें अपने रूटीन में शामिल और पाएं बेहतरीन फायदे

मेडिटेशन को ही ध्यान लगाना कहते है, इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाकर रोजाना करने से कई फायदे होते हैं। अगर अभी तक आपने मेडिटेशन को अपने रूटीन में शामिल नहीं किया है तो, ये 13 फायदे जानने के बाद आप कल से ही इसे अपनी दिनचर्या में शामिल कर लेंगे -

- मेडिटेशन, मन अशांत रहने पर उसके निष्क्रिय पड़े हुए भागों को उपयोग में लाने योग्य बनाता है।
- अनुभव की क्षमता को सूक्ष्म करने की एक प्रक्रिया है ध्यान।
- दि आपको भूलने की आदत है तो ध्यान आपके लिए बहुत उपयोगी है।
- गुस्सैल प्रवृत्ति के लोगों का मन शांत करने में कारगर है भावातीत ध्यान।
- निर्णय न ले पाने वाले भी इसे अपनी जिंदगी में शामिल कर सकते हैं।
- हृदयरोग की रोकथाम के लिए उत्तम औषधि के समान है।
- मन की चंचलता को नियंत्रित करता है।
- दीर्घायु बनाने में इसकी अहम उपयोगिता है।
- शांति, सामर्थ्य, संतोष, शांति, विद्वत्ता और सभी आवश्यकताओं को पूरा करता है भावातीत ध्यान।
- चाहें तो ध्यान के समय कुछ फूल आस-पास रखें, कोई सुगंधित वस्तु का छिड़काव कर दें, अगरबत्ती जला दें।
- रात्रि के भोजन से पहले ही ध्यान के लिए बैठें। प्रात:काल सूर्योदय से पहले ध्यान करें।
- ढीले वस्त्र पहनकर ध्यान करें।
- महिलाएं यदि चाहें तो भावातीत ध्यान किसी शिक्षक के द्वारा भी सीख सकती हैं। चाहें तो मेडिटेशन सेंटर में भी आप इसे सीख सकती हैं।



लाइफस्टाइल बदल डाली तो ऐसे बढ़ेगी इम्युनिटी



इम्युनिटी कमजोर होने में खराब जीवनशैली का बड़ा हाथ है। यह एक सर्वमान्य सत्य है कि शरीर पर बाहरी माइक्रोऑर्गेनिज्म के होने वाले हमलों के खिलाफ इम्यून सिस्टम पहली डिफेंस लाइन मानी जाती है। जितनी तगड़ी इम्युनिटी होगी उतने ही बीमारी पकड़ने के अवसर क्षीण होते जाएंगे। खराब जीवनशैली से इम्यून सिस्टम की डिफेंस में छेद होने लगता है।

खराब जीवनशैली

यदि आपके पास ठीक से खाना खाने और भरपूर नींद लेने का वक्त नहीं हो तो समझ लें कि आपकी जीवनशैली खराब है जो आपके इम्यून सिस्टम को तेजी से कमजोर कर रही है। यह ठीक है कि आधुनिक जीवनशैली में वर्क प्रेशर इतना अधिक है कि उसका शरीर पर खराब असर पड़ रहा है लेकिन प्रेशर रहने के बावजूद भी स्वस्थ रहने के लिए प्रयत्न किया जा सकता है।

कब हुई थीं सालाना जांचे?

30 साल की उम्र हो जाने के बाद शरीर की नियमित जांचें कराना बेहद जरूरी है। इन दिनों अत्यधिक तनाव झेलने के कारण कम उम्र में ही हाई ब्लड प्रेशर अथवा शुगर की बीमारियां जड़ पकड़ लेती हैं। यह देखा गया है कि शुरूआती जांचों में ही कई बार लंबी बीमारियों की जड़ पकड़ में आ जाती है।

टाइम निकालें

खुद के लिए समय निकालें। यदि काम के घंटे फिक्स नहीं हैं तो वर्क स्टेशन को ही वर्कआउट के लिए सेट कर लें। काम के दौरान थोड़ी-थोड़ी देर में ब्रेक लेते रहें और शारीरिक गतिविधियां बढ़ा दें। मसलन आप स्पॉट रनिंग कर सकते हैं, स्ट्रेचिंग कर सकते हैं, वाशरूम तक तेज गति से जाकर वापस आ सकते हैं। वर्क स्टेशन एक्सरसाइज के बारे में जानने के लिए कई वेबसाइट्स हैं जो कई तरह के सॉल्युशन्स उपलब्ध कराती हैं।

पानी कब पिया था?

क्या आपको याद कि अंतिम बार आपने पानी कब पिया था? पानी न सिर्फ हाईड्रेट रखता है बल्कि हाजमा और किडनी दोनों को तंदुरुस्त रखता है। इम्यून सिस्टम ठीक से काम करता रहे इसके लिए जरूरी है कि हाजमा ठीक रहे। मेटॉबॉलिक सिस्टम के बिगड़ते ही शरीर का हर अवयव और उसकी कार्यप्रणाली प्रभावित होती है।

ये बदलाव लाएं जीवनशैली में

लाइफस्टाइल को दुरूस्त कर लेना आपके लिए बिलकुल आसान है लेकिन इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति की जरूरत है। आपको केवल ठान लेना है बाकि सभी चीजें अपने आप ठीक होने लगती हैं। आप इतना तो कर ही सकते हैं कि सुबह जब भी आप उठते हैं, एक गिलास कुनकुना नींबू पानी पीकर दिन की शुरूआत कर सकते हैं। यदि आप रोज देर से उठ रहे हैं तो काम के घंटों के साथ एडजेस्ट कर सकते हैं। नींबू पानी के साथ ताजे आंवले का रस मिल सके तो पी लें नहीं तो बाजार से आंवले के रस का पैक भी खरीद कर रख सकते हैं। संतरे का रस अथवा आंवले के रस से विटामिन सी का तगड़ा डोज सुबह उठते ही मिल जाए तो दिन की अच्छी शुरूआत मानी जा सकती है। अपने भोजन में अदरक और हल्दी को विशेष रूप से शामिल करने का आग्रह करें। इससे असमय सोने के कारण होने वाली एसिडिसी एवं जलन से राहत मिल सकती है।

गोल्डन मिल्क

रात को सोते समय हल्दी मिला हुआ दूध जरूर पिएं। जो लोग रात को जागते रहकर काम करते हैं उन्हें यह दूध खासतौर पर पीना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें जागने के कारण होने वाली समस्याओं से निजात पाने में मदद मिलती है।





एंटीबायोटिक ज्यादा लेने से कमजोर हो सकती है रोग प्रतिरोधक क्षमता

जब भी हमें छोटी-मोटी सेहत समस्या, हल्का सा दर्द व घाव आदि होता है तो हमारा शरीर उसे अपने आप ठीक करने में भी सक्षम होता है। लेकिन कई लोग जरा सी भी परेशानी होने पर अत्यधिक एंटीबायोटिक का सेवन करते हैं। अगर आप भी उन्हीं में से है तो आइए, आपको बताते हैं कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर होने से बचाने के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

- एंटीबायोटिक - हममें से कई लोगों की आदत होती है, एंटीबायोटिक्स दवाओं का अत्यधिक सेवन करना। लेकिन गैरजरूरी समय पर इनका सेवन करने से आपकी प्रतिरोधक क्षमता कम हो सकती है। अत्यधिक जरूरत के समय ही एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करें।
- औषधियां - जब भी आप वायरल या शारीरिक दर्द महसूस करें, ऐसी आयुर्वेदिक या घरेलू औषधि अपने साथ रखें जो प्रतिरोधकता बनाए रखती हैं।
- नींद - पर्याप्त नींद न होना आपके दिमाग और शरीर को बेवजह थकावट देता है और आपकी प्रतिरोधकता भी कम होती है। हर दिन 8 घंटे की नींद आपको स्वस्थ और खुशगवार रखने में सहायक है।
- शुगर - शकर खाने से मनाही नहीं है, लेकिन अतिरिक्त शर्करा से भरे खाद्य पदार्थ जैसे सोडा, एनर्जी ड्रिंक, जूस व अन्य पदार्थों से दूरी बनाएं। यह आपकी सेहत का पूरा हिसाब गड़बड़ कर देंगे, और प्रतिरोधकता में कमी भी।
- धूप है जरूरी - त्वचा को अगर धूप से बचाते हैं, तो विटामिन डी की कमी हो सकती है। बल्कि धूप लेना प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद साबित होता है। इसलिए पर्याप्त धूप लेने का नियम बनाएं।
- जिंक - जिंक की पर्याप्त मात्रा का सेवन भी प्रतिरोध क्षमता को बढ़ाने का एक बेहतरीन विकल्प है। इसके लिए अलग से जिंक की गोलियां खाने के बजाए ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जिनसे आपको नैचुरल जिंक प्राप्त हो।
- पत्तेदार सब्जियां - पत्तेदार सब्जियां या फिर सलाद जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन खूब करें। इनसे प्राप्त होने वाले एंजाइम्स आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में इजाफा करते हैं और हर तरह का पोषण प्रदान करते हैं, जिसकी आपको जरूरत है।

गर्म पानी के साथ लहसुन के फायदे

खाने के स्वाद को बढ़ाने तथा सब्जी व दाल में तड़का लगाने में लहसुन का प्रयोग आप खूब करते हैं। लहसुन जहां भोजन के स्वाद को बढ़ाता है, वहीं इसमें मौजूद पौष्टिक तत्व हमारे शरीर को बीमारियों से लड़ने की ताकत भी देते हैं। लहसुन हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है, जो हमारे शरीर को अंदर से मजबूत रखता है और बीमारियों से लड़ने की ताकत देता है। वहीं अगर हम लहसुन को गर्म पानी के साथ लें तो यह हमारे शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाता है और कई बीमारियों से निपटने की ताकत देता है।

कब्ज की समस्या से राहत

यदि आप कब्ज की समस्या से परेशान हैं तो इससे राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ कच्ची लहसुन का सेवन करें। यह पाचन क्रिया को सही रखने में मदद करता करेगा और कब्ज की समस्या दूर होगी।

एंटी बैक्टीरियल व एंटीवायरल से भरपूर

बदलते मौसम का असर आपकी सेहत पर पड़ता है, वहीं बारिश के दिनों में यदि आप गर्म पानी के साथ लहसुन का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और कई बीमारियों का खतरा कम हो जाता है। इसके साथ-साथ लहसुन में मौजूद बैक्टीरिया में वायरस मारने के गुण हैं। बारिश के दिनों में होने वाले फंगल संक्रमण, फ्लू और संक्रामक बीमारियों के खतरे से भी ये आपके शरीर को बचाए रखेंगे।

ब्लड सर्कुलेशन को करे मेंटेन

गर्म पानी के साथ कच्चे लहसुन का सेवन करने से दिल से जुड़ीं बीमारियों से बचे रहने में मदद मिलती है। यह ब्लड सर्कुलेशन को मेंटेन करके हृदयरोग के खतरे को भी कई गुना तक कम कर सकता है।

गले की खराश से राहत

लहसुन में एंटीइंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो गले की खराश को दूर करता है।



संक्षिप्त समाचार

फीफा-ई फाइनल्स टला, सऊदी अरब पर हमला बना वजह

नई दिल्ली । फीफा और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन ने फीफा-ई फाइनल्स 2026 को टाल दिया है। इवेंट 16 से 25 अक्टूबर तक जेद्दा में होने वाला था। यह फैसला हाल ही में रियाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद लिया गया है। 10 अक्टूबर को सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमले में 12 लोग मारे गए और 309 घायल हो गए। यमन के ईरान से जुड़े हूती मूवमेंट ने रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसे एक दशक से ज्यादा समय में देश का सबसे खतरनाक हमला माना जा रहा है। इवेंट के आयोजक ने एक बयान में कहा, 'यह फैसला इलाके में हाल के डेवलपमेंट और टूर्नामेंट को कराने के लिए जरूरी लॉजिस्टिक इंतजामों पर उनके असर की जांच के बाद लिया गया है।' इसमें कहा गया है कि फीफा-ई फाइनल्स के बारे में आगे की घोषणाएं सही समय पर की जाएंगी। बयान में कहा गया, 'फीफा ने सऊदी अरब और सऊदी ईस्पोर्ट्स फेडरेशन के फीफा-ई फाइनल्स 2026 की तैयारियों में दिए गए सपोर्ट और सहयोग की तारीफ की, जो सऊदी अरब ने टूर्नामेंट के पिछले एडिशन की सफल मेजबानी के आधार पर किया है।'



ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका: ग्रीन के दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट 18 अक्तूबर से शुरू हो रहा है। पहला टेस्ट जीतकर सीरीज में आगे चल रही ऑस्ट्रेलिया की दूसरे टेस्ट से पहले मुश्किलें बढ़ गई है। ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का चोट की वजह से दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय बरकरार है। डरबन टेस्ट में जीत के बाद कोच मैकडोनाल्ड ने ग्रीन की स्थिति पर अपडेट दिया। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि ग्रीन बल्लेबाज के तौर पर बेशक फिट हो जाएं, लेकिन इस सीरीज में उनके गेंदबाजी करने की संभावना बेहद कम है। उन्होंने कहा, ग्रीन अच्छी प्रोग्रेस कर रहे हैं। अगले तीन-चार दिनों में उन्हें कुछ टेस्ट से गुजरना है। सॉफ्ट टिश्यू इंजरी है, इसलिए इसमें तेजी से सुधार भी हो सकता है। जोश ने इस टेस्ट के दौरान लंच टाइम में नेट्स के पीछे कुछ शॉट्स खेले और वह ठीक रहा। अब यह देखना है कि स्प्लिंट के साथ उसे कितना आराम है। गकेबरहा में उनके सेशन होंगे, तब हमें ज्यादा जानकारी मिलेगी। अगर ग्रीन गकेबरहा या केप टाउन टेस्ट के लिए उपलब्ध होते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के सामने मध्य क्रम का संयोजन तलाशने की चुनौती होगी। इसका असर ब्यू वेबस्टर पर पड़ सकता है, जिन्हें अपनी जगह बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। मालूम हो कि अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज में ग्रीन ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल बल्लेबाज थे। ग्रीन की चोट के कारण ही डरबन में ऑस्ट्रेलिया को बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करना पड़ा था। मैट रेनशॉ को नंबर 5 पर भेजा गया और निक मैडिनसन को ट्रेविस हेड के साथ ओपनिंग कराई गई, जिसका फैसला कप्तान पैट कमिंस ने लिया था।

विश्वजीत ने जीता सिल्वर मेडल

लास वेगास । भारतीय पहलवान विश्वजीत रामचंद्र मोरे ने गुरुवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में ग्रीको-रोमन कैटेगरी में भारत के लिए पहला सिल्वर मेडल जीता। अंडर-23 वर्ल्ड लेवल पर दो बार ब्रॉन्ज मेडल जीत चुके मोरे पुरुषों के 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन फाइनल के आखिरी पलों में जॉर्जिया के कोबा कारुमिद्जे से 12-13 से हार गए। मोरे अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो मेडल जीतने वाले भारत के एकमात्र ग्रीको-रोमन पहलवान हैं। वह मंगलवार को अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप में फाइनल तक पहुंचने वाले भारत के पहले ग्रीको-रोमन पहलवान भी बने थे। उन्होंने तीन कड़े मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मेक्सिको के इसाक मारिन माटा को 10-8 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की, जिससे क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला ईरान के अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन आर्मिन शमसीपौर से हुआ। शमसीपौर के कंधे में चोट लग गई थी, और मोरे ने एक 'फोर-पॉइंटर थ्रो' (चार अंक दिलाने वाला दांव) का इस्तेमाल



करते हुए उन्हें 8-1 से हरा दिया। रूस के मलिक गिगिएव के खिलाफ सेमीफाइनल भी काफी रोमांचक रहा, जिसमें दोनों पहलवानों को 'चैलेंज' (रेफरी के फैसले को चुनौती देने का मौका) का फायदा मिला। अंत में मोरे ने 6-4 से जीत दर्ज की। मोरे फाइनल में इस लक्ष्य के साथ उतरे थे कि वह अंडर-23 वर्ल्ड चैंपियनशिप की ग्रीको-रोमन स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय पहलवान बनेंगे। हालांकि, वह फाइनल में जॉर्जिया के पहलवान से हार गए और उनका गोल्ड जीतने का सपना पूरा नहीं हो सका। जॉर्जियाई पहलवान ने भी फाइनल में जगह बनाने के लिए सेमीफाइनल में किर्गिस्तान के बार्सबेक असनकोझोएव को कड़े मुकाबले में हराया था। हालांकि, इससे पहले भारत के अभियान को एक प्रशासनिक बाधा का सामना करना पड़ा था। अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप (लास वेगास) के लिए भारत के नौ पहलवानों (ग्रीको-रोमन और महिला कुश्ती कैटेगरी से) को वीजा नहीं मिला, क्योंकि वे 20 साल से कम उम्र के थे और उनके पास कोई फुल-टाइम नौकरी नहीं थी।

बिग बैश में फिर साथ खेलेंग रिशाद और जम्पा

नई दिल्ली । होबार्ट हरिकेंस ने बिग बैश लीग 16 के लिए बांग्लादेश के लेग-स्पिनर रिशाद हुसैन को टीम के साथ बरकरार रखते हुए अपनी स्पिन गेंदबाजी को मजबूत किया है। टीम उन्हें ऑस्ट्रेलियाई एडम जम्पा के साथ इस्तेमाल करने की तैयारी कर रही है। हुसैन को दोबारा साइन करने से मौजूदा टीम को नए सीजन में एक मजबूत स्पिन कॉम्बिनेशन मिल गया है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने बिग बैश लीग के अपने पहले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। होबार्ट के लिए, जम्पा को शामिल करने के बावजूद हुसैन को वापस लाना एक प्राथमिकता थी। हरिकेन्स के जनरल मैनेजर-हाई परफॉर्मेंस सैलियन बीम्स ने कहा कि फ्रेंचाइजी में लौटने के लिए स्पिनर के उत्साह ने एग्रीमेंट को आसान बनाया। उन्होंने कहा, 'रिशाद ने हमें यह बिल्कुल साफ कर दिया था कि उन्हें पिछले सीजन में होबार्ट में बिताया गया समय बहुत पसंद आया और वे वापस आना चाहते थे। यह निश्चित रूप से हमारे लिए बहुत मायने रखता था। एडम जम्पा के शामिल होने से हमारी लिस्ट थोड़ी अलग हो गई थी, लेकिन जब रिशाद जैसी क्वालिटी का खिलाड़ी हरिकेन्स में लौटने के लिए इतना पक्का इरादा रखता है, तो हम ऐसा करने के हर मौके का फायदा उठाना चाहते थे।'



मारेस्का बोले-हार से सबक लेगी मैनचेस्टर सिटी

मैनचेस्टर । एंजो मारेस्का का कहना है कि यूईएफए चैंपियंस लीग में बुधवार को एतिहाद स्टेडियम में पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) से मिली 4-2 की हार से मैनचेस्टर सिटी सबक लेगी। मैनचेस्टर सिटी को आठ मैचों में पीएसजी के खिलाफ यह पहली हार मिली है। मैनचेस्टर सिटी ने मारेस्का के हवाले से कहा, 'हम बहुत कुछ सीख सकते हैं। भले ही हम यूरोप की सबसे अच्छी टीम के खिलाफ दो गोल खा लें, हमें सही चीजें करने की जरूरत है। मैं खिलाड़ियों से सीखता रहता हूं, क्योंकि मैं तीन महीने पहले ही यहां आया हूं। हम पहला गोल खा लेते हैं और फिर एक मिनट बाद इस तरह की टीम के खिलाफ दूसरा गोल खा लेते हैं। जब आप 0-0 पर हों, तो यह पहले से ही मुश्किल होता है।' उन्होंने आगे कहा, 'दो मिनट में आप दो गोल खा लेते हैं और हमने थोड़ा संतुलन खो दिया, खिलाड़ियों के बीच दूरी रही। हमने संघर्ष किया, लेकिन फिर दूसरे हाफ में हमने बदलाव किए, कुछ एडजस्ट किया और हम बहुत बेहतर थे। सच कहूं तो मुझे पीएसजी के खिलाफ खेलना बहुत पसंद है। दूसरे 45 मिनट में शानदार कोशिश के बावजूद, पहले 45 मिनट में हुए नुकसान ने विजिटर्स को पॉइंट दिलाए।' मारेस्का ने कहा, 'वे बहादुर हैं, मुझे पता है कि वे कैसे दबाव बनाना चाहते हैं। बॉल पर वे डायनेमिक हैं।



क्वार्टर फाइनल से हटे आर्थर, सेमीफाइनल में पहुंचे फोकिना

शंघाई । शंघाई मास्टर्स में आर्थर गेया का बेहतरीन प्रदर्शन चोट की वजह से अचानक रुक गया। गुरुवार को एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले के दौरान उन्हें चोट लगी, जिसके कारण उन्हें मैच बीच में ही छोड़ना पड़ा। सेमीफाइनल में फोकिना का मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव और एलेक्स डी मिनौर के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। फोकिना के खिलाफ मैच शुरू होने के महज 22 मिनट बाद ही गेया को बाहर होना पड़ा। वह दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठे थे और उन्होंने फिजियो को बुलाया, जिसके बाद उन्हें तीन मिनट का मेडिकल टाइमआउट मिला। इसके बाद उन्होंने केवल तीन और प्वाइंट खेले और फिर 1-4 से पीछे रहने पर मैच छोड़ने का फैसला किया। फ्रांस के 21 वर्षीय खिलाड़ी गेया ने मंगलवार को दुनिया के 15वें नंबर के खिलाड़ी जैकब मेन्सिक को 7-6(4), 6-4 से हराकर शंघाई मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। इससे पहले, उन्होंने बेन शेल्टन को हराया था। एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के अनुसार, जुलाई के बाद से गेया ने अपने पिछले 15 टूर-लेवल मैचों में से 13 में जीत हासिल की है।



गेया अपने करियर के पहले एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में हिस्सा ले रहे थे और इस समय दुनिया के 56वें ??नंबर के खिलाड़ी हैं, जो उनके करियर की अब तक की सबसे अच्छी रैंकिंग है। 2026 में उनका प्रदर्शन काफी शानदार रहा है। अगस्त में उन्होंने लॉस काबोस में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता था और इसके बाद वह 'लकी लूजर' के तौर पर यूएस ओपन के चौथे राउंड तक पहुंचे थे। वहीं, पुरुष डबल्स में जैकब श्नाइटर और मार्क वालनर की जोड़ी ने एक बड़ा उलटफेर करते हुए एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। उन्होंने टॉप सीड क्रिश्चियन हैरिसन और नील स्कुपस्की को 7-6(5), 6-3 से हराकर पहली बार मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

रियल मैड्रिड की शानदार जीत, एएस रोमा को 4-3 से हराया

रोम । जोस मोरिन्हो की रियल मैड्रिड ने एएस रोमा के खिलाफ आखिरी 7 मिनट में तीन गोल करते हुए 1-3 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और मुकाबला 4-3 से जीता। 83वें मिनट तक मोरिन्हो की टीम 3-1 से पीछे थी, लेकिन एस्पी, एंड्रिक और रुडिगर ने सिर्फ 8 मिनट में मैच पलट दिया और यूरोप में अपनी दूसरी जीत पक्की कर ली। मैच की शुरुआत तेज रफ्तार से हुई। चौथे मिनट में ही कोर्टोइस को हर्मोसो का शॉट रोकने के लिए शानदार सेव करना पड़ा। 16वें मिनट में रोमा ने बढ़त ले ली, जब डी रून का शॉट उनके ही साथी मालेन से टकराकर दिशा बदलते हुए गोल में चला गया। हालांकि, रोमा की बढ़त सिर्फ 5 मिनट ही रही। 25वें मिनट में किलियन एमबाप्पे ने लॉन्ग-रेंज से शॉट मारा, जो मैनसिनी से डिफ्लेक्ट होकर गोलकीपर गोलिनी को छकाते हुए अंदर चला गया और स्कोर 1-1 हो गया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में दोनों टीमों के पास मौके आए। कुकुरेला छाती से गेंद नियंत्रित कर बॉक्स में घुसे, लेकिन उनका शॉट टारगेट से चूक गया। एक्स्ट्रा टाइम



में बेलिंगहैम का लेफ्ट-फुट शॉट भी थोड़ा वाइड चला गया। दूसरे हाफ में रोमा ने फिर पकड़ बनाई। 51वें मिनट में मालेन ने गोल कर रोमा को 2-1 से आगे कर दिया और 58वें मिनट में उसी मालेन ने अपना दूसरा गोल दागकर स्कोर 3-1 कर दिया।

67वें मिनट में एमबाप्पे ने एक और गोल कर स्कोर 3-2 किया, लेकिन मामूली ऑफसाइड के कारण वीएआर ने उसे खारिज कर दिया। इसके बाद मोरिन्हो की टीम ने ऑल-आउट अटैक शुरू कर दिया। 83वें मिनट में पहला ब्रेकथ्रू मिला। अर्दा गुलर के कॉर्नर पर एंड्रिक ने हेडर मारा, गोलिनी ने उसे रोका, लेकिन रिबाउंड पर एस्पी ने गेंद को जाल में डाल दिया। स्कोर 3-2 हो गया। चार मिनट बाद फिर वही कॉम्बिनेशन–गुलर का कॉर्नर, एंड्रिक का हेडर–इस बार सीधा गोल में चला गया और स्कोर 3-3 हो गया। रियल मैड्रिड यहीं नहीं रुकी। 90वें मिनट में गुलर के एक और कॉर्नर पर एंटोनियो रुडिगर ने एक्रोबैटिक स्ट्राइक से गोल कर दिया। 1-3 से पिछड़ने के बाद मोरिन्हो की टीम ने 4-3 से जीत हासिल की।

इतिहास रचने के करीब मंधाना

133 रन बनाते ही बनाएंगी कीर्तिमान

रायपुर, एजेंसी। भारतीय महिला टीम की नवनियुक्त कप्तान स्मृति मंधाना जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के दौरान इतिहास रच सकती हैं। मंधाना इस टी20 सीरीज से कप्तान के तौर पर नई जिम्मेदारी शुरू करेंगी, लेकिन इस दौरान उनके पास बड़ा कीर्तिमान बनाने का भी मौका होगा। भारतीय सलामी बल्लेबाज मंधाना टी20 क्रिकेट में पांच हजार रन पूरे करने से महज 133 रन दूर हैं। यह ऐसी उपलब्धि होगी जिसे महिला क्रिकेट में अब तक कोई हासिल नहीं कर सका है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज शुक्रवार से शुरू होगी। यह पहला अवसर है जब भारत और जिम्बाब्वे की महिला टीम द्विपक्षीय सीरीज में एक-दूसरे का सामना करेंगी। यह सीरीज जिम्बाब्वे के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। उसकी टीम ने हाल में वेस्टइंडीज को वनडे मैच में हराया था जिससे वह आत्मविश्वास से भरी हुई है। टीम की कप्तानी जोसेफिन नकोमो करेंगी। टी20 मैचों के बाद दोनों टीमें वडोदरा में तीन वनडे मैच खेलेंगी। दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मुकाबले 16, 18 और 20 अक्तूबर को रायपुर में खेले जाएंगे। इसके बाद 23, 25 और 28 अक्तूबर को वडोदरा में तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।



कैसा रहा है मंधाना का टी20 करियर

साल 2013 में अपने अंतरराष्ट्रीय डेब्यू के बाद से मंधाना ने 179 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 31 की औसत और 127.47 के स्ट्राइक रेट से 4,867 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और 37 अर्धशतक शामिल हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की इस सीरीज के दौरान बाएं हाथ की इस बल्लेबाज के पास इस ऐतिहासिक मुकाम को हासिल करने का बेहतरीन मौका होगा। जिम्बाब्वे के खिलाफ भारत को मजबूत शुरुआत दिलाने में शीर्ष क्रम पर मंधाना की निरंतरता बेहद अहम होगी। मंधाना ने हरमनप्रीत कौर से कमान संभाली है, जिन्होंने इस महीने की शुरुआत में आची-नागोया एशियाई खेलों में भारत को सफलतापूर्वक स्वर्ण पदक जिताने के बाद कप्तानी छोड़ दी थी। नई कप्तान अपने साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का नेतृत्व करने का अनुभव लेकर आ रही हैं, जिन्हें उन्होंने दो महिला प्रीमियर लीग के खिताब जिताए हैं। भले ही यह भारत की पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर मंधाना पहली सीरीज होगी, लेकिन वह इससे पहले अंतरिम तौर पर भी राष्ट्रीय टीम की कमान संभाल चुकी हैं।

248 रन भी नहीं बना पाए भारतीय बल्लेबाज! गावस्कर ने बताई टीम इंडिया की कमजोरी

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 24 रन से मिली हार के बाद भारतीय टीम की बल्लेबाजी पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि भारतीय बल्लेबाजों को लक्ष्य का पीछा करते समय अधिक जिम्मेदारी निभानी होगी। संजू सैमसन की शानदार शुरुआत के बावजूद भारतीय टीम 248 रन के लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। गावस्कर ने अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के प्रदर्शन पर भी अपनी राय रखी।

गावस्कर के अनुसार, भारतीय टीम को सबसे पहले लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को जिम्मेदारी लेकर खेलना होगा, तभी टीम को सफलता मिल सकती है। गावस्कर ने जियोस्टार से कहा, 'भारतीय टीम को सबसे पहले लक्ष्य का पीछा करने के अपने तरीके में सुधार करना होगा। भारतीय बल्लेबाजों को अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। अगर बल्लेबाज जिम्मेदारी नहीं निभाएंगे तो भारतीय टीम को सफलता नहीं मिलेगी।'

उन्होंने लगातार दो टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम से उसी अंदाज में दबदबा बनाने की उम्मीद जताई। गावस्कर ने कहा, 'भारतीय बल्लेबाजों को इस तरह से दबदबा बनाना होगा जैसा कि लगातार दो टी20 विश्व कप जीतने वाली टीम को करना चाहिए लेकिन इस मैच में इसकी जरा सी भी झलक देखने को नहीं मिली।' भारतीय टीम को संजू सैमसन ने तेज अर्धशतक लगाकर अच्छी शुरुआत दिलाई थी। उन्होंने 56 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर से बल्लेबाज इस शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके। गावस्कर ने इसी बात पर निराशा जताई। उन्होंने कहा, 'संजू ने



भारत को शानदार शुरुआत दी, लेकिन बाकी बल्लेबाज इसका बिल्कुल भी फायदा नहीं उठा पाए। अभिषेक शर्मा ने खराब पारी खेली। उनके स्तर के हिसाब से यह स्वीकार्य नहीं है। ईशान किशन भी कीमो पॉल के जाल में पूरी तरह फंस गए। श्रेयस अय्यर शतक बनाने के बाद लय बरकरार नहीं रख पाए हैं।' गावस्कर की इस टिप्पणी से साफ है कि उनके अनुसार, बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय सिर्फ एक या दो बल्लेबाजों का योगदान पर्याप्त नहीं है। शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों को अपनी भूमिका निभानी होगी।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 247 रन बनाए। हालांकि, गावस्कर ने भारतीय गेंदबाजों को पूरी तरह जिम्मेदार ठहराने से परहेज किया। उनका मानना है कि टीम के गेंदबाज अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अनुभव हासिल कर रहे हैं और इस तरह के मुकाबलों से उन्हें सीखने का मौका मिलेगा। गावस्कर ने कहा, 'मैं जानता हूं कि गेंदबाजी खराब रही है, लेकिन ये गेंदबाज अनुभवी नहीं हैं। वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नए हैं और उन्हें इसी तरह से सीख मिलेगी।'

अर्शदीप हुए चोटिल

वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चोटिल हो गए थे। अर्शदीप के कंधे पर गेंद लगी थी और वह बल्लेबाजी भी जारी नहीं रख सके थे। अब विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने उनकी फिटनेस पर अपडेट दिया है। पांच मैचों की सीरीज अभी 2-2 से बराबरी पर है और बंगलूरू में होने वाले सीरीज के निर्णायक मुकाबले के लिए सैमसन ने कहा है कि भारतीय टीम पूरी तरह से जोश से भरी हुई है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि अर्शदीप समय पर फिट हो जाएंगे बुधवार को भारत की पारी के आखिरी ओवर में शमार जोसेफ की एक तेज शॉर्ट-पिच गेंद सीधे अर्शदीप के कंधे पर आ लगी। इस जोरदार प्रहार से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज को काफी दर्द हुआ, जिसके बाद फिजियो को तुरंत मैदान पर आकर उनकी स्थिति की जांच करनी पड़ी। भारत को अंतिम ओवर में जीत के लिए आखिरी विकेट शेष रहते 35 रनों की दरकार थी। इस ओवर में जोसेफ ने अर्शदीप के खिलाफ बाउंसरों की झड़ी लगा दी। इनमें से एक गेंद उनके बाएं कंधे पर जा लगी। कई लोगों का मानना था कि जोसेफ का यह रवैया खेल भावना के विपरीत था, क्योंकि अर्शदीप के लिए उन रनों को बना पाना नामुमकिन था।

शाई होप भारत के लिए बन रहे हैं परेशानी

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने चौथे टी20 में सीरीज का अपना दूसरा शतक लगाया और टीम की जीत की नींव रखी। भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने भी उनकी बल्लेबाजी की तारीफ की। पुजारा के अनुसार, होप जोखिम कम लेते हुए तेजी से रन बनाने में सफल रहे हैं। पुजारा ने कहा, 'सीमित ओवरों की इस सीरीज में होप भारत के लिए बड़ा सरदर्द रहे हैं। उनकी विशेषता यह है कि वह अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करते हैं और मौके का फायदा उठाते हैं। यही कारण है कि वे ज्यादा जोखिम उठाए बिना इतनी तेजी से रन बनाते हैं।' भारत के लिए अब चुनौती अपनी बल्लेबाजी की गलतियों को सुधारने और होप जैसे फॉर्म में चल रहे बल्लेबाजों के खिलाफ बेहतर रणनीति बनाने की होगी।



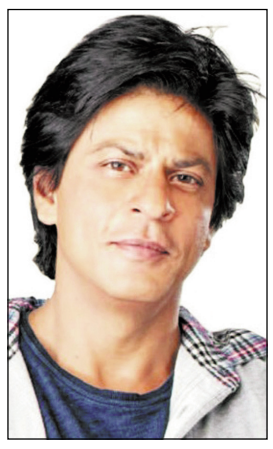
मनीष पॉल ने खोले बॉलीवुड के राज

मनीष पॉल अब इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने छोटे पर्दे पर होस्टिंग कर अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद मनीष ने बॉलीवुड में हाथ अजमाया और 'मिकी वायरस' के साथ बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। अपने करियर में होस्ट और अभिनेता ने बॉलीवुड के कई दिग्गजों के साथ स्टेज शेयर किया। अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू दिया और शाहरुख खान, सलमान खान, करण जौहर के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव बताया।

मनीष ने बताया कि उन्होंने करण जौहर के साथ काम किया है, उनके साथ मजाक करते हैं, लेकिन निर्माता-निर्देशन ने कभी उनकी बातों का बुरा नहीं माना। मनीष बोले, 'करण सर मेरे साथ काम करने वाले सबसे शानदार को-होस्ट हैं। शाहरुख खान सर और सलमान सर इतने बड़े सितारे हैं, लेकिन उनमें दूसरों को सहज महसूस कराने की खासियत है। वे इतने बड़े नाम हैं कि चाहें तो इस बात को लेकर सोच सकते हैं कि कहीं मनीष उनसे ज्यादा न बोलने लगे। लेकिन वे ऐसा कभी नहीं करते।' मनीष ने आगे कहा, 'मैं करण सर का काफी मजाक उड़ाता हूं और हम साथ में खूब मस्ती करते हैं। भगवान का शुक्र है कि लोगों को भी यह पसंद आता है। करण सर ने मेरी किसी भी बात का कभी बुरा नहीं माना। मैंने उनके साथ कई बार मजाक किया है। यह मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे पता है कि कब रुकना है। मैं अपनी हद पार नहीं करता।'

शाहरुख को लेकर बोले मनीष

मनीष पॉल ने शाहरुख खान के साथ एक इवेंट होस्ट करने का किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि



जब वह नए थे, तब शाहरुख के साथ काम करते हुए काफी घबराते थे। ऐसे में शाहरुख ने उन्हें सहज महसूस कराया। मनीष ने कहा, 'मुझे याद है कि मैंने शाहरुख खान के साथ मुंबई पुलिस के कई शो होस्ट किए थे। उस समय मैं नया था और काफी नर्वस रहता था। एक बार उन्होंने मुझे अपने वैनिटी वैन में बुलाया। जब मैं अंदर गया तो उन्होंने बहुत गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया।' मनीष के मुताबिक, फिर शाहरुख सर ने स्क्रिप्ट देखी और पाया कि सभी डायलॉग और जोक्स उनको ही दे दिए थे। मनीष के लिए कुछ नहीं था। ऐसे में किंग खान ने सवाल उठाया कि अगर सारे डायलॉग और जोक्स मुझे ही देने थे, तो फिर यह यहां खड़ा क्या कर रहा है?' मनीष के मुताबिक, शाहरुख ने आगे कहा, 'यह यहां सिर्फ खड़े रहने के लिए नहीं आया है।' इसके बाद किंग ने मनीष से कहा, 'मनीष, मेरे ऊपर भी दो-चार जोक्स करो।'

मनीष ने की सलमान की तारीफ



मनीष पॉल ने सलमान खान के होस्टिंग स्टाइल की भी तारीफ की। उन्होंने खास तौर पर पैपराजी की आलोचना करते हुए सलमान की हालिया टिप्पणी का समर्थन किया। मनीष ने कहा, 'यह बहुत शानदार था और इसकी काफी जरूरत थी। भगवान का शुक्र है कि उन्होंने ऐसा किया। मुझे लगता है कि वह अकेले ऐसे शख्स हैं, जिनकी बात लोग सुनेंगे। अब लोग उनकी बात सुन भी रहे हैं। जब भाई कुछ कहते हैं, तो फिर बात वहीं खत्म हो जाती है।'



रकुल प्रीत ने जैकी भगनानी को बताया ताकत और सबसे बड़ी सपोर्टर



अभिनेता-निर्माता जैकी भगनानी ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने अपने जीवन में रकुल के साथ होने के लिए आभार व्यक्त किया और उनके प्रति अपना प्यार जाहिर किया। उन्होंने लिखा, 'तुम्हें देखकर मैं अब भी मुस्कुराए बिना नहीं रह पाता कि मैं कितना भाग्यशाली हूं। मेरी ताकत, मेरी एकमात्र समर्थक और मेरे जीवन के प्यार को जन्मदिन की शुभकामनाएं। तुम्हारी गर्मजोशी, तुम्हारी असीम ऊर्जा और हमारे घर को सबसे खुशहाल जगह बनाने के लिए धन्यवाद। सपनों को पूरा करने और साथ में खूबसूरत यादें बनाने का एक और साल मुबारक हो। मैं तुमसे प्यार करता हूं।' तस्वीर में रकुल और जैकी एक-दूसरे के करीब खड़े होकर कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए पोज देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने साथ में बिताए कुछ और खुशनुमा पलों की तस्वीरें भी साझा कीं।

दरअसल, रकुल और जैकी ने अक्टूबर 2021 में अपने रिश्ते को सार्वजनिक किया था, जिससे उनके रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया था। इस जोड़े ने सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते की घोषणा करने से पहले अपनी निजी जिंदगी को काफी हद तक गुप्त रखा था। कुछ वर्षों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद इस जोड़े ने 21 फरवरी, 2024 को गोवा में शादी कर ली। उनकी शादी के समारोह में दोनों परिवारों की परंपराओं को ध्यान में रखते हुए रस्में निभाई गईं। इस जोड़े ने अक्टूबर 2021 में सोशल मीडिया पर अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाया और 21 फरवरी 2024 को गोवा में सिख और सिंधी दोनों परंपराओं का सम्मान करते हुए शादी की।

15 साल बाद आएगा द डर्टी पिक्चर का सीक्वल



एकता कपूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बात करते हुए यह कन्फर्म कर दिया है कि वह 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। उन्होंने फिल्म से जुड़ी कई चीजें शेयर की।

साल 2011 में आई फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' को लोगों ने काफी पसंद किया था। मिलन लुथरिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। इसमें विद्या बालन ने लीड रोल प्ले किया था। वहीं, उनके साथ नसीरुद्दीन शाह, इमरान हाशमी और तुषार कपूर भी नजर आए थे। अब फिल्म की निर्माता एकता कपूर ने हाल ही में इसके सीक्वल को लेकर बात की और बताया कि वह जल्द ही 'द डर्टी पिक्चर 2' लेकर आ रही हैं। साथ ही उन्होंने फिल्म की कहानी से जुड़ा भी अपडेट शेयर किया। एकता ने कहा कि वह काफी समय से फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' के सीक्वल के बारे में सोच रही थीं। अब उन्हें ऐसी कहानी मिल गई है, जिसे वह दर्शकों को सुनाना चाहती हैं। निर्माता ने यह भी बताया कि पहली फिल्म की तरह नई फिल्म भी किसी एक व्यक्ति की जिंदगी पर आधारित होगी। हालांकि, इस बार कहानी किसके इर्द-गिर्द घूमेगी, इसका खुलासा उन्होंने नहीं किया। एकता कपूर ने कहा, 'मैं एक बहुत बड़ी फिल्म बना रही हूं, जिसका नाम 'द डर्टी पिक्चर 2' है। मैं 15 साल बाद इसकी योजना बना रही हूं। इस बार मुझे लगता है कि मेरे पास एक ऐसी कहानी है, जिसे मैं बताना चाहती हूं।'

पहली फिल्म को लेकर क्या बोलीं एकता

एकता ने पहली फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा कि 'द डर्टी पिक्चर' सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। यह एक ऐसी महिला की कहानी थी, जिसे अपनी यौन स्वतंत्रता को खुलकर स्वीकार करने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। एकता के मुताबिक, उन्होंने सिल्क स्मिता को कभी पीड़ित के रूप में नहीं देखा, बल्कि एक ऐसी महिला के तौर पर देखा, जिसने अपनी यौन स्वतंत्रता को अपनाया और उसका जश्न मनाया। फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। बता दें कि फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी से प्रेरित थी और इसमें दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में उनके संघर्ष, सफलता और निजी जिंदगी के कई पहलुओं को दिखाया गया था।

सिल्क स्मिता ने कितनी फिल्मों में किया काम

सिल्क स्मिता ने अपने करीब 18 साल के करियर में 450 से अधिक फिल्मों में काम किया था। फिर 35 साल की उम्र में सिल्क स्मिता ने अपने चेन्नई स्थित घर पर आत्महत्या कर ली थी। बता दें कि फिल्म में सिल्क स्मिता का किरदार निभाने वाली विद्या बालन को उनके शानदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला था।



हर कमेंट को दिल पर लेने की जरूरत नहीं

'अनुपमा' में राही का किरदार निभा रहीं टीवी एक्ट्रेस अद्रिजा रॉय ने वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे से पहले मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात की है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक शांति सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपनी भावनाओं को समझें, जरूरत पड़ने पर ब्रेक लें और अपनी मानसिक शांति को प्राथमिकता दें। आईएएनएस से बात करते हुए अद्रिजा रॉय ने कहा, ''लोग अक्सर अपनी परेशानियों को छिपाकर सबके सामने सामान्य दिखने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि अगर उन्होंने स्वीकार कर लिया कि वह किसी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं, तो लोग उन्हें जज करेंगे या गलत समझेंगे। ऐसा सोचने के बजाय अपनी भावनाओं को स्वीकार करना चाहिए। कई बार बेहतर महसूस करने की शुरुआत यहीं से होती है।'' काम और पब्लिक लाइफ के दौरान मिलने वाले कमेंट्स पर बात करते हुए अद्रिजा ने कहा, ''हर बात को दिल पर लेना सही नहीं है। हर व्यक्ति की आपके बारे में अपनी राय हो सकती है, लेकिन खुद को आपसे बेहतर कोई नहीं जानता। मैं कोशिश करती हूं कि अपना ध्यान उन लोगों और चीजों पर रखूं, जो सच में मेरे लिए मायने रखते हैं और बाहरी लोगों की हर राय को अपनी मानसिक शांति पर हावी न होने दूं।''

उन्होंने आगे कहा, ''जब इंसान शारीरिक और मानसिक रूप से इतना थक जाए कि हर काम बोझ या जिम्मेदारी जैसा लगने लगे, तब रुककर खुद को समय देना जरूरी है। कुछ समय के लिए ब्रेक लेना आलस नहीं है। कई बार खुद को थोड़ा धीमा करना जरूरी होता है, ताकि इंसान दोबारा पूरी ताकत के साथ वापस आ सके। मेरा मानना है कि लगातार काम करते रहने को ही मजबूती समझना सही नहीं है। शरीर और दिमाग दोनों को आराम की जरूरत होती है।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''दूसरों की उम्मीदों का बोझ इस कीमत पर मत उठाओ कि वह आपकी मानसिक शांति पर ही असर डाल दें। मैं हमेशा खुद को याद दिलाती हूं कि हर किसी को हर समय खुश रखना संभव नहीं है। मैंने धीरे-धीरे अपनी सीमाएं तय करना और जरूरत पड़ने पर 'नहीं' कहना सीखा है। शुरुआत में यह आसान नहीं था, लेकिन समय के साथ मुझे समझ आया कि अपनी शांति को बचाना स्वार्थी होना नहीं है।'' उन्होंने आगे कहा, ''जिंदगी का हर दौर गुजर जाता है। हो सकता है कि किसी परेशानी के दौरान हमारे पास सभी सवालों के जवाब तुरंत न हों, लेकिन ऐसे समय में खुद पर भरोसा रखना और खुद को समय देना जरूरी है।

सलमान खान ने लॉन्च अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान'

सलमान खान ने अपना नया यूट्यूब चैनल 'बीइंग द सलमान खान' लॉन्च किया है। इस चैनल के जरिए फैंस उनके सफर को दोबारा देख सकेंगे और उनके व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं को जान सकेंगे। चैनल में एक्टिंग, बॉडी लैंग्वेज और सलमान के खास अंदाज पर ध्यान दिया गया है। इसमें मजेदार तरीके से दिखाया गया है कि पर्दे पर सलमान का अंदाज कैसे उनकी पहचान बना। हाल ही में सलमान ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर चैनल का लिंक शेयर किया और फैंस को इसे देखने के लिए कहा। आमतौर पर सेलिब्रिटी अपने यूट्यूब चैनल पर निजी जिंदगी या फिल्मों की शूटिंग के पीछे के पल शेयर करते हैं। लेकिन सलमान का यह चैनल कुछ अलग है। इसमें स्क्रीन पर सलमान के दो रूप नजर आते हैं। एक अनुभवी एक्टिंग और पर्सनैलिटी कोच के रूप में है, जबकि दूसरा एक स्टूडेंट है, जो एक्टिंग सीख रहा है। सलमान ने 22 सितंबर को 'बीइंग द सलमान खान' चैनल लॉन्च किया था। अब तक इस पर 10 वीडियो अपलोड किए जा चुके हैं। कई वीडियो में कोच के रूप में नजर आने वाले सलमान, स्टूडेंट को बॉडी मूवमेंट, डायलॉग बोलने के तरीके और अपने खास अंदाज के बारे में सिखाते हैं। इन वीडियो के जरिए दर्शकों को सलमान की स्क्रीन पर पहचानी जाने वाली खूबियों की मजेदार झलक देखने को मिलती है। चैनल का लिंक शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, 'शुरू से शुरू करते हैं। मेरा ऑफिशियल यूट्यूब चैनल। ए से जेड तक सब यहां मिलेगा।'

2020 में आया था ये चैनल

यह पहली बार नहीं है जब सलमान खान ने यूट्यूब पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। इससे पहले उन्होंने 2020 में 'सलमान खान फिल्म म्यूजिक' चैनल शुरू किया था। इस चैनल पर करीब 30 लाख सब्सक्राइबर्स हैं। यहां उनकी फिल्मों के गानों के साथ-साथ अलग से रिलीज किए गए म्यूजिक भी मौजूद हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान सलमान ने गायकी में भी हाथ आजमाया था। इस दौरान उन्होंने 'प्यार करोना' और 'तेरे बिना' जैसे गाने रिलीज किए थे। इससे एक्टिंग के अलावा उनके काम का एक और पहलू सामने आया। अब नए चैनल के जरिए वह अपने सफर को नए अंदाज में पेश कर रहे हैं और पर्दे पर बनी अपनी छवि के साथ भी प्रयोग कर रहे हैं।



कॉकरोच जनता पार्टी और एआईएसए ने सरकार पर साधा निशाना, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

प्रकाश राज बोले- मोदी-शाह ने मुख्य चुनाव आयुक्त को अवैध रूप से हिरासत में रखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके और एआईएसए की अध्यक्ष नेहा बोरा ने गुरुवार को दिल्ली में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर तीखे बयान दिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण और अभिनेता प्रकाश राज भी शामिल हुए। इस दौरान सरकार पर विरोध प्रदर्शनों को दबाने, प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेने और लोकतांत्रिक अधिकारों को प्रभावित करने के आरोप लगाए गए। नेहा बोरा के बोलने से पहले ही कुछ लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए तिरंगा फहराने को भी अपराध बना रही है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध जताने पर प्रदर्शनकारियों और विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिया जा रहा है। उनके अनुसार, यह कार्रवाई सरकार की ओर से विरोध की आवाज को दबाने का प्रयास है। नेहा बोरा ने कहा कि हिरासत में लेने और मारपीट करने से आंदोलन को रोका नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी एक झंडे, राजनीतिक दल या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। दिल्ली से मुंबई तक आंदोलन जारी है और इसे दबाने की कोशिशों के बावजूद लोग अपनी आवाज उठा रहे हैं। प्रकाश राज ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जो बचपन में मगरमच्छ से नहीं डरा, वह आज कॉकरोच से डर गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों को जंतर-मंतर से हटाने की कोशिश की, लेकिन अब आंदोलनकारियों ने पूरे देश को जंतर-मंतर बनाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि देश के हर जिले और गांव तक विरोध की आवाज पहुंचाई जाएगी। प्रकाश राज ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान पर भी टिप्पणी की, जिसमें राहुल गांधी पर घुसपैठियों को बचाने का आरोप लगाया गया था। उन्होंने कहा कि घुसपैठियों को रोकने की जिम्मेदारी गृह मंत्रालय और सरकार की है, चुनाव आयोग की नहीं। उन्होंने ज्ञानेश कुमार को लेकर आरोप लगाया कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने अवैध रूप से हिरासत में रखा है। प्रकाश राज ने उनकी रिहाई की मांग करते हुए उन्हें मामले का प्रमुख गवाह बताया और कहा कि उन्हें जनता के सामने रिहा किया जाना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यदि सरकार



की कथित बर्बरता जारी रही, तो सत्ता बदलने की जरूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने भी कई बार आंदोलन करके सरकार बदली है, इसलिए सरकार के खिलाफ विरोध करना कोई अपराध नहीं है।

'गुजरात में ब्रिटिश जैसा राज, खाकी वर्दी BJP की प्राइवेट आर्मी बन गई है!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजनीति और प्रशासनिक हलकों में बड़ा भूचाल आ गया है। राजीव गांधी भवन में एक हाई-वोल्टेज प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित चावड़ा ने राज्य की BJP सरकार और पुलिस सिस्टम पर अब तक का सबसे तीखा और जानलेवा हमला किया है। अमित चावड़ा ने खुले तौर पर आरोप लगाया है कि गुजरात के कुछ बड़े और भ्रष्ट पुलिस अधिकारी प्रधानमंत्री और गृह मंत्री का चहेता बनने की होड़ में ऐसे काम कर रहे हैं जैसे वे अनुशासित BJP कार्यकर्ता हों, कानून, संविधान और अपनी वफादारी को भूलकर! गुजरात के मौजूदा हालात की तुलना अंग्रेजों के काले राज से करते हुए अमित चावड़ा ने कहा कि डेमोक्रेसी में हर नागरिक को सरकार से सवाल पूछने और अपने हक के लिए लड़ने का कानूनी हक है। लेकिन कांग्रेस के जो वर्कर, किसान, युवा या महिलाएं BJP सरकार के खिलाफ आवाज उठाते हैं, लोगों की परेशानियां बताते हैं या हाथ में तिरंगा लेकर शांति से प्रोटेस्ट करते हैं, उन्हें 'देशद्रोही' बताया जाता है और उन पर झूठे केस किए जाते हैं। लोकल बॉडी इलेक्शन से लेकर गांधीनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन इलेक्शन तक, कांग्रेस कैंडिडेट को फॉर्म भरने से रोकने, उन्हें फॉर्म वापस लेने पर मजबूर करने, कैंपेन में रुकावट डालने और वोटरों में डर फैलाने के लिए पुलिस सिस्टम का सरकारी हथियार के तौर पर खुलेआम गलत इस्तेमाल किया गया है।



दुनियाभर में पार किया 500 करोड़ का आंकड़ा, अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी फिल्म बनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नालंदा। बिहार के नालंदा जिले में शराब तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग का मामला सामने आया है। गोली लगने से उत्पाद विभाग के एक सिपाही की मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय कॉन्स्टेबल अजीत कुमार के रूप में हुई है। वह नालंदा जिले के हिलसा के रहने वाले थे। घायल सिपाही को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद शराब तस्करों की धरपकड़ के लिए की गई कार्रवाई को लेकर मामला गंभीर हो गया है। उत्पाद अधीक्षक संजय कुमार चौधरी ने घटना की पुष्टि की है। उनके अनुसार, पटना मुख्यालय की उत्पाद आसूचना ब्यूरो (ईआईबी) को गुप्त सूचना मिली थी कि झारखंड से शराब की बड़ी खेप नालंदा लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पटना की ईआईबी टीम ने राजगीर उत्पाद विभाग के उपनिरीक्षक और स्थानीय टीम के साथ मिलकर शराब तस्करों को पकड़ने के लिए कार्रवाई शुरू की।

रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी के शामिल होने की संभावना; मुंबई और दिल्ली में प्रीमियर की भी तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सीजेपी प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, दिल्ली में इंटरनेट बंद करने और जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के मामले में सुनवाई हुई। अदालत ने 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इसके साथ ही जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के फैसले पर भी सरकार से स्पष्टीकरण मांगा गया है। अदालत ने निर्देश दिया कि 10 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन से संबंधित सभी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखे जाएं, ताकि जरूरत पड़ने पर उनकी जांच की जा सके। इस मामले में केंद्र सरकार को अपना पक्ष अदालत के सामने रखना होगा। सुनवाई के दौरान प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों और पुलिस कार्रवाई से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए गए। अदालत ने प्रदर्शन से संबंधित मामलों में जवाब मांगा और संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के फैसले पर भी चर्चा हुई। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर पूछा कि यह निर्णय अदालत की किसी पूर्व मौखिक टिप्पणी के आधार पर लिया गया था या सरकार ने अपने स्तर पर कोई स्वतंत्र आकलन किया था।



1 नवंबर से फोन पर कॉल करने वाले का नाम भी दिखेगा? CNAP सर्विस को लेकर जानिए पूरी जानकारी

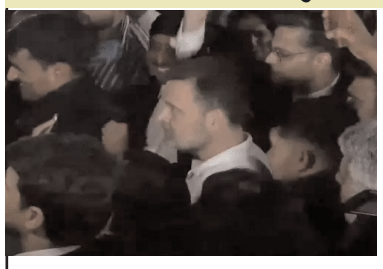
महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिरोही। मोबाइल पर अनजान नंबर से आने वाली कॉल की पहचान को आसान बनाने के लिए कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सेवा को लेकर चर्चा तेज है। इस तकनीक के जरिए फोन पर कॉल आने के दौरान कॉल करने वाले का नाम और मोबाइल नंबर दिखाने की व्यवस्था की जाती है। इसका उद्देश्य अनजान कॉल की पहचान आसान करना और फर्जी कॉल तथा साइबर धोखाधड़ी से निपटने में मदद करना है। इस व्यवस्था में कॉल करने वाले का नाम टेलीकॉम ऑपरेटर के पास उपलब्ध ग्राहक रिकॉर्ड के आधार पर दिखाया जा सकता है। हालांकि, सेवा की शुरुआत की तारीख, किन नेटवर्क पर इसे लागू किया जाएगा और प्राइवेसी से जुड़े नियमों की पुष्टि आधिकारिक निर्देशों से करना जरूरी है। CNAP का पूरा नाम कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन है। इस सेवा के तहत कॉल आने पर फोन की स्क्रीन पर कॉल करने वाले का नाम और नंबर दिखाने की व्यवस्था की जाती है। इसका उद्देश्य अनजान कॉल करने वालों की पहचान में मदद करना है। 1 नवंबर 2026 से इसे सभी 4त और 5त नेटवर्क पर अनिवार्य करने संबंधी दावे की पुष्टि दूरसंचार विभाग के आधिकारिक आदेश से की जानी चाहिए। जवाबः यदि कॉल करने वाले का नंबर आपके फोन में सेव है, तो आम तौर पर आपकी संपर्क सूची में दर्ज नाम दिखाई देगा। नंबर सेव नहीं होने की स्थिति में CNAP सेवा उपलब्ध होने पर टेलीकॉम ऑपरेटर के ग्राहक रिकॉर्ड में दर्ज नाम दिखाया जा सकता है। यह नाम सिम के ग्राहक सत्यापन रिकॉर्ड से संबंधित होगा। जवाबः अंतरराष्ट्रीय नंबर से आने वाली कॉल की पहचान अलग तरीके से दिखाई जा सकती है। स्क्रीन पर अंतरराष्ट्रीय नंबर या कॉल से संबंधित संकेत दिख सकता है। हालांकि, हर फोन और नेटवर्क पर एक जैसा संदेश दिखाई देगा, यह जरूरी नहीं है। इस व्यवस्था में टेलीकॉम ऑपरेटर अपने ग्राहकों के सत्यापित नाम और मोबाइल नंबर से जुड़े रिकॉर्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। कॉल आने के दौरान संबंधित नेटवर्क इस जानकारी के आधार पर कॉल करने वाले का नाम प्राप्त कर प्राप्तकर्ता के फोन तक पहुंचाता है। इसके लिए सेवा प्रदाताओं को आवश्यक तकनीकी व्यवस्था और रिकॉर्ड प्रबंधन करना होगा।



सुप्रीम कोर्ट मार्च मामले में राहुल गांधी समेत 16 नेताओं को नोटिस, सीजेआई बोले- कोर्ट को दबाव में नहीं ला सकता कोई

एसआईआर और चुनाव आयोग के फैसलों पर केंद्र सरकार व निर्वाचन आयोग से मांगा जवाब



महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट परिसर तक विपक्षी नेताओं के मार्च और वहां उनके जुटने से जुड़े मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी अदालत को डराकर या धमकाकर दबाव में नहीं ला सकता। ऐसी कोशिशें बेकार हैं और उन पर ध्यान नहीं दिया जाता। अदालत ने इस मामले में राहुल गांधी, अखिलेश यादव समेत 16 नेताओं को नोटिस जारी किया है। वहीं, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनाव आयोग के फैसलों को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र सरकार तथा निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा गया है। सुनवाई के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अदालत को इस बात की जानकारी है कि उसके बाहर और अंदर क्या कहा जा रहा है। उन्होंने कहा, 'हम किसी काल्पनिक दुनिया में नहीं जी रहे हैं। हमें हर बात की जानकारी है।' सीजेआई ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण पर भी सवाल उठाने की बात कही। उन्होंने कहा कि संबंधित व्यक्ति को अपने आचरण के बारे में सफाई देनी होगी। 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट परिसर में विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों के जुटने के बाद चार वकीलों ने अदालत में याचिका दाखिल की थी। इसमें सुप्रीम कोर्ट परिसर में राजनीतिक प्रदर्शन रोकने के लिए नियम बनाने, घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने और मार्च आयोजित करने वाले नेताओं की भूमिका की जांच करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने अदालत से अंतरिम आदेश जारी कर उन सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने की मांग की, जिनमें राहुल गांधी के सुप्रीम कोर्ट पहुंचने की घटना दर्ज होने की संभावना है। याचिका में आरोप लगाया गया कि उस दौरान एक गर्भवती महिला पत्रकार को धक्का दिया गया था। इस पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति बागची ने संबंधित कानूनी एजेंसियों को सीसीटीवी और अन्य डिजिटल फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। अदालत ने यह भी कहा कि कोई भी व्यक्ति संबंधित फुटेज और डिजिटल साक्ष्य जमा करा सकता है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों को सुरक्षित रखा जा सके। याचिका में यह भी मांग की गई है कि सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित करने वाले व्यक्ति की जिम्मेदारी तय की जाए। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि प्रदर्शन बुलाने वाले व्यक्ति को उससे दूसरों पर पड़ने वाले प्रभावों और परिणामों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। इस मांग से संबंधित याचिका पर सीजेआई सूर्यकांत ने नोटिस जारी किया। सुनवाई के दौरान केरल कांग्रेस के एक सोशल मीडिया पोस्ट का मुद्दा भी उठाया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से इस पोस्ट को मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ बताते हुए इसे अदालत की अवमानना माना गया और कार्रवाई की मांग की गई। याचिका के अनुसार, संबंधित पोस्ट अब हटाई जा चुकी है। यह पूरा मामला विपक्षी नेताओं की ओर से सीजेआई सूर्यकांत को ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगने से जुड़ा है। 11 अक्टूबर को विपक्षी सांसदों ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर मुलाकात का समय मांगा था।

20 लाख की मांग और पुलिस कंप्लेंट के बीच के रहस्यमयी समय पर उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के सरदारनगर इलाके से एक बहुत ही सेंसिटिव, चौंकाने वाली और रहस्यमयी घटना सामने आई है। ब्लैकमेल और धार्मिक रीति-रिवाजों के नाम पर खेले जाने वाले खेल के गंभीर आरोपों के बीच एक भुवाजी ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या करने की कोशिश की, जिससे पुलिस फोर्स में हड़कंप मच गया। इस पूरे मामले ने एक नया मोड़ ले लिया है, जिसमें एक तरफ रेप और छेड़छाड़ की गंभीर शिकायतें हैं, तो दूसरी तरफ करोड़ों या लाखों रुपये वसूलने के खेल और पुलिस के काम पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं।

क्या है पूरा मामला? रेप और आत्महत्या की कोशिश का आरोप

कुछ दिन पहले सरदारनगर इलाके में रहने वाले एक परिवार ने दीपक भुवाजी नाम के एक शख्स को अपने घर एक धार्मिक समारोह के लिए बुलाया था। फिर अचानक मामला सामने आया और उसी परिवार की एक महिला ने दीपक भुवाजी के खिलाफ धार्मिक समारोह की आड़ में रेप और छेड़छाड़ के गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इन गंभीर आरोपों और बदनामी या कथित दबाव के डर से दीपक भुवाजी मानसिक तनाव में आ गया और उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या करने की गंभीर कोशिश की। इस घटना से इलाके में काफी हंगामा हुआ। इस मामले की जांच करते समय ऐसे चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं कि आत्महत्या के पीछे मुख्य कारण महिला और उसके परिवार का दीपक भुवाजी से 20 लाख रुपये की भारी रकम मांगना था। भुवाजी के समर्थकों और सूत्रों का दावा है कि इस मामले में झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर पैसे वसूलने का एक बड़ा रैकेट चल रहा था, जिसके कारण भुवाजी बेहद लाचार हो गया था।पुलिस की भूमिका शक के घेरे में: आवेदन के बावजूद FIR में देरी क्यों? इस पूरे घटनाक्रम में पुलिस की जांच और कार्रवाई पर भी कई सवाल उठ रहे हैं आवेदन की तारीख सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में शिकायतकर्ता ने 5 अक्टूबर, 2026 को पुलिस में आवेदन दिया था। लेकिन उस समय पुलिस ने कोई औपचारिक FIR दर्ज नहीं की थी। अचानक कागज़ात तैयार हुए और जल्दी से FIR दर्ज कर ली गई: अचानक, 13 अक्टूबर, 2026 को पुलिस ने तुरंत महिला और उसके परिवार को बुलाया और जुर्म दर्ज कर लिया।आत्महदाह का समयः सबसे बड़ी और चौंकाने वाली उलझन यह है कि पुलिस द्वारा आधिकारिक शिकायत दर्ज करने के ठीक



एक दिन पहले (या एक दिन पहले) दीपक भुवाजी ने पुलिस की कार्रवाई और कथित ब्लैकमेल से तंग आकर आत्महदाह का कदम उठा लिया। एक तरफ महिला ने गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरी तरफ 20 लाख की मांग और पुलिस सिस्टम की ढीली नीति से लेकर अचानक सक्रिय होने के तरीके पर कई शक पैदा हो रहे हैं। क्या यह मामला सिर्फ़ रेप का है या किसी बड़े फ़ाइनेंशियल ब्लैकमेल और साज़िश का हिस्सा है? अगर इन सभी मामलों की गहराई से और बिना किसी भेदभाव के जांच की जाए, तभी असली सच सामने आ सकता है।

नेशनल हाईवे पर सफर करने वालों के लिए राहत, 3,075 रुपये में सालभर का टोल पास

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। रूरल लोकल क्राइम ब्रांच ने अहमदाबाद रूरल इलाके में इंडस्ट्रियल एरिया से गाड़ियां और इक्विपमेंट उठाने वाले चोरों के गैंग पर कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने जानकारी के आधार पर केरल GIDC और आस-पास के इलाकों से गाड़ियां और टैंकर चुराकर फरार होने वाले दो आदतन चोरों को गिरफ्तार किया है। इस सफल ऑपरेशन से केरल GIDC पुलिस स्टेशन में दर्ज चोरी के दो गंभीर केस सॉल्व हो गए हैं। अहमदाबाद रूरल LCB टीम ने खास जानकारी और सर्विलांस के आधार पर रेड करके इस चोरी के मामले में शामिल दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है



1. संजय डाभी (निवासी बावला)

2. विजयभानसिंह सूर्यवंशी (निवासी बावला)

ये दोनों आरोपी देर रात बावला पंथक और केरलGIDC के खाली और इंडस्ट्रियल एरिया को टारगेट करके कीमती गाड़ियों और टैंकरों की चोरी करते थे। ज़ब्त किया गया सामानः ट्रैक्टर, ट्रॉली और टैंकर ज़ब्त खेती और ट्रांसपोर्टेशन के काम में इस्तेमाल होने वाली एक ट्रॉली पुलिस ने कानूनी तौर पर गाड़ियों और टैंकर समेत सारा सामान ज़ब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। केरल GIDC पुलिस स्टेशन में गाड़ी चोरी की शिकायतें दर्ज होने के बाद, रूरल LCB टीम लगातार पेट्रोलिंग और CCTV फुटेज के साथ-साथ मुखबिरों के नेटवर्क के ज़रिए आरोपियों तक पहुँचने में कामयाब रही। इन दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी से केरल GIDC के दो बड़े क्राइम का खुलासा हो गया है। अहमदाबाद रूरल LCB ने अब गहन रिमांड और पूछताछ शुरू कर दी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि ये दोनों आरोपी और किन इलाकों में चोरी की घटनाओं में शामिल रहे हैं और क्या उनके साथ कोई और साथी भी शामिल हैं।

कनॉट प्लेस में CJP के प्रोटेस्ट पर रोक लगाने से इनकार त्योहारों के मौसम में एक्शन में दिल्ली पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली से कानूनी और राजनीतिक क्षेत्र में एक बहुत ज़रूरी खबर सामने आई है। दिल्ली हाई कोर्ट ने गुरुवार को कॉकरोच जनता पार्टी और उसके फाउंडर अभिजीत दीपके के 16 अक्टूबर को कनॉट प्लेस के मशहूर सेंट्रल पार्क में होने वाले प्रोटेस्ट पर रोक लगाने से साफ इनकार कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने दिल्ली पुलिस के उस भरोसे को रिकॉर्ड में ले लिया है, जिसमें पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि प्रोटेस्ट के दौरान कोई गड़बड़ी न हो और सभी गतिविधियां कंट्रोल और व्यवस्थित रहें, इसके लिए हर मुमकिन सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस विवादित याचिका पर सुनवाई एक्टिंग चीफ जस्टिस नितिन वासुदेव साम्ब्रे और जस्टिस संजय शर्मा की बेंच के सामने हुई। कनॉट प्लेस के एक लोकल व्यापारी ने दिल्ली हाई कोर्ट में यह निर्देश देने की मांग की थी कि कनॉट प्लेस जैसे बहुत व्यस्त और ज़रूरी इलाके में किसी भी प्रदर्शन की इजाज़त और कंट्रोल सिर्फ़ सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस के हिसाब से ही दिया जाए। सुनवाई के दौरान, पिटीशनर की ओर से पेश सीनियर वकील ने ज़ोरदार दलील दी कि इस दौरान सेंट्रल दिल्ली के कनॉट प्लेस में करोड़ों रुपये का बिज़नेस होता है।



बिहार में ग्रामीण विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता के चार ठिकानों पर छापेमारी, पटना स्थित आवास से 3.20 लाख रुपये नकद मिले

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पटना। बिहार में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने ग्रामीण विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में बड़ी कार्रवाई की है। निगरानी की टीम ने मंगलवार को पटना, छपरा, कटिहार और पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित उनके चार ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की। इस कार्रवाई के दौरान पटना स्थित आवास से 3.20 लाख रुपये नकद बरामद होने की जानकारी सामने आई है। फिलहाल, टीम संबंधित ठिकानों पर संपत्ति और दस्तावेजों की जांच कर रही है। चंद्रशेखर सिंह की तैनाती छपरा में है। निगरानी ब्यूरो की टीम वहां भी राजेंद्र सरोवर स्थित ग्रामीण विकास विभाग के कार्यालय में जांच कर रही है। इसके अलावा पटना और कटिहार में उनके आवासों तथा पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित ठिकाने पर भी तलाशी ली जा रही है। जांच का मुख्य उद्देश्य आय के ज्ञात स्रोतों और अर्जित संपत्ति के बीच अंतर से जुड़े आरोपों की पड़ताल करना है। पटना में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम रूपसपुर थाना क्षेत्र के लोहिया पथ स्थित सरयुग वामिका अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 103 में पहुंची। जानकारी के अनुसार, टीम दोपहर करीब 12:30 बजे फ्लैट पर पहुंची और तलाशी की कार्रवाई शुरू की। छापेमारी के दौरान चंद्रशेखर सिंह आवास पर मौजूद नहीं थे। तलाशी के दौरान पटना स्थित आवास से 3.20 लाख रुपये नकद मिलने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, इसके अलावा अन्य कितनी नकदी, संपत्ति से जुड़े दस्तावेज या महत्वपूर्ण रिकॉर्ड मिले हैं, इसकी विस्तृत आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। जांच पूरी होने के बाद ही बरामद सामग्री और दस्तावेजों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। चंद्रशेखर सिंह की पोस्टिंग छपरा में होने



के कारण निगरानी की टीम ने राजेंद्र सरोवर स्थित कार्यालय में भी जांच शुरू की है। यहां विभागीय रिकॉर्ड और उपलब्ध दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। आय से अधिक संपत्ति के आरोपों की जांच में संबंधित अधिकारी की आय, संपत्ति और वित्तीय लेन-देन से जुड़े रिकॉर्ड महत्वपूर्ण हो सकते हैं। निगरानी ब्यूरो की कार्रवाई के दौरान टीम अलग-अलग स्थानों पर एक साथ जांच कर रही है, ताकि संबंधित संपत्तियों और दस्तावेजों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। फिलहाल, छपरा स्थित कार्यालय से किसी विशेष दस्तावेज या संपत्ति के संबंध में आधिकारिक विवरण सामने नहीं आया है। कटिहार के सहायक थाना क्षेत्र के लोहिया नगर में निगरानी की टीम दो गाड़ियों से पहुंची। यहां ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता चंद्रशेखर सिंह के आलीशान भवन में तलाशी शुरू की गई। कार्रवाई निगरानी विभाग के डीएसपी के नेतृत्व में की जा रही है। टीम उनके पैतृक आवास पर उपलब्ध संपत्ति और दस्तावेजों की जांच कर रही है। कार्रवाई के दौरान जांच कर रहे अधिकारी मीडिया के कैमरे पर कुछ भी कहने से बचते नजर आए। इससे छापेमारी में मिली अन्य संपत्तियों या दस्तावेजों के बारे में तत्काल कोई विस्तृत जानकारी नहीं मिल सकी। कटिहार के साथ पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी स्थित ठिकाने पर भी निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम छापेमारी कर रही है।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.